

अथ नाथकृत छद्मकबीसीप्रारम्भः ॥



दोहा ॥

पद्ममाहिंअलिसन्नतिमि प्यारोप्यारीमाहि । नाथ साथनिरछद्मकर त्राहित्राहिप्रभुपाहि १ ॥पंडितकास्वाँग॥ कवित्त ॥ कान्हासोतीधोतीडार धौलीसीकिनारदार उप वस्त्रधार उपवीतपहिनाऊंगी । दिव्यहाराहियेसार चन्द नचरचिचारु पोथीकांखमेंसँवार नाथदिगलाऊंगी ॥ शिष्यकरिबालनके ग्रथितप्रबालनके लालनकेकरमें सुमिरनीसजाऊंगी । आजुराधेहाथमाहिं लठियाअँगू ठियाहू साजमतिमंडिसेपंडितबनाऊंगी १ ॥ वैदिकका स्वाँग ॥ अलककेजूराजोरिघोरिरागखौरखौर सुरभीके पुच्छकरमुच्छहूलगाऊंगी । फाटिकसुकमलाच्छछोटेरु दराच्छमाल स्वच्छ २ अम्बरसुघरपहिराऊंगी ॥ मंजु मंजुमुंजउपवीतपुंजकंजमाल मृगछालसुविशालदंडहू धराऊंगी । नाथनिजहाथतोहि साजिपुस्तकादिकहू चा रोंदिकविदितसुवैदिकबनाऊंगी २ ॥ दर्जिनकास्वाँग ॥

चादरचँदेरीसारचूंदरीघनेरीधार गहनेजुदेरीसाजिफेरी सीफिराऊंगी । सुन्दरसयानीकीसारीचिहमियानीखीसी अजबफबीसीचीजसींवेकीभराऊंगी ॥ अँगियासुईकी सुईडोरदुईअँगूठीहू सुघरकतरनीसुतेजहिधराऊंगी । दैकैगजलाजसाथनाथअलगर्जिनिसी दर्जिनिबनायतो हिसीनेसेलगाऊंगी ३ ॥ छीपिनकास्वाँग ॥ छीटेंछोरदार कोरदारसुंदरसुधारअतिहीअँजोरदारचादरउढ़ाऊंगी। चोलीअनमोलीडारभोलीसूरतसँवार गहनेघनेसेहम जोलीसीसजाऊंगी ॥ छड़दारछीरदारआबदारधाबदार कलितकिनारदारगाँठगठिआऊंगी । नाथमनमोहिजो हिकैहैयहीसाधमोहि बिपिनबिहारीतोहिछीपिनबनाऊं गी ४ ॥ पटहारीस्वाँग ॥ थाननघनेरेकेरेघाँघराघुमेरेतेरे शमकेफेरफिरकीसुकैंचीयाँचूंगी । अँगियानौरँगियासी चादरसुरँगियासी काँधियालगायजूराजुरिकेसमाचूंगी ॥ तनहैनयेसेघनगनउनयेसेनाथ भूषणजाड़िततेतड़ितहू कोटाचूंगी । बिपिनबिहारीजूतिहारीबलिहारीआजुका न्हपटहारीतोहिपटहारीराचूँगी ५॥ गावनहारीकास्वांग ॥ साजिएकलाईएकलाईपरगोटेदार हीराकेकतारमनौनी लमभैखाचूँगी । रतनकतारीवारीभारीकामवारीसारीजे बरजड़ाऊसाजभूषणसमाँचूँगी ॥ सुन्दरनगीनादारबी नालैप्रबीनाकीसी निपटनवीनागतिरागअतिजाचूँगी । मैयानंदरैयानाथ भैयाहूबलैयालैहैं आजब्रजरैयाकोग वैयानारिराचूँगी ६ ॥ बिसातिनिस्वांग ॥ सारीजरतारी ओढ़नीघनीकनीकीब्रनी चोलनाचुहचुहीसीचुरियांच

ढ़ाऊंगी। सकलसुहागवारी चीजभरिकेपिटारी बेंदीबि
न्दीपोतप्यारीगुड़ियासजाऊँगी॥ कंघीआलीप्यालीभ
ली दर्पनीसुमंजनहूंसुरमनहूंतेसुरमनहूंभुलाऊँगी। हो
रीमेंबिसातिनसंघातिनसीनाथतोहि आजुतोदिहातिन
बिसातिनबनाऊँगी ७॥ चुरिहारीस्वांग॥ बोरदारघाघरा
पैकोरदारचादरहूं सुन्दरऔजोरदारगहनेपिन्हाऊँगी।
जरदजँगालीकाली दूबियागुलालीलाली चूरीभरपूरी
डालीबगललगाऊँगी॥ चटकीलीचुहादंतीगजदंतीशं
खचूड़ जयतूनीदूनीदिब्यछन्दबन्दलाऊँगी। नाथबन
वारीतोहिहोरीतिवहारीकाज आजमनहारीमनहारीसी
बनाऊँगी ८॥ पनिहारीस्वांग॥ सारीदिब्यधारीजामेंकारी
धारीसीकिनारी चोलीदामभारीकीसँवारीसीसजाऊँगी॥
तनतनरतनजड़ितअभरनसाजि बेंदीबिन्दीसीसपुरीईं
डुरीधराऊँगी। गागरपैगागरधरायपुनितापरतैलघुगा
गरीहूंनाथनागरीघुमाऊँगी॥ मोहैंगीकिशोरीगोरीतो
रीछबिभोरीदेखियातेपनहारीपनहारीसीबनाऊँगी ९॥
बैदिनका स्वांग॥ चोलीनिजझोलीदेहौंगोलीपातीकीपि
सैहौं पोलीभलीबेलीलैहौंताहीमेंभराऊँगी। दामनकी
भारीश्वेतसारीजोपुरुबवारी चादरकिनारीदारधारीदार
लाऊँगी॥ आननकेबाहरसुघरदुइदंतलैहौं सुरभीके
पुच्छस्वच्छबारसेलगाऊँगी। लकुटीलगायपायकमर
झुकायभाय नाथतोहिदिनीसीसुबैदिनीबनाऊँगी १०॥
सुनारिन स्वांग॥ परमापियारीयारीकरिबेकेलायकसीआं
खैंअनियारीयाकीबांकीसीबनाऊँगी। घनेघूंघरूघिरेसे

घेरघांघराघुमेसेघरघरघेरिघेरिघतसेघुमाऊँगी॥सोरहों
सिंगारधारबारहोंबिभूषनहूँ प्रेमकेपियूषनसेवचनबुला
ऊँगी। बगलपिटारीलायगहनेसबैभरायनाथहिसुनारी
सीसुनारीनिरमाऊँगी ११॥ कुंजरिन स्वांग॥ चन्द्रबद
नाकेनाकेगोदनाकेकनाकेसे चित्ररचनाकेसमबनाकेदि
खाऊँगी। मिर्चनूनरंगदारचादरसुघरधारचूनदारघेर
दारघाँघराघिराऊँगी॥ फबतरकारीवारीसारीतरकारी
भरडारीपरडारीधरफलहूँभराऊँगी। कोकिलसीकूँजरी
सुभँवरीसीगूँजरी तूगूँजरीसीनाथतोहिकूँजरीबनाऊँगी।
१२॥ मालिनकास्वांग ॥ घेरदारघाँघरामुरेरदारचूरीचा
रुगरमेहुमेरडारश्रोढ़नीश्रोढ़ाऊँगी। मोरनीसुबेसरकी
चोलीरँगीकेसरकी सखियासुरेसरकीसरसीकराऊँगी॥
चलेहौंमरालीचालदेइफूलडालीडाल मंजुलमंजीरपुं
जगुंजसेसुनाऊँगी। नाथसाथश्रालीनईचालीसीनिका
लीश्राजतोहिबनमालीमालीनारिसीबनाऊँगी १३॥
पहलवानकास्वांग॥श्रजबनिकासीहाँसीखासीबुधिरासीहो
यभासीकहातोहिगोरीहोरीबेषलाईहौं॥नयोसोनगोटता
पेश्रोटश्रोटकपराको चोपजुतटोपश्रोपब्रजरजछाईहौं॥
जुलफकेजूराजुरेसीनासेपसीनाढुरेविथुरेश्रलकमुखमुरे
पेचलाईहौं। नाथललकारेतोपछारेबीचमयदान श्राज
तोपहलवानकान्हकोबनाईहौं १४॥ नायनकास्वांग॥ श्र
भरनमनकेभरनसुबरनधारि बसनलसनसुरनारिसीस
जायहौं। हरीहमियानीधानीरंगतामेंरंगरंग एकसंगना
यनकीचीजहिभरायहौं॥ सुघरनहरनीकेनैनमनहरनी

के नीकेसाजझोलीगोलीप्यालीहूधरायहौं। झलाका सलाकासाजसुरमासुगंधआज नाथतोहिचायनसेनाय नबनायहौं १५॥ मानिनीकोस्वांग॥ पलकझुकायके अलकछलकायदोऊ तिलकमिटायकाय झलकझलाऊँ गी। करपैकपोलगोलकरिकेअडोलकेसेअरबिन्दपैज्यों अरबिन्दलपटाऊंगी॥ दीननकेबसनबिदीरनसेजीरन सेचहुंओरीहोरी चीजतोरीबिखराऊंगी। कुंजपुंजयामि नीसीआजद्युतिदामिनीसी नाथतोहिमानिनीसीकामि नीबनाऊंगी १६॥ दुलहीकोस्वांग॥ अलककीपाटीपारि माँगसेंदुरसँवारि तनतननिजआभरनपहिनाऊंगी। कज्जलकलितदृगलालितकरानिपग मेहँदीमहावरसुघर रङ्गलाऊंगी॥ चूंदरचटकचारुचादरचोलीचुरीहू चन्द्रमातेचण्डिकातेचौगुनीचुनाऊंगी। नाथसाथऐसी बरजोरीकरौंहोरीकाज आजब्रजदूलहको दूलहीबना ऊंगी १७॥ रानीकोस्वांग॥ मुकुटलकुटवाकेशिरकरधर याके फूलछड़ीविकटीसीमुकुटीलगाऊँगी। वाकोखौरभौ रमंजुपुंजगुंजमालडाल याकेचन्द्रहारफूलहारपहिनाऊँ गी॥ वाकेजरतारीसारीओढ़नीघनीकनीकी याकेपटपी तकाछनीतनीसजाऊँगी। नाथमहराजजूकोमानीमहा रानीसाज ब्रजरानीजूकोब्रजराजसीबनाऊँगी १८॥ राजाकोस्वांग॥ विसदविचित्रचित्रकेसेकरिपद्मपत्र तासु शिरछत्रचौरघूआकोढुराऊँगी। फटिकशिलाशकलफू लदलपातनके सिंहासनआसनपैताजपहिनाऊँगी॥ आयुधविविधविधकेलाखंभपातनके फूलनकेगूंथिरभू

षणसजाऊँगी । वाहनहिरनछाजमैनसैनसाजआज व्र
जरानीजूकोव्रजराजसेबनाऊँगी १९॥ श्यामाकोश्यामको
स्वांग ॥ पीतपेचसरपेचदारसरदारकेसे दारचौकीदार
भाँतिपाँतिसेसजाऊँगी । फूलफलपातनकेभूरिभोजपात
नकेगातनके भूषणबसनानिरमाऊंगी ॥ बांसुरीसुबांसुरी
खरीहरीभरीछरीसीघरीघरीनाथहरीलेगोतोछुटाऊंगी ।
फागकररागसाजकहैव्रजबामाआज तोहिअभिरामा
श्यामाश्यामहीबनाऊंगी २० ॥ कुमारीकोरूपक ॥ सारी
रँगरातीगुजरातीफहरातीजाती लहराती चूड़ियांनथु
नियांसजाऊंगी । वचनपियूषनसे भूषनअदूषनसे
रतनजड़ितद्युतितड़ितपिन्हाऊंगी ॥ गोरीमाहिंबीछी
बीछीआड़सीतिरीछीआड़ रोरीकीसुतीछीबेंदीसुमन
गुन्हाऊंगी । चलोबनवारीनाथवारीतोपैसारीनारी बा
रीपहिरायतोहिबारीसीबनाऊंगी २१ ॥ बन्दरकोरूपक ॥
आँगियाहियाकीताकीकूलहीलहलहीसी बागानिजकुर
तीकोफुरतीसिलाऊंगी । कोरीसीपिछौरीवोरीकेशरसुर
ङ्गमन्द वाहीकोकमरबन्दपटुकापिन्हाऊंगी ॥ पासही
कपासरासताहितूमतूमखास लामीलूमलासिकैगुलाल
मुखलाऊंगी । लंकडोरलायनाथनगरीघुमायआज हो
रीस्वांगलायहरिकोहरिबनाऊंगी २२ ॥ योगीकोस्वांग ॥
रुच्छकाकपच्छकेजटाकीछटादच्छकीसी दाढ़ीमुच्छल
च्छपुच्छसुरभीलगाऊंगी । तूंबाकोकमण्डलदैकञ्जनाल
कुण्डलदै विविधाबिशालमालभालभस्मलाऊंगी ॥ सु
मनधतूरतूरशृङ्गीसजौबंशीकूरअम्बरकोचीतिकैबघम्ब

रसजाऊंगी । चोलीझोलीसाजभोलीमूरतिहोलीकेका ज आजब्रजनाथजूकोनाथहीबनाऊंगी २३॥ योगिनिको स्वांग ॥ पातनकेकाननमेंकुण्डलअखण्डलसे अलफी नफीरीकेरागेंडुरीरचायहौं । नवलनवेलीगलसेलीअल बेलीभल गुनीगुनिग्वालगनचेलीकरिलायहौं ॥ मुछे लछरीहूहरीभरीफूलपातिनके गातिनसेगेरुआसुझो लीलटकायहौं । भसमरमायमुखलटछटकायभाय नाथ योगीराजजूकोयोगिनिबनायहौं २४॥ सवैया॥ रंगरेजिन कोस्वांग ॥ गूथनदारइजारकेसूथन चादरसुंदरबादरसां चौं । क्याकुरतीकुरतीकरिदामिनि कामिनिकेतननूतन सांचौं ॥ घूंघुटओटकियेबरपोट लियेउढ़नीगढ़नीपट यांचौं । नाथमजेजिनसेंतुमको सुखसेजिनसीरँगरेजिन राचौं २५॥ गोदनहारीकोस्वांग ॥ चोलीकीझोलीसजौं अनमोलीसुबोलीसिखायसजायसुनारी । कांखमेंडारि सवांरिभलेपुटरीमुटरीलघुसीसपैसारी ॥ सीसलौंपाय लौंबीसहुँबीस रतीसेभलीछबिराचहुन्यारी । नाथतुम्हें सखिसाथघुमायहौं मोदनतेंरचिगोदनहारी २६ ॥ दोहा॥ कदमतरेब्रजनाथके छदमछबीसीगाय। दमद मपरइकदमहुभर नरकेछदमनशाय ॥

इतिछद्मछबीसीसम्पूर्णम् ॥

अथ स्फुट कवित्त ॥

समस्या—बाँकेनयन राधिकाके हैं ॥

प्रेमकेपताकेकामदेवताकेसमताके छबिकेपताकेदेन हाराहितताकेहैं । सांचेसुखमाकेसुखमाकेजाकेजोहेहो त मादकताकेहैंप्यालेआलेरसताके हैं ॥ पूतरीप्रबीनाकेसँकोचहैनगीनाकेसे ताकेनाथजड़ितसुडौलडिबियाकेहैं । जसकरताकेसानतसकरताकेबान बड़ेहीकजाकेबांकेनयनराधिकाकेहैं १ ॥ अन्यच ॥ मीननिजजड़ताकेहीनताकेदीनताके ताकेहेतुभये तरियाकेदरियाके हैं । खंजनबिछिप्तताकेमारेफिरैमारेमारे तीतलीभलीसीलहीनहींथिरताकेहैं ॥ जलभँवराकेभँवँराके जल बूड़ीबुधि विधिदवराकेमारेरहेभँवँराकेहैं । पच्छीपच्छताकेअच्छताकेगुणखोयबैठे ऐसेयेचलांकेबांकेनैनराधिकाकेहैं २ ॥ श्रीचरण वर्णन ॥ मूलसुखमाकेसुखमाकेजाकेसेयेहोतप्रचुरप्रभाकेपुंजमंजुमुकताकेहैं । कैधोंकल्पलताकेलताडिबेकेकाजछाज येछबिचैतन्यताकेवोतोजडताकेहैं ॥ कीरतिपताकेप्रीतिपताकेप्रकाशताके हेतु निरबानताकेरिधिसिधिताकेहैं । शशिताकेसबिताकेछबिताकेहेतुमान ऐसेपदभानवृषभानकेसुताके हैं ३ ॥ अन्यच ॥ एकहीछमाकेमेंछमाकेमेंछमाकेमन मोहिलेत प्रीतिलातिकाकेरूपयूपहितताकेहैं । हरिकेमथाकेटेके

छेकेमाननवलाके बलाकेछलाकेभरेनूपुरबलाके हैं ॥
उमाकेरमाकेशारदाके कामदयिताकेसारीसुरतियाकेन-
पदउपमाकेहैं । धिकहैअधिकताकेजाकेयाकेप्रेमनाहिं
नाथनेहसाधिकाकेपदराधिकाकेहैं ४ ॥ समस्या ॥ शशि
मुखमसिलाईहै ॥ राधामुखसाधाकरैं बिधिबिधुतेहीरो
जआधाकैतिहाईकैअखीरपैचौथाईहै । बाधाहोतमूल
हूमेंमाबसकेआवतही निरबाधाहोयनागँवाई चतुराई
है ॥ याहीतेमयंकबंकपूरनहूमेंकलंक बारबारतोरैफोरै
जोरैआजमाईहै । तातेंनाथकमंडलीबिहंडलीरली फबि
छेकीछबिकैधौंशशिमुखमसिलाईहै ५ ॥ समस्या ॥ या
तेचंदरोजरोजघटतबढ़तहै॥आठोंअच्छहीजमायबिधि
बहुलच्छलायपच्छभरि पच्छकरिचंदहिगढ़तहै । राधा
जूकेमुखकेबराबरसुसाधाकरैं सँवारैबिगारैयुक्तिजियते
कढ़तहै ॥ नाथब्रह्ममायाराधामुखभांतिनिरमाया ब्रह्मा
तासुछायाबृथाचन्द्रहिमढ़तहै । खोजखोजहारेहैंसरो-
जसुतकारीगरीयाते चंदरोजरोजघटतबढ़तहै ६ ॥
समस्या ॥ राधेआजमानकोदिवानकरबैठीहै ॥ सघननि
कुंजपुंजाकिल्लाकोटओटदारलामें पुष्पतोपगोपकन्याकम
नैठीहै । झिल्लीभृंगदादुरबहादुरसेशूरबीर बलाकाप-
ताकाद्युतिदामिनीकीऐंठीहै ॥ चकवाचकोरमोरघोरद-
लपैदलसे गरजिनगारेभारेचहूंओरपैठीहै । नाथचलि
देखियेअबाधेकैसेमौनसाधे राधेआजमानकोदिवानक-
रबैठीहै ७ ॥ समस्या पुरानी ॥ एतीब्रजबालामृगछालाक
हांपावेंगी॥कबरीकेजटाजूटसबरीरचैहैंभला कचचमरी

कीसेलीनबेलीरचावेंगी । चन्दनकेकुण्डलसुगण्डलहिं छारधारतूमाकेकमण्डल अखंडलसिआवेंगी । लहँगा सारीकिनारीवारीगूदरीसँवारी धारीवारीकुरतीकीअल फीसिलावेंगी ॥ बिनायोगीनाथसाथकहौंकिमियोगिनि ह्वै एतीब्रजबालामृगछालाकहांपावेंगी ८ ॥

इति स्फुट कवित्त समस्या समाप्तः ॥

अथनाथपदमंजरी ॥

श्रीगणेशाष्टक ॥

रागबिभास ॥ सुमुखएकदंतकपिलगजकर्णकलम्बो
दर बिकटबिघ्ननाशबिनायकबिशेषभाजिये । धूम्रकेतु
गणाऽध्यक्षभालचन्द्रगजआननद्वादशये नामजामआ
ठो नितजापिये १ संकटसंग्रामग्राम बादपरिकहूंकु
ठाम एतेअभिरामनामकहे कामलहिये । बिद्याधन
धामनामदेतहैंनिकामहूको नामएकहूजोगणनाथजूको
कहिये २।१॥ दण्डक ॥ जयतिगणराजमहराजमंगलक
रण । भूरिभाभानुतनुकोटिसुकृशानुजनुबाहुआजानुप
रमानुमदनिस्सरण॥लसितकेशावलीमनहुमधुपावली
दिब्यकुसुमावलीगंधआयेहरण । ग्रथितसितलसितग
जराजमुक्तावलीमनहुसुबकावलीलालघनबिभ्रमण१।१
चारुभुजचारबरअभय आयुधाबिबिधशूलअंकुशानिरं
कुशासुवीराचरण । अर्द्धशिरचन्दआनन्दसुखकन्दतर
हरतदुखद्वन्दनिर्द्वन्दभवभयहरण॥परमअनुरक्तिआति
भाक्तियुतशाक्तिसबऋद्धिसिद्ध्यादिविद्यादि सेवितचर
ण ।दोषदूषकसकलविमलआसनकमलयानमूषकप्रब
लनाथअशरणाशरण२।२॥भंझौटी लम्बोदरसुन्दरबरबु
द्धिकेविधाता।महादेवदेवाधिपदेवीपितुमाता १ मदकर

लैगंधनिकरमधुकरमननाता।फेरतउतशुंडतुंडलीन्हेज
लजाता २ उनमीलितनैननचैनऐनरंगराता। कोटिभानु
भाँतिजानुउदितमुदितगाता३ पीतबसनउच्छासनतैजे
फहराता।लखिछबिगणनाथप्रीतिसाथगाथगाता४।३॥
भैरव ॥ जयगनपतिजयजयगनपतिजयजयगनपतिसु
खदाई। होतप्रभातगातपुलकितचितभजतदुरितदुरि
जाई १ एकबारबारनमुखबोलतबारनाबिघनकराई। स
मीदूर्बतेंहूबलहतजनइच्छुकपित्थचढ़ाई २ इन्दुबिन्दु
सिरइन्दुरबाहनलसिसिंदूरसुहाई। अतिसुडौलगजमौ
लकेऊपरधौलतिलकछबिछाई ३ जिमिउदयाचलपैम
णिनिर्मलस्वेतप्रभाचमकाई । कैधौंदिवसनाथमंडलमें
शशिभृगुकुजपहुनाई४।४॥ गौरी॥ श्रीगनपतिमहराज
विघनहर। धुरधानीसिंधुरकीकीन्हींदेवनकेहितकाज॥
रिधिसिधिबुधिनिधिबहुविधिसेवतचौरढुरतछविछाज।
नाथसाथनिजसाँझसमैजिमिचापसुरेशबिराज २।५॥
खम्माचतैलंगबिलावली॥ लम्बोदरसुंदरदाता । देवाधि
देवदेवाधिराज॥एकदन्तद्युतितेजवन्तनाहिंआदिअंत
महिमाअनन्त। सेवतसुरसन्तनकेसमाज १ शिरअर्द्ध
चन्दआनन्दकन्ददुखद्वन्दनसतबिघननकेफन्द।करिदें
सुछन्दनिजजनकेकाज २ कियेबक्रतुंडदियेशिरत्रिपुंड
मानोभोरघोरतारनकेझुण्ड । निशिनाथविन्दमानहुबि
राज ३ भुजचारुचारिआयुधसवाँरिदाहिनेकरवरनिज
दन्तधारि। अतिसदयवराभयमुदकछाज ४।६ झंझोटी॥
गनपतिविपतिविदारनवारे । पूजितसकलसुरासुरपति

तेंदीनहीनप्रतिपालनहारे १ कोटिकभानुकृशानुजानुद्यु तितुंदिलचारुचारिभुजभारे। पुस्तकमोदकसुघरअभ यबरराजतपीतबसनचटकारे २ मोतियनझुण्डशुंडपर शोभितज्योंबकपंगतिसांझसिधारे। खुलतखौरअतिगौ रचँदनके मनहुंउदितभयेभानुसकारे ३ सिंहासनक मलासनशोभितभालचन्दआनन्दसुखारे। नाथहाथजो रेबरमांगतहोहुँअम्बकरतुमसमप्यारे ४।७ गनपतिआ पतिकबहरिहौहो। सुनियतनियतनामहीमेंअसबिनस तविपतसोकबकरिहौहो १ कांपतिआपतिनामसुनतहीव हफलभलकबअनुसरिहौहो २ थूलशरीरफूलमोदकतें नितनितकितआलसभरिहौहो ३ नाथहाथधारिलेहुकेहु विधिकबदुखदुसहदीहदरिहौहो ४।८॥

इतिश्रीगणेशाष्टकनाथपदमंजरीसम्पूर्णम्

—

अथ श्रीअम्बिकाष्टक ॥

भैरव ॥

त्वमेवशरणंत्वमेवशरणंत्वमेवशरणंकालिके। भवभयहरणंभवभयहरणंभवभयहरणंपालिके १ शङ्करभामिनिअन्तर्य्यामिनिहिमगिरिसुन्दरिबालिके। शवाशिवबाहिनिसुरावगाहिनिदुरितविदाहकरालिके २ भूषणगणसर्बाङ्गविलासितेउरशिररचितशिरमालिके। करकलितासिवराभयमुंडेच्युतचिकुरेशशिभालिके ३ नृत्यसिअधिपितृबनमालीभिर्गीयमानगुणमालिके। नाथदीनदासोपरिसुन्दरिकुरुसदनुग्रहमालिके ४। १॥ दंडक बिलावल॥ जयतिजगदम्बिकादुरितदुखदालिका। जयतिगिरिपतिसुतासर्बगुणसंयुताजय तिकौमारित्रिपुरारिप्रियआलिका १ मोहमदगंजिनीभूरिभयभंजिनीभक्तमधुकंजिनीप्रेमप्रणपालिका। जयतिजगबन्दिनीहरिहरानन्दिनी परमनिर्द्वन्दिनीअम्बअम्बालिका २ कैटभद्राविणीमहिषसंहारिणी हारिणीधूम्रनयनस्यमददालिका। चण्डमुण्डादिशुम्भादिदलदालिनी रक्तबीजस्यनिर्बीजकुलघालिका ३ असुरनिर्मूलिनीसुरस्वनुकूलिनी शैलश्टकशूलिनीबिजितबिकरालिका। जयतिरिपुशासिनीबिन्ध्यगिरिबासिनी नाथसुखरासिनीजय

महाकालिका ४। २ जयतिजगदम्बअवलम्बाहितकारि
णी।जयमहाचारिणी बिघ्नपरिहारिणीपरमसर्बोपकारिणि
स्वजनतारिणी १ जयतिहेरम्बाप्रियअम्बअम्बुजमुखी
कुसुमसुकदम्बकर्णाभरणधारिणी। जयतिबपुबालिका
तरुणछबिजालिका वृद्धतनपालिकाबेषपरिचारिणी २
जयतिनृकपालिनी विदितबनमालिनी कलितकंकालि
नी नृत्यसंचारिणी। कंसबिध्वंसिनी गोपबरवंशिनी
सकलविबुधांसिनी बिषयबिषदारिणी ३ जयतिनिःस्वा
र्थमन्यार्थसुखसार्थिका समरअमरार्थिका असुरसंहारि
णी। जलस्थलगामिनी बिमलबहुनामिनी नाथद्विज
स्वामिनी मोहमदहारिणी ४। ३॥ चंचरीक॥ जैजैज
गदम्बअम्ब सन्ततदीनावलम्ब कृपाबेलिखम्बसम्ब
रारिशमनप्यारी। सुघनसघनतमस्वरूप कुञ्चितकच
कुचअनूप नाभिकूपरोमावलिसुन्दरफुलवारी १ मानहुं
युगकुम्भअमी ताबिचबहुभांतिरमी विवरवरपिपीलि
काकीपांतजातसारी २ नैनमैनयुतबिशाल लालबाल
चन्द्रभाल बिजुलीकरझालमाल मोहतउजियारी ३
मंजुलमुकतावलीबकावलीसीलीनगगन मानहुंनिशि
नाथसाथ उड़गनघनधारी ४। ४॥ भैरव॥ जैगिरिव
रनन्दिनि शंकरकरआनन्दिनि। सुरनरमुनिवरबन्दिनि
जैअम्बालिका। आदिशक्तिभक्तिहेतु भईहौबिभक्तिरू
प कोटिहूअनूपभक्तकल्पथालिका १ सुंदरबाघम्बरादि
क अम्बरबरबसनसुघर सम्बरारिपुकलितललितबेष
वालिका २ जैजैहेरम्बअम्ब सन्ततदीनावलम्ब सम्ब

रारिनाशक करपरमआलिका ३ गावतनिजनाथगाथ नृत्यतिदैतालहाथ योगिनगनसाथजयाति प्रणतपालिका ४। ५॥ परज॥ जैजैसुहिमाचलथलाविन्ध्याचल वासिनी। कोकिलाकिलकूजित कलनिर्मलकमलासिनी॥ खगमृगकरनिकरनिकर मधुकरसुखरासिनी १ बसतिलसतिप्रीतिरीति हितजनहितआसिनी २ दिन भरगिरिवरबिहार दिवसपारपासिनी ३ बिन्ध्यकेपहार धार नाथसाथबासिनी ४। ६ जैजैजगदम्बअम्बसु न्दरवरबानी। पूजितनितसुरमुनिवर शंकरकररानी॥ अम्बरबाघम्बरवरसुन्दरसुखखानी १ अम्बुजदृगसम्ब रारि सहितसुधासानी २ अम्बुकणितकम्बुग्रीव शम्भु सुखनिधानी ३ सुमिरतरतिहोतनाथ दम्भदुरितहानी ४। ७ जैजैजगजननिभेदवेदहूनपाई। औरनकीदौर कहासकैकौनगाई॥ आदिशक्तिभक्तिभूरि शक्तिदेतआ ई। तातेसबदेवभेवनिजमुखकछुगाई १ अद्भुतअध रातकालरातमाहिंजाई। जगमगजगमगसुज्योतिहो तिअतिनिकाई २ सोईमातुदेशदेश रचिसुवेशछाई। धरिधरिबहुनामश्यामअसितासितसुहाई ३ जगतमां झभगतकाज लाजरखतिआई। नाथमाथफेरुहाथ प्रीतिसाथमाई ४॥ ८॥

इतिअम्बिकाष्टकसम्पूर्णम्॥

भवानी पंचरत्न ॥

———*———

खम्माच ॥

तैलंगबिलावली ॥ अंबेनिजजनअवलंबे । त्रिपुरारिप्या
रिगिरिपतिकुमारि ॥ सबमारिमारिअसुरनसँहारि । रि
पुगृहउजारिखलदलबिदारि ॥ संतनसुधारिअधमनउ
धारि १ घनसघनरंगशोभितसुअंग । कुचकचउतंगलो
चनकुरंग ॥ अतिशयसुरंगसारीसवाँरि २ तनरतन
जटितद्युतितड़ितभांति । भूषणकीकांतिबकपांतिजाति ॥
घनसघनमाहिंगनधारिधारि ३ उरबिचउमंगअतिशै
अनंग । नितनंगअंगयोगिनिकेसंग ॥ अबनाथमाथ
भुजफेरचारि ४ । ११ ॥ सोरठ ॥ तवपदपद्ममहीकीआ
स । सुनहुश्रीजगदंबमोहिं अवलंबराउरखास ॥ कुं
जपुंजसुकंजजहँतहँमंजुमधुकरबास । ताहितजिभजि
जातनहिंकाहिंसघनबनहिपरास ॥ औरकोसुनुदौरऔ
रहुमोहिंतवविश्वास । बुंदस्वातीजिमिअघातीचातकी
निजप्यास ॥ जिमिसपूतकपूतहूकोमातुराखतिपास ।
तिमिअनाथकोनाथतुमहींराखियोकरिदास ४॥ भैरवी ॥
खेमटा ॥ २ जगदम्बाबिनाअवलंबनही । केत्तोको
ऊजनजायकही ॥ बड़ेबड़ेदेवसेवहमदेखेदेहियाँविशे
षेनचैनलही । तीरथबरतकरतदिनबीतेरीतेहीकराफिर

आयेमही ॥ टोट्कनकेखोट्कनमेंपरिपरिमितियाविद तियासहीसबही। नाथतनिकअंबहि अवलंबहुचारो केचारोमिलैसबही ४। ३॥ दादरा॥ निरअवलम्बाकेहैं जगदम्बा॥ जिमिबरधामकेथामनकेहितहोतअधारभा रसहिखंबा। चहतिसपूतकपूतएकसेदायेंबायेंदगसेअ तिअंबा॥पाहनसेअघगनखोदनकोनामहितेरोजबरजि मिरंबा। नाथमाथपरहाथकमलधराजियसेजैसेचहोहेरं बा ४। ४॥ ग़ज़ल ॥ महारानीजीसुन्लीजियेअर्जीगुला मकी। उम्मैदहरहमेशाहैआपीकेधामकी ॥ इतनीउम रगुजरगईआसीकिभटकते। पाईकहींनहींगरज़अपने जोकामकी ॥ जोकुछकिआजतकसेमाँमुझसेहुईखता। भुलवाइयेतोयशहैयहआपीकेनामकी ॥ जपतपऔतेरे ध्यानकानज्ञानहैमुझे। हर्गिज़नख्यालकीजिये इहअक्ल ख़ामकी ॥ उल्फ़तकेसाथनाथतेरेगाथकोगाता। रखि येखबरहररोजमाआठोहीयामकी ४। ५॥

इतिश्रीभवानीपंचरत्नंसमाप्तम्॥



अथगंगाष्टकप्रारम्भः ॥

जैहरशिरमंडिनित्रयतापपापखंडिनि दुखदीहदरिद दंडिनिजैशम्भुश्रालिके ॥ गिरिवरकंदरविदारिसुन्दरथ नबनविहारिमनोहारिविमलवारिमनिसुथालिके । हरिप दपाथोजजनितईशशीशमध्यभनित लासिताविधिकमंड लुश्रघचंडघालिके ॥ लहरतलहरीतरंगकलितकरपतंग रंगइन्द्रधनुउतंगज्योंसुरंगमालिके । कैधौंवरपासदासत्रा सनासहेतुकहैनाथगाथगावतजैजह्नुबालिके ४ । १५
रागषटतिताला ॥ जगतजीवजनजनानिजैजह्नुजाया । पापत्रयतापश्रतिव्यापसबश्रवनिपर ताहिभ्ररसघनघ नसेबहाया ॥ मोहमधुदुखदमदमहिषसंहारिणी दुरित धूम्रहिधधाकिधुकिजराया । नाथदोषादिचंडादिशुंभादि दलश्रोघश्रघबीजशोणितनसाया ४ । २ ॥ सेवनितजा ह्नवीमानवीसुगतिहित । पुंजश्रघकुंजकरमत्तमातंगिं नीमोहशारंगिनी हेतुसिंहिनिकुपित ॥ विशदविषयादि विषसर्पकरदर्पवरवराहिनी ताहिपरवैनतेयीविदित । म त्तमातंगसानंगक्रोधादिखलताहिउत्तंग दावाश्रनलसी श्रमित ॥ घोरसंसारकूपारविचमत्स्यवरमानमत्सरप्रव रतासुमकरीविहित, । लोभलाभादिशलभादिदलकर प्रबलाबिमलभलज्वालमालादिचंचललासित ॥ तिमि रपाखंडश्राखंड पूरितदुरितताहिमार्त्तंडकीकिरनघनश्र

नागिनित । गूढ़गुनगाथतवनाथगावतसदा देहुनिज साथप्रियपाथचितहितसहित ४ । ३ ॥ भैरवी ॥ गंगे तुमबिनुकौनसकैकरकरिविरसेयहतनमनचंगे ॥ मतवा रेसारेगजभारेहारेश्रम परिकरिबलदंगे। तिनकरश्रमसी करतवसीकरहोतवशीकरकरतसुरंगे ॥ मनमतंगतिमि तंगकरतानित पापविशदमदरहतश्रनंगे । नाथपाथपा वनपावनते पावनतोशिरतकदुखभंगे ४ । ४ जैसुरसरि सरसरितशिरोमणि सुरसमूहसबसन्तसुखाशिनि ॥जा सुधारसुरधारविविधविधि सेवतहोतश्रधारसुराशिनि । जबतेजगपधारिहरशिरते तबतेसहितसुधारिशुभाशि नि ॥ जाकीधारदुधारतेगसब श्रधमउधारनकोमकरा शिनि । कबहूंनिराधारनिजतटतेकीजैजनिसुनुनाथहु लाशिनि४ । ५ ॥ ठुमरीलखनौही ॥जेहिगंगतरंगकोरंग लसे सोइजीवश्रीरंगकेसंगबसे । जनजोईसुढंगकुढंग फसे सरभंगमताजेसदासेरसे ॥ करतेहीउमंगनहान हिके वहईशउछंगमेंजायखसे। गंगागंगागंगाजोकहेकं गालहु नादुखफन्दफँसे ॥ परितापीसुरापीजेपापीमहा सोउजायनहाश्रघश्रोघनसे । गतिश्रौरनकीतोकहाक हिये चुपहीरहियेसुरहूतरसे॥ यमदूतहुदंगभयेलखिके सबनंगाहिनंगनयेहरसे। कहैंनाथसेगंगसेजंगरचौ श्र ड़बंगहिरंगसदादरसे ४ । ४ ॥ रागविभासधमारताल ॥ जैजैगंगेतरलतरंगे ॥ लहरीलहरलहालहलहराति ग तिश्रतिबंकमयंकसुरंगे । कैधौंफटिकथलीपरसुन्दर हि माहिमकरकरशोभितसंगे ॥ कैधौंबरसीकरबांधनको दा

पपापत्रयतापकेअंगे । नाथअमलयुततेहिशीतलहित
आतिबिभूतिमलरहतजोनंगे ४। ७ जैजैतारणतरणत
रंगिनि ॥ हिमहिमकरद्युतिमकरबाहिनी दासीदांहिनि
ओरसुसंगिनि । भूषणबसनललितअतुलितछबि क
लितकलाशशिशीशसुरंगिनि॥ करनिअभयवरकमल
कमण्डल माहिमण्डलकरबिघनबिभंगिनि । बिनप्रया
सनिजदासनके सबपूजतिआशनाथसुखसंगिनि४।८॥

इतिश्रीगंगाष्टकंसमाप्तम्॥



श्रीअन्नपूर्णाष्टक ॥



दंडक ॥

अक्षिघूर्णामुदापरमपूर्णायुदा अन्नपूर्णासदायोगमाया । दानतूर्णामहाबिपादिचूर्णा सदाजयतिविद्युत्प्रभाशंभुजाया ॥ मुखेसुप्रसन्नताउरसिसुप्रपन्नता भिन्नतारहितचित्तदिब्यकाया । विमलवक्षस्थलारत्नधृतनिर्मला भक्तवरवत्सलाजगानिकाया ॥ जयतिएणाऽक्षिकाभवविभवरक्षिका भांक्षिकासकलकुदरिद्रतायाा ॥ जयतिजगदात्मिकाविविधविबुधात्मिका अखिलसर्वात्मिकाभवहिताया ॥ शंभुहितगार्विकाधृतकनकदार्विका रत्नभाजनयुताअन्नदाया । नाथगुणगाथगायतित्वयामंडपे कुरुसकरपल्लवेणाऽभिक्षाया४ । १ ॥ चंचरीक ॥ जैजैआननप्रसन्नजैजैजगजनप्रपन्नजैजै नितशिवाऽसन्नअन्नपूरना ॥ करछीतिरछीसँवारिविरचीकंचनसुधारि सजतरजतबटुवाकरकाहिपूरना । करपदपंकजप्रबालकुंकुमशशिबालभाल लोचनतीनिहुँविशाललालघूरना ॥ भूषणतनरतनजड़ितानिरदूषणबसन तड़ितआँगनविचजासुनचितशंभुढूरना । सोहतसिंहासनपरमोहतकमलासनवर जोहतनितनाथहाथकछुकदूरना ४ । २ ॥ झंझोटी ॥ जैप्रसन्नमुखिअन्नपूरना । बालादिवाकरसीछविआकर

लसितमैनतिहुँनैनघूरना ॥ कुंकुमलालभालबिचसोह
तजिमिरविबालसकैविसूरना। शिरशशिकलाकुटिल
विमलासीद्युतिआननपूरनअधूरना ॥ करकरछीतिर
छीबटुवावर कौनजौनअसरससुपूरना। जेतेजगतभ
गतअभगतहत सबहिंअन्नदैकाहुदूरना ॥ जेहिआँग
नमांगनानितअवतहर क्षणहरहिंजरूरढूरना। नाथ
हाथजोरेनितमांगत राखतमोहिंकिमिनिजहजूरना ४।३
कलिंगड़ा ॥ जाकीआशपूरना सोपूजेअन्नपूरना ॥ जग
दीनहीनहूकोमनकेमलीनहूको सुखसबहीको अमराव
तीकोदूरना। रंकहूनिशंकनाईकंकनाकोऊजनाई अति
हीआतंकपाईजाकेमखदूरना ॥ अनधनजनघनामिल
तरतनतन पावैमोतीचूरजाके मिलेकछुचूरना। नाथ
हाथदोऊजोरेमांगेनितसाथतोरे मोरेसरमानसकेमैया
करुभूरना ४।४ ताकेकलुकदूरना कबहूंजाकेअन्नपूर
नामैया। धावतमनभावतफल पावतलहिबांकीझांकी
सुखदैया ॥ नातबातसबभांतभांतहि तातमातमितसु
तनिजभैया। कामक्रोधलोभादिक तेदिकसदाफंदारहै
कोउनसहैया ॥ यहरसनाकाहूकेबशना चाहतसबरस
मीठतितैया। भागअभागहिशोचतनाहीं चाहीसबैज
गकररौतैया ॥ असमतिमंदमंदभागीहू शरणगहेल
हेसुखसुररैया। उमानाथजितहाथपसारत कलिबिच
कामधेनुसीगैया ॥ ५ ॥ गौरी ॥ दानीतोहिंजगतकी सु
नियतअन्नपूरनामहरानी। जेतुवनामभजेसकामहू ता
हिदेतसबसुखखानी ॥ महाकंकजेपंकलगाये ऐसेहुरंक

कियेमानी । अतिआतंककरत दारिदपरानिजानिशंक तनप्रनठानी ॥ जेंहित्रिलोकमेंओकमिलतनहिं ताहि देतसजरजधानी । मनमलीनतनछीनदीनजन भये पीनलहिसुखघानी ॥ साधारणजेचरणशरणगहेतासुब हेदुखजिमिपानी । नाथसाथकिमिविलमकरतिहौकरहु विपतिकरधुरधानी ४।६ ॥ भैरवी ॥ अन्नपूरनाकहत कछुदूरनारे ॥ भूरिभँडारभरतलहरतसुखगतिमतिहो तिकूरनारे । आपहिआपव्यापसुखसंपतिजिमिझरना कबौंझूरनारे ॥ विपतिडरातपरातदूरलौंजिमिमृगसिंह हजूरनारे । नाथसाथप्रणशरणचरणचहेसपनेहुकैनवि छूरनारे ४।७ अन्नपूरनाभवानीमहरानीमोरीरे ॥ शशि आननतजिआननदेखेअँखियांचकोरी मोरीतोरीओरी रे । भानुकरोरअँजोरसीलागतपापतापतमखानीतोरी रे ॥ नैननिकोरसुधाभरेसैननिचितवनिझुंकानिलजानी थोरीरे । बांकीतेरीझांकीनितमांगत नाथदोऊनिजपा नीजोरीरे ४।८॥

इतिश्रीअन्नपूर्णाऽष्टकंसमाप्तम् ॥



श्रीसंकटाष्टक ॥

—*—

विलावल ।

दण्डक ॥ जयतिसंकटाविनाशिनिसदासंकटा । दिव्य भव्याऽननाभृकुटिविकटाऽननाशुभ्र सिंहासनासीनजै व्यंकटा ॥ जैमहिषमर्द्दिनीकारिणिवत नर्द्दिनीभक्तसम्ब र्द्धिनीजयतिविद्युच्छटा । कर्णस्वर्णाऽभरणपरमपरमा चरणनिहितवसनाऽवरणलसितलोहितपटा ॥ मुण्ड मालान्वितंअर्द्धचन्द्राङ्कितं मौलिकुंकुमभृतंकचसुघन घनघटा । काकपच्छावलीभूरिभ्रमराऽवली कलितकुसु माऽवलीलसितसितशिरजटा ॥ कविविविधरंगिनीनैन शारंगिनी लसितसुतरंगिनीयोगिनीउद्भटा । रुचिर रुचिसाथगुणगाथगावतसदा दुःखदारिद्रहरनाथकर उत्कटा ४ । १ पाहिपाहित्राहित्राहिजयतिमातुसंकटा । तोहिंसेवदेववेदभेवलहतव्यंकटा ॥ कामकोहलोभमो हद्रोहदरहुउद्भटा । ज्ञानध्यानदानशीलकरहुशीलउ त्कटा ॥ अनधनजनयानमानधाममेंरहैपटा । रागद्वेष हरिकुवेषकीजियेताड़िच्छटा ॥ वंशाकरप्रशंसनीयओघ अघरहैहटा । नाथहाथजोरिचहैचरणमेंरहैउटा ४ । २ संकटेसुरक्षरक्षदीनपक्षकारिणी । अक्षदोषदारिणीविप पक्षहारिणी ॥ यक्षकिन्नरीनरीसुनृत्यनृत्यचारिणी । स

वेदासमक्षदक्षदेवसेवधारिणी ॥ रंकनकोकल्पवृक्षसंतन
कीतारिणी । उधमकारिहूंकीअरु अधमकीउधारिणी ॥
ऋद्धिसिद्धिबुद्धिनिद्धिगुणगणकीसारिणी । होहुप्रीति
साथनाथहूकीदुखदारिणी ४ । ३ ॥ भैरवी ॥ संकटासंक
टविकटविमोचिनि ॥ यजनभजनसाधारणजनकेधारण
मनकारिलेतसंकोचिनि । हीननदीननकेदुखदारिणि
भक्तनकेआगमसुखशोचिनि । सन्तनकोसन्तानजान
जिय तासुविमलबलबुद्धिविरोचिनि ॥ चहतनाथयहि
ओरभोरहू कोरथोरहूफेरुत्रिलोचिनि ४।४॥ खेमटा ॥
सारेसंकटहमारेनटारेकोऊ । एरीसंकटातेरेविना ॥ से
वाकियेपरमेवामिलतहै दुखनहिंदेवानिवारेकोऊ । जं
तरओरमंतरकियेसबतन्तर अंतरकेरिपुनाहिं मारेको
ऊ ॥ तूमहरानी बड़ीवरदानी ज्ञानीतुम्हैं नाबिसारे
कोऊ । देवनकेसेवनकियेठन केनाथहाथनहिंधारेको
ऊ ४ मोरीहेसंकटाक्योंनसंकटकटे । नामोंकोतेरेसदाई
रटे ॥ सुखनालहेरेसहेरेघनेदुख अबतोहमारीतुम्हारी
पटे । देवोंकोमानेनदेवीकोजाने हमतोरहेंसबहीसेछटे ॥
बड़े २ ग्रामोंकोधामोंकोतजतजज्ञानीबसेजैसेगंगातटे ।
तैसेहीतेरेचरणकेशरणसे नाथहटेनाबखूबीडटे ४ । ६
भैरवी ॥ संकटासंकटकाटनहारी ॥ जोकोउचरणशरणत
किआवत तासुदहतदुखभारी । मनभावतफलपावत
पूरणकबहूंअधूरनटारी ॥ पापीपरितापीहूसुरापी आपी
आपसकारी । भेदविभेदनहींसबहीसम नाथहुकीअब
पारी ४ । ७ संकटासंकटविकटविदारो ॥ गुनिनिजविर

ददरदतनधारो विलपतदासतिहारो। तोरिकुफुलसम सकलदुःखदल कसनकरदकरधारो॥ तेरेनिकटविकट औचटहू काचेघटसमसारो। मांगेतुवदरबार बारह रनाथहिनेकनिहारो ४। ८॥

इतिश्रीसंकटाऽष्टकंसमाप्तम्॥

—※—

अम्बाविनयाष्टक ॥

—— ❋ ——

षट ॥

कबहींके पदअम्बुजअम्बालेरखिहैंनाथमाथमेरे । जेपदपद्मपद्मरागनके पायलयुतनितभक्तनकेरे १ जेपदमहादेवउरपुरपर नूपुरपूरितनितफेरे । तातेमहादेवदेवनमेंकारनमहाशवदकेरे २ जेपदमदमाहिषाकरमरदेउ औरहुदानवदलयेरे । जेपदपावन परतशवनपर निरततनित नइगतिदेरे ३ जेपदभेद वेदनहिंजानत ब्रह्मादिकसुरवंदेरे । सोईचरणसरोजरोजही मधुकरनाथसाथहेरे ४ । १ कबहींकेचरणशरण अंबाजी रखिहैंजानिमानिचेरो । कृपाकोरममओरहेरिहैंजबकबहींएकहुवेरो १ जेपदकमलअमलपायलयुत मंजुलकलहंसानिकेरो । कलिमलसकलकठोरघोर अघदलिहैं जबतबहींनिवेरो २ यद्यपिपरमकपूतभूतसम कूतनकछूपापनकेरो । तदपिहोतहितअमितसुताहिंते चाहतिमाताहीअनेरो ३ जिमिघनघोरचकोरचंदज्यों स्वातिवुंदचातकहेरो । तिमिकरजोरअगोरनाथनित जननीजनिकरहुअवेरो ४ । २ कबहींकेकरकंजनि शिवरंजनिफेरिहैंनाथमाथपैरे । जेकरकमलअमलरतननते पूरितभूषणगनसेरे १ जेकरखुलतषडाननऊपर मुदितग

जाननपैफेरे। जेकरफिरतरहतनितशिवपर भैरवपैमृदु
रवकेरे २ कृपादीठकरसिंहपीठपरफेरतनिशिदिनबहुवे
रे।जेकरसुघरसुघरदासनपरवरअरुअभयदानदेरे ३
मत्तमतंगतुरंगतरलज्योंतेहिस्वामीसुहरैहैरे।तिमिवरव
रधनाथविनुनाथहि हाथफेरिपुचकरिहैरे ४। ३ कबय
हिओरकोरईक्षणते छिनकहुअंबहेरिहैरे। फिरतसेन
पतिगनपतिपैजोसोकबकोरफेरिहैरे १ अंबअंबरटनि
रालंबसमकबममजोहहेरिहैरे। पदसरोजहररोजभृंगस
मकबलौंजायनेरिहैरे २ कलिमलसकलपापउरपुरते क
बसबकाढ़िगेरिहैरे। रंकसमाननिशंककंकमन कबधन
चरणघेरिहैरे ३ कबलौंपदपावनपावनको मोमनमातुप्रे
रिहैरे।नाथएकविश्वासआशपरकबलौंदिनहिंतेरिहैरे ४
कबहींकेदीनहीनदुखियामोहिंसुनिगुनिमातुहेरिहैरे। स
मरथसुरथबनिककबनिगये तिमिगतिकबहिंफेरिहैरे १
१ जिमिसुरहेतुअसुरगणगंजेउ तिमिसुखकबहिंमेरिहै
रे। अड़ेरहतहरबारचाररिपु सोकबअंबपेरिहैरे २ अ
तिआधीनदीनसेवकगुनि कबलौंमोहिनिबेरिहैरे। सक
लशोकसन्तापतापकबजियतेकाढ़िगेरिहैरे ३ जियसभी
तताकेअभीतकरिदारिदुदुखदरेरिहैरे। कबनिजचरण
शरणराखनहित नाथहिनेकुटेरिहैरे ४।५॥चंचरीक॥तुम
बिनजगदम्बअम्बकोलेसुधिमेरी॥ यन्त्रमन्त्रतन्त्रआ
दियतनकरतथाके तनभूतप्रेतदेवपांतिबहुतभांतिघेरी।
तबहूंनहिंइच्छाफलपायेकछुकाहूथल अबजियभलजा
नपरीआशमातुतेरी॥ यहभवसागरअपारसूझतनाहिं

वारपारनिराधारको अधारनौकापदकेरी । जानाहिंनाहिंय जनभजनसोजनअस करहिंयतननाथ हाथजोरिकरैमं दिरकीफेरी ४।६॥सो० ॥ तुमतजिऔरनहिंअवलंब। पंच भूतकपूतकेजगतुमहिंएकहिअंब ॥ सुमनमनमंदिरहमा रेतासुतवपदथंब । जगतसिंधुअपारमेंतुवनामहीबरखं ब॥मूढ़कूढ़कोऊजोकाटततनतसुशाखाअंब । ताहिभलफ लदेतछायातिमितुमहुंजगदंब॥सहिताहितनितकार्तिके यहिचहतिअतिहेरंब । नाथसाथकृपाकरहुतातिमिदासगु निअबिलंब ४ ॥ झंझौटी ॥ तारेकसनमोहिंअवतारे सकलदेवहमसेवपुकारेभवभारेनउतारे ॥ सुकृतीसबता रतदुकृतीनहिंअसकसनेमनिकारे । तुमतारिणिजगका रिणिअंबा बिरदहिंराखुसँभारे॥ मोहिंकेवलबलनामअ सरो औरसहारेहारे । तवपदकामधेनुबिनुकितगतिश्वा नसेद्वारेद्वारे ॥ प्रीतिप्रतीतिरीतिपदपदुमनि मनवचक रमहमारे । नाथमाथपरहाथहिफेरो तुमबिनुकोनिर धारे ४ । ८ ॥

इतिश्रीअम्बाविनयाऽष्टकंसमाप्तम् ॥

——❋——

अथाविश्वनाथाष्टक ॥

---※---

दण्डक ॥

जयतिशंकरभयंकरबिपन्नाशनम् । कालकल्पा न्तकंत्रिपुरअसुरांतकंमोहमदनांतकंरोगरिपुनाशनम् ॥ ब्यालबरजाल गरमाल सुबिशालतर भालनिशिकरक लाकलितललिताम्बकम् । कालकंकालनृकपालधरपर शुधरमंजुमृगशावधरअभयबरसंयुतम् ॥ रुचिररुद्रा क्षकमलाक्षवक्षस्थलेप्रलयअनलाक्ष फटिकाक्षसंशोभि तम् । सुन्दरंसिंहशार्दूलचर्म्माम्बरंक्वचित् सुदिगंबरंदि ब्यवृषभाऽसनम् ॥ भस्मभूतकायअधिकायसुनिकाय छबिदाससमुदाय हितसर्वसुखदायकम् । गरलगंगाध रंतरलाविद्युन्निभंसरलाचित्तबल्लभं नाथतापापहम् ४ सदाशंभुअम्भोजनेत्रंबिचित्रं मुकुन्दप्रियम्चिद्घना नन्दरूपम् । भजेकुन्दइन्दुद्युतिंभव्यादिब्याऽकृतिं व्या कृतिंशुद्धसत्यस्वरूपम् ॥ महासर्पसर्वांगअर्धांगगौरी करेशावशारंग भव्याऽनुरूपम् । वराऽभीतिपरशुर्वरेप द्महस्ते प्रशस्तेसुभालेकलाचन्द्रशुभ्रम् ॥ सदासर्वका लेजटाजूटजाले लसद्गंगपाथःसनाथःकृतोऽयम् ४।२ प्रसीदशङ्करप्रसीदशङ्कर प्रसीदशङ्करनमामिहे ॥ सु खाभिमूलंसदाऽनुकूलं सुचन्द्रचूडंभजामिहे । भक्तिलता

यूपंसुरभूपं कृपाऽनुरूपंयजामहे ॥ कुरुममहृदयंसदासु
सदयं सदाशिवंप्रणमामिहे । अनाथनाथंदीनानाथं
शिवतवशरणंव्रजामिहे ४। ३ जयशंकरजयजयशंकर
जयजयशंकरागिरिराजपते । महाश्मशानेबृषाऽभियाने
पिशाचगानेदत्तमते ॥ त्रिशूलपाणेपिनाकपाणे रथाङ्ग
पाणेप्रेमरते। स्मरान्तकारिन्मखान्तकारिन् पुरान्तका
रिन्चित्रगते ॥ ममाऽपराधंक्षमयाऽगाधं अनाथनाथं
स्वात्मरते४।४॥ कलिंगड़ा ॥ टेक ॥शिवाशिवशम्भोहरहर
मृगधरजपोजन । भृङ्गीभावनात्रिपुरनशावनमदनविना
शनईशबृषाऽसन॥ कण्ठभुजंगीभूतसुसंगी बहुरंगीअं
गीकृतपालन । परमअनंगीउमाउमंगी अरधंगीरंगी
बिषभोजन १ त्र्यम्बकत्रिपुरान्तकभस्मान्तक वृषभध्व
जगरुड़ध्वजरोचन। जटाजूटधरकालकूटगर महाका
लकालीमनमोहन २सबसुरनायकतातबिनायक सुख
दायकदुखदीनबिभञ्जन। बामदेवशिवमहादेवभव उग्र
देवसुरदेवतपोधन ३ गङ्गाधरगिरिजाधरअहिधर दिक
अम्बरबाघम्बरवरधर । काशिनाथनाथनकेनाथभज
विश्वनाथनिजजनभयमोचन ॥ ४। ६ हरहरगौरीवर
हरछनकहोमन। श्रृङ्गीधारनअधमउधारन दीनउबार
नजैजगकारन॥ गतिअरबंगीमतिबहुरंगी दीनसुसंगी
मुनिमनमोहन। उदितउतंगीपरसुकुरंगी समरसुजंगी
जैयोगीजन ॥ योगिनिनंगीसहितउमंगी नृत्यसुढंगीतां
डवतालन। तरलतरंगीनैनकुरंगी अंगीकृतशशिशीश
सुमण्डन ॥ जैभवभूतीविशदबिभूती परमपञ्चभूतीश

त्रिलोचन। भोगप्रसूतीयोगअकूती पुरुहूतीपददायक सन्तन ॥ कालान्तकप्रलयान्तकजन्तुक कल्पान्तकअन्तकगतिनाशन। मुक्तिनाथकेदारनाथबम् बैजनाथभवनाथभजोमन ४। ६ ॥ खम्माचतैलंगबिलावली ॥ शंकरहरहरहरशम्भो । गिरिराजराजपतिअतिदयाल ॥ लोचनअनंगमयनंगअंग गौरीअधंगशोभितसुरंग। गरनीलरंगशिरचन्दबाल १ भूषणभुअंगदूषणनअंग लासिजटागंगलहरीतरङ्ग। नैनाकुरंगसुन्दरबिशाल २ बघछालऔरगजखालडाल मलिभस्मभालउरमुंडमाल। लोचनदुखमोचनलाललाल ३ निरततततथेइथेइ युतमृदंगयोगिनिउमंगसहरागरंग। गावैंनाथसंगह्वैह्वै निहाल ४।७ गौरीबरहरहरबमबम्। सुमिरतनिहालकरिदेतहाल॥ छूटीहैगंगधारातरंगभागेभुअंगसबएकसंग। लपटतिउछंगबिचभभरिबाल १ निरमलसुअंग बिचदेखिदंगशंकिताचितानिजआभासुरंग। रूसतिजो सतीकरसौतख्याल २ मलिमलिबिभूतिप्रतिअंगअंग कोटिकअनंगछबिहोतभंग। सउमंगउमानिरखतनिहाल ३ पीभंगरंगगिरिजासुसंगलीलाकरकरहररंगरंग। नितनाथसाथराहियेकृपाल ४। ८ ॥

——❋——

शिवाष्टक॥

भँझौटी ॥ जिनकेशंभुसदाशिवदाता। तिनकेकहाकमीसंपतिकी धनपदोतखिसिहाता॥ कामधेनुअरुफ

लदकामतरु देनकेनामलजाता । उमारमाश्ररुक्षमा
छकितह्वै कहतिकौनममत्राता ॥ शंकरकरअसआनबा
नसखि देबनथोरसुहाता । नामलेतसबदेतसुसंपाति
दंपातिनृपातिबनाता ॥ अणिमादिकमहिमादिककोवह
नटनीसीनिचवाता । सबसुखसाथनाथबनिबिलसत अं
तपरमपदपाता ४ । १ जिनकेसाम्बसदाशिवदानी ।
तिनकेधामयामबसुकमला अचलाहोयथिरानी ॥ ऋ
द्धिसिद्धिनवनिद्धिसदाही तासुचरनलपटानी । कांपति
विपतिदूरहीतेलखि भागअभागडरानी॥ दारिदुदुरित
दरतिनिजछाती दुरतितासुसुनिवानी । भवबाधाकोउर
मुखदाधा देखतदूरपरानी ॥ सबसुरअसुरनागमुनिकि
न्नर नरबड़भागबखानी । राजतनाथकोनाथसदाबनि
जससुरनाथकहानी ४ । २ शंकरदीननकेबड़ेदानी ।
जाकेघरखरफूसहुनाहीं तेहिबकसतरजधानी ॥ जेअति
कंकपंकतनलायेतेहिकरिसुरपतिखानी । रंकनिशंकभ
येअतिशयसबदेखिरमासकुचानी॥ दुखितकामतरुका
मधेनुबरु दोऊकहतनिजहानी । कोऐहैजैहैममनेरे
शिवकहिलहिसुखखानी ॥ बहुतबिहालनिहालकिये
हैसुनिधुनिगालसुहानी । कियेसनाथअनाथहिकेतेनाथ
हुकेसुखदानी४।३ जोजनसन्ततशम्भुसनेही।सोजनल
हिस्वारथपरमारथ खोजनकोनहिंतेही ॥ आपहिआप
लहतसबसुख ज्योंमुक्तासीपनमेंही । जिमिसुरपुरनर
छुवत न कछुकरतिमिनपदारथलेही ॥ ऐसेअयाचभये
सबयाचक याचतनाहिंकोऊकेही । तेहिघरभरसुखसं

पतिअनधन होतसुघरवरदेही ॥ तरसततताहिदेखिसुर
नरमुनि अतिशयतपबलजेही । अमरीअमरनाथते
हिजानतमीतरामबैदेही ४ । ४ अजहुंनशंभुशरनमन
आये । भयेशिथिलपनगयेसवतनमन चौथेपननियरा
ये ॥ नदअयानमेंगयेंनदानपन नेकुनज्ञानथिराये। त
रुणापनतरुणीमेंगँवाये अतिमदमातिभुलाये ॥ आ
वतजराजराउरअन्तर तनतनयतनकराये । सपरत
हीसिगरेदिनबीते ज्ञानध्यानबिसराये ॥ जालविशाल
भनिमकरीकरि फिरआपहिउरभाये । तिमिसबफँसि
नसिरहतमोहबश नाथगाथनहिंगाये ४ । ५ शंकरभू
रिभयंकरमाया । लखिनहिंपरतजरतअन्तरज्यों आँव
हिंकुम्भसमाया ॥ नेकुसुचालचलननहिंदेती चौकी
चारिबिठाया । मनलघुलोहजोहगुरुचुंबक जिमिनिज
ओरखिंचाया ॥ सवहिकीटजिमिभृंगसंगरखि सोनिज
भांतिबनाया । जिमिमकरीपकरीलघुजीवहिं पुनित्यहि
जालभ्रमाया ॥ जपतपसंयमयोगयज्ञब्रत कोउनताहि
छुड़ाया। नाथशक्तितवभक्तिसेछूटति कमलहिजलनथि
राया ४ । ६ आपतिभजतभजतगिरजापति। बेदमन्त्र
जिमिजपततपतनितभूतभूतिनीकांपतिभागति ॥ दारि
दद्दुरित दुरतिनिरदुतिकै तातेनितशंकरहिसरापति ।
जेनिजदासअदासनचीन्हेकीन्हेसबहिसमानमहीपति॥
शंकितउमारमानितप्रातिअति दैनदेहिंकहींजमागिरी
पति ॥ लरजतिमतिअतिधनपतिहूंकीचकितरहत
भयलहतशचीपति । शंकरभक्तिशक्तिरविकरसी सरसी

सुकृतकुमुदअघतापति ॥ नेहीनाथसाथजेदुखकर ता घरयमकरहोतडचापति ४। ७ क्रूटतविपतकहतगौरी पति। कांपतिअतिआपातिसबभागाति जोजापातिमाति नेकुसतीपाति ॥ उमारमाअरुछमाछकितकहैं रखिहैंतूं बीएकगिरीपति। असबौराहकोकौनराहते होयचाह किमिमोररहीपति ॥ चलीसकलसुरपुराहिंविकलह्वै सुन हुविनयनयसहितशचीपति। देहुबतायजायँकाकेघर ह रहरजनकोकरतमहीपति ॥ पापीपरमताहिआपीलैक हतजोनेकहुपारवतीपाति। हरतियकहतिवानिहरकीक हींकरहिंनाथइकसाथनश्रीपति ४। ८ ॥

---*---

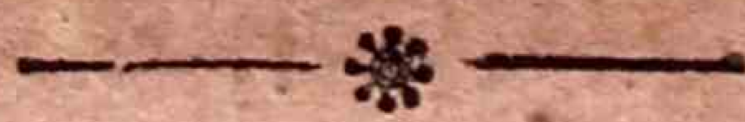
कबीरसाहीपद ॥

भोलाष्टक ॥

भैरवी॥ बम्बम्बम्शिवअगड़बम्बोलो प्यारेक्याकरे गाजम्। जोकोईयादकरे हरहरदम् ॥ उसकेदिलविल्ल कुलनरहैगम्। बेपरवाहचाहेजहांघूमे भूमेसिंहसाबो बाहम् ॥ मायाकोसायासीकरोकम्। अपनामनभाया करथरथम् ॥ नाथसदासुखसाथरहे गातनाशेजबना बेगम् ४। १ गम्परगम्हरदम्काहेकर्त्ता रहताकहतान क्योंबम्बम्॥ जीकीजलनजावेगीउसीदम्। भोलेस नम्काहोवेगाहम्दम् ॥ बसेगीऋधिसिधिनौनिधितेरे घरमेंहँसिकरभम्भम्। पूजाजपतपध्यानकरोकम् ॥ कहहरहालतमेंहरहरदम्। कोइयमदूतभूतनाहिंआवै

नेरेनाथतेरेबाहम् ४ । २॥ खेमटा ॥ भजलेमनुआ महादेवदानी। खोयेदिवसतोरीऐसीनदानी ॥ संकट बिकटनिकटनहींऐहें होइहैंतोकोसबैसुखखानी । बाल पनागयेखेलघनामें तरुणाईमेंभयेसैलानी ॥ छाईबुढ़ाईतबौनहींसूझी रसरीजरीरहीऐंठनिशानी । कबहूंनाथ केगाथनगायेकासुधिबुधियासबैबौरानी४।३॥ सोरठ॥ तुमऐसेहीबड़ेदानी भँगियानघोलनाहोनाथ । एकतो आपसदाकेभोला दूजेछानतभाँगकेगोला। दैडरिहैसब झोलारखिएकीचोलनाहोनाथ १ जोकोउआकचढ़ाव तपावत आँककेबाहरहरजनअनधन । कैसेंकोघररहि हैहमसेनबोलनाहोनाथ२ तूरधतूरदेतजोकाहू ताकेसब दुखदूरकरावैं। दारिददीहछुड़ावैंघरघरकोडोलनाहोना थ ३ कोउकंगालगालजोबजावै ऐसेबिहालनिहालक रावै। घूमतप्रेममेंझूमतदासोंकेटोलनाहोनाथ ४। ४॥ लखनऊकेचालकीठुमरी ॥ शिवशिवहरछनकहुमनसँभा ल। होइहैंतोहिंपरशंकरदयाल ॥ शंकरकरअटपटअज बचाल । थोरहिमेंहोतझटपटानिहाल ॥ पकवानचिरौं जीपैनख्याल । भोलामनमौजीहैंकृपाल ॥ अनधन जनदैजोजनाबिहाल । बिनपूजनभजनहिंप्रेखुशाल ॥ मेटतकरालततकालकाल । नाथहिंभजतजजंजाल जाल ४। ५ शंकरहरहरकहुहरहमेश । रहिहैनलेश सपनेकलेश ॥ जाकोनितजपतसुरेशशेश । पायोविशे षपदकोशल्लेश ॥ वसुसिधिनवनिधिमहिमाअशेश। पा वतधावतहिमहेशभेश॥जपिलहतबिशदपदसुरपुरेश।

छीनतजबयमगाहिलेतकेश ॥ भजिअन्तपरमपदलहि सुभेश। रहेनाथकेसाथउमेशदेश ४। ६ छमछमकि छमकिभमभमकिभमकि निरततततथेइथेइशंभुशिवा। रसरंगउमंगभरेअतिही गतितालतरङ्गउठेजोसिवा॥ अलबेलीसुसेलीउमाकोसजै अलफीशिवकोसजिरूपनवा। गिरिराजपैसाजसमाजसजेविलसैंहुलसैंमानोकामजिवा॥ तांडोभीरचैंगतिनाथनचैं गिरिजाजीलचैंजिमिज्योतिदिवा ४। ७५। २॥ झँझौटी॥ मुनिहेनाबरबराउरबौराँगियाहो। वरुवारीरहैंमोरीबारिमुनिहे॥ कंजनयनदुखमोचनीहोगौरारूपअगार। बरबाउरतनछारलाये करियासांपशिंगार॥ मुनिहे० ॥ गौराकीअलवेलीसहेली चन्दमुखीउजियार। भूतपिशाचसाचहितहरको द्युतिअतिशयअँधियार॥ साजसमाजराजकरमोरे जाकोनवारापार। शंभूकेदेशलेशनाहींसुखकोकंदहिमूलअधार॥ मुनिहे०॥ मैनासेमैनासमबोलीसुनुमामिनतीहमार। नाथसाथसबकछुअरुनाहीं मैंअबतनमनवार ४॥ मुनिहे०॥ ४। ५॥



केदारपंचरत्न॥

चंचरीक॥ शिवकेदारद्वारछांड़िबौरेकितदौरे। अष्टसिद्धिनवोनिद्धिऋद्धिबुद्धिजाकेकर निजजनकरगतिनिषिद्धहरतऔरतौरे १ सबसुरसरदारअतिउदारविदितशिवकेदार ऐसोदरबारछांड़िलागतकेहिकौरे २ जाकी

महिमाअपारसुरगणपावैंनपार एकबारनामहीउचारत गतिऔरे ३ सूझतमनतोहिंआन बूझतनहिंनेकुज्ञान श्वानकेसमानफिरतआनआनपौरे ४ डोलतइकटूक काजभूंसिभूंसिकरिअकाज तजिपियूषसूखहाड़चाहते चिचोरे ५ जगकरजंजालजालयाहीबिचफँसिनिहाल व्यालदीपमालख्यालकरिमनिधरिजौरे ६ अजहूंभज लेगँवारगिरिजापतिशिवकेदार नाथनकेनाथकोपुकार नेकुतौरे ७। १ गिरिजापतिशिवकेदार सुनपुकारमेरी। हौंतोअतिदीनहीनपरमछीनमनमलीन लीनरहतहैअ धीनकीरतिसुनितेरी १ पूरणपरितापतापदीहदापपाप व्याप दीननकेआपआपतैंलहिबहुबेरी। सोतुमनहिंक रतध्यानमानहुंअतिहीअजान मोरीओरकृपाकोरथोर हूनफेरी २ गालकेबजायेआकमालकेचढ़ाये तालहाथ केलगायेऔरकियेअर्धफेरी। इतनेमेंएकहूजोकीन्हेनर नारिबाल दीन्हेअतिहैनिहालजोबिहालहेरी ३ अष्ट सिद्धिअष्टयामनवोनिद्धिदेववाम रहतसदाधामबीचतु मरेजनुचेरी। असअनाथनाथसाथपायहाथचिन्ताम णि श्वानकेसमानआनभौनकौनघेरी ४। २ शिव केदारशिवकेदारशिवकेदारभजरे। जाकोनितरटतहैं रमेशशेशअजरे॥ रंचकचितधीरधारि जगप्रपंचत जरे। बंचकताछांड़िनेकुसज्जनतासजरे॥ जाकेगल शोभितभलश्वेतसर्पगजरे। जैसेअवदातब्रह्मतैंसेगात उजरे॥ चारौंरिपुमारिटारिचंचलताकजरे। गुरुपदर जसेइलेइदर्पनमनमजरे॥ रीतेदिनबीतेजातअजहूंतो

ललजरे। नाथगाथगावनतेबसिहौंतेहिंपँजरे ४।३॥ कलिंगड़ा ॥ शिवकेदारजपतजेनितहीं॥ ताकेद्वारअमारीदारगजभूमतरहतरहतजेजितहीं। सुरपुरनरपुरनागतिहूंपुर ऋधिसिधिनवनिधिपावततितहीं ॥ रोगशोक परितापतापत्रयभागतभयचाहेरहेकितहीं। अन्तहुनाथसाथनिजराखत केतहुकरतउचितअनुचितहीं ४।४॥ तालचलता ॥ असकेदारजोसेवतकेदारना॥ उमारमाबहुविधिऋधिसिधिनवोनिधि नितप्रतिअतिइन्हेंआरतीउतारना। किन्नरीनरीछरीसी सुन्दरीसुरीहूभरीपरीउतपरीरहैंअनतअधारना॥ नागपतिनीहूमुनिपतिनीहूदेवीसेवी असुरबधूटीजूटीरहैंजाकोपारना। गावतजोगुणगाथपावतसोयाहीहाथ इनमेंतेभोलानाथरखताबिचारना ४।५॥

—०—

काशीपंचरत्न॥

परज॥ सबसुखधामकामतरुकासी। मूलविवेकसुकृतशाखाशुचिपातीप्रेमनेमनसखासी॥ निश्चयत्वचालचाप्रसूनमुदफलभलचारिविविधफलरासी। सुयशसुवासवासचारोदिशिभौंरीभक्तिभूरिभलभासी॥ बिनुमाँगेफलदेतसेंतही जोआवतयहिपाससुआसी। यहअन्तरयामीअनुगामीवहजड़लाखिलखिभयोनिरासी॥ जहँकुछुरोकटोकनहिंनेकहु बसतादिवसनिशिचहुँदिशिवासी।धारेदंडपाणिरखवारेसुरवरसाथनाथकैलासी ४।१

सेवहुसबसुखरासीकासी । खेतविवेक टेकधीरजजि
तभक्तिभूरिभलभासी ॥ पानीप्रेमनेमकरसिंचनअंकुर
कर्म्मविकासी । लवहुबालिबुधिलहहुअन्नसुखउरखरि
हानसुपासी ॥ कर्म्मकिसानधर्म्मबरधावरमनहरवाहहु
लासी । शिवगुणग्रामनामसुन्दरतरसुखसीमाअविना
सी ॥ ज्ञानकूपअतिहीअनूपजहँयोगभोगगतिखासी ।
विश्वनाथअरुअन्नपूरनाठकुरानीठकुरासी ४ । २ ॥
भैरवी ॥ कासीतिहुँपुरतेंछबिखासी । जासुतीनदिशिगंग
धारलसिमनहुहारउरकासी ॥ कैधौंकिलाकाशिकासुन्द
रखाँईतासुनिकासी । विश्वनाथनृपअन्नपूरनामहरानी
तहँखासी ॥ देवदनुजमुनिमनुजनिरुजजहँपूजहिंआश
निवासी । योगभोगसबलोगलहतउतजोजेहियोगसु
आसी ॥ भुक्तिमुक्तिबिनुयुक्तिआपहीफिरतिरहतिबनि
दासी । काशिनाथनिजसाथतेंकबहूँनाथाहिकरुनानिरा
सी ४ । ३ ॥ षट् ॥ शंकरकरसुन्दरविहारथलदेतसक
लफलसेवतकाशी ॥ भोगविलासमुक्तिमंडपजितवापी
ज्ञानखानसुखराशी । मंत्रीविशदविन्दुमाधवजितचित्र
गुप्तगतिगुप्तप्रकाशी ॥ जितकुतवालकालभैरववरढुंढी
दंडपानिचपराशी । विश्वनाथनृपधनपतिकोशीअन्न
पुरनापूरनराशी ४ । ४ ॥ झंझौटी ॥ ठुमरी ॥ शिवतोरीन
गरिया । दारिदकोनाहिंलेशहो ॥ जोकोउदीनमलीनछी
नतनआवतहीसुरभेशहो । शिवतोरी० ॥ पावतधनबिनु
अंकरंकगनमानहुदूजेधनेशहो । शिवतोरी० ॥ मत
वारेसमपापिहुसारेनाथतिहारेदेशहो । शिवतोरी० ॥

भैरवाष्टक॥

दण्डक ॥ जयतिभैरवमहांकालकुलकैरवम्॥ बालश
शिशीशधृतबालबहुसंगभृत दिव्यसुविशालतरश्वान
वरवाहनम् १ दंडनृकपालकरव्यालकरमालगरकलित
करवालवरशूलसंशोभितम् ॥ भालदृगमंजुलंज्वालमा
लाऽकुलंभूरिभासंकुलंमधुरमधुमोहितम् २ अशुभअ
सुरान्तकंमोहमदनान्तकं लोभमानादिरागादिरिपुनाश
कम् ॥ शोकतमध्वान्तकंपरमप्रलयान्तकंकालकालान्त
कंप्रलयभस्मासनम्३ भूरिभयभंजनंओघअघगंजनं भ
क्तजनरंजनंईशसोपासनम् ॥ जयतिजगवंदितंचिदूघ
नानन्दितं नाथसुखवर्धकंसकलखलखलुहरम् ४ । १॥
ईमन ॥ श्रीभैरोभयभंजनहारे ॥ रिपुगंजनवरविघ्नविभं
जनकंजनदासनकोरविप्यारे १ श्यामश्वानआसीनपी
नभुज कलितललितकरदंडसुधारे ॥ धारेविशदात्रिशू
लमूलभुज कटिदुकूललोहितचटकारे २ जटाजूटशिर
कूटछटाछबि सुघरबालशशिशीशसँवारे ॥ वरउपवस
नपीतउपवीतहु नागनकरकारेसटकारे ३ भूषनजटित
लसितधूलिततन घनबिचज्योंदामिनिझलकारे ॥ भैर
वरवअसश्रवनसुनतहीकवनविघनजोनाथनटारे ४ । २
श्रीभैरोभजताहिंभयभागे ॥ सकलशोकसन्तापतापत्र
य सपनेहूनहिंआवतआगे । यहभवभीतभीतअसभा
रीभजनकरालकुठारसीलागे॥ करिउरनिर्मलजिमिजल
जलजहि लागतनाहिंतिमिजगरसपागे । तबहिंनिर

न्तरउरअन्तराबिच बहुबिधिज्ञानध्यानहियजागे॥ यज
नभजननिजनिजदेवनकोतबनिरविघनहोतदुखत्यागे।
अजहुंभजहुमननाथसाथहित किमिसनाथअबह्वैनअ
भागे ४। ३॥ कलिंगड़ा ॥ बांकेभैरोसोहैतेरीसुघरलटू
रियां॥ अलफीहैअलबेलीबेलीकरमालासेल्हीगलेहले
नईनईनागिनकीगूरियाँ। माथेपैबिराजेचन्दाअलक
संवारेफन्दा लखिकेअनन्दाचितरमीधूनीधूरियां। छ
नमेंबालकनाईछनमेंयुवाजनाई छनमेंबुढ़ाईछाईमुखपर
भूरियां। जोगियाजोगिनीनाचेनाथसाथगातिराचें जां
चेतालसेबजावैंचुरिलाऔचूरियां४।४ भैरोअलबेलेअ
लबेलीतेरीचालियां। रेशमकीधारीजैसीकारीसटकारी
ऐसी सेल्हियांनागिनियांकीझीनीबीनीजालियां॥ जटा
छिटकायेघनभसमरमायेतन लोचनसुहायेघूमेभूमेभ
रीलालियां। जोगिनीकेसंगेनंगेअतिअड़बंगेरंगेनाचैं
नाथजीउमंगेदैदैकरतालियां ४। ५ तोरीभोलीभाली
भैरोमोहिनीमुरतिया। अदभुतद्युतिधरमरकतइन्दीवर
सुघरसलोनीलोनीसाँवलीसुरतिया॥ रतनजाड़िततन
तड़ितसेअभरन लालेलालेबसनहँसनभरीबातियां।
सोंटाछोटासासुघरपन्नाकरप्यालाकर लटघुँघरालेकाले
छपेजातछतियां। शिशुगनश्वाननकेसाथनाथधारेहाथ
खेलैंअलबेलेखेलेंहरेदुरगतियां ४। ६॥ ईमन॥
श्रवनपरतभैरवरवजाके॥ भयभागतलागतनहिंपात
क घातककालनताकतताके। दुरजनगनअरुभीतनर
नते जोसुमिरनहिंकरैलबलाके॥ रोगशोगहरलेतभो

गदै नतक्कैभजतहिंरातदिवाके । करतसनाथअनाथहितुरतहि होतमंजुतनपुंजप्रभाके ४ । ७॥ भैरवी ॥ खेम्टा॥ बांकीभांकीहैभैरोकीभोरेभोरे । मुखमोरेहँसेताकेथोरेथोरे ॥ सेलहीभलीअलबेलीबिराजे राजेसरपतनगोरेगोरे । दर्शनकीअंखियाँदोउतलफी अल्फीकोलखिलखिठंढीकोरे ॥ पन्नोंकेकानोंमेंकुंडलहैचंचल् हल्चल्सेचितकरडारेमोरे । नाथहाथलसेछोटासासोंटा प्यालाहैआलासुधाकेबोरे ४ । ८ ॥

रामजन्माष्टक ॥

षट् ॥

सकलभुवनअभिरामश्यामछबि जनमेंरामकामपरिपूरन । वंशललामलामदुखनाशक सुरगुलामसबसंयुतसूरन ॥ जेहिसुमिरतरतहोतसुकृतचित दुरितदुरतादिनदिनदुरिदूरन । सबसुखधामकामकोटिकछबि सबगुनग्रामकरहिंरिपुचूरन॥ कौशिकरसिकशास्त्रसबभावीलागेकहनबचनअतिरूरन । विविधमुनीशगुनीशईशबल बोलतजोलागेजेहिफूरन ॥ सुनिनृपदैगोदानमानयुत सुवरनसींगरजतकरखूरन । अवधनाथअतिशयसनाथगुनि लागेकंचनबांटनभूरन ४ । १ ॥ ढाढ़िनकी बधाई ॥ शहाना ॥ जीवेजीवेजीवेतेरालालसलोनीजच्चा॥ हिलाकिहिलकिहियमेंनितलागे किलकिकिलकितेराबाल । सलोनीजच्चा॥ रहसिरहसिहँसिहँसिमुखचूमहुहुल

सिहुलसिदोउगाल । स० ॥ बालकेलिसबखेलिल
लाजू दिनदिनराखेनिहाल । स० ॥ नाथसाथनित
गोदखेलाओपाओमोदबिशाल । स० ॥ ४। २ जुग
जुगजीवेतेरालालभँडुलवा । दूधबतासापीवेदिनदिन
जीवे छनछनहाथबजावेकडुलवा ॥ चितचोरेहँसिहँसि
थोरेथोरे हलकोरेकलकंठकठुलवा । लालपीतनौरँगि
याकुलहिया फहरफहरफहरायभँगुलवा ॥ नाथसाथ
भुनभुनियांपैजनियां भुनभुनछुनछुनकरैचुलबुलवा४।
३ ॥ देश ॥ बिलसतपालनेश्रीराम ॥ विबुधवुधमुनिमन
सुमोहनश्यामछबिअभिराम । पालनाजहँहालनाद्युति
तड़ितजड़ितसकाम ॥ सहजअनुजसहितभुलावति नृ
पतिकरवरबाम । मनहुंडोलतहलतमुकुलत सुघरतर
तरुकाम ॥ किधहुंरतिशुकसारिकाके साजिपिंजरधाम॥
हिलकिहिलकिकिलकिउठत लखिभँवरभूमरआम।
मातुरघुनाथहिंपुलकिभुंकिउभकि पकरतदाम ४।४
ठुमरी ॥ लखनऊकीचाल ॥ छबिसुन्दररघुवरकीसुहाय
धूसरि बनायसगरीदेहिया। जनुलागहियेचंदाकोदा
ग छाईअकाशधौंबादरिया ॥ अंगुरीछुड़ायदौड़तहैंजा
यमहिगिरतधायपकरेसखिया । पगडगमगातकंपतहैं
गात झंपतहैबारमुखझालरिया ॥ धरिहाथजातभाइन
केसाथ रघुनाथबालछबिमोहनिया ४। ५ ॥ खेम्टा ॥
अँगनाबिचखेलैंमँगनचारोभैया ॥ रामलषनअरुभरत
शत्रुहन लटपटचालचलैया । झीनीझीनीझलके
झँगुलियाकुलहियाकालेकेशलुटरैया ॥ नीलेपीलेशिख

रपैसंपोलेडोलेसुघरलहरैया। नाथहँसनद्युतिदसनदेखि कैमैयालेतबलैया ४। ६॥ कलिंगड़ा ॥ मोटीमोटीबहियाँ धनुहियाँछोटीरँगीलीतिरिया सजीलीपीलीसोहतकम लकर। ललितपनहियाँकुलहियाजुन्हैयानैया पीली सीझँगुलियाबिजुलियाज्योंघनपर ॥ सरयूकेनीरेतीरे फिररहेसीरेसीरे भाईसंगधीरेधीरेपीरेपीरेकाछेवर। ब नठनशिशुगनफिरैसंगहरछन करनिलकुटियाभृकुटिया चढ़ीऊपर ॥ कारेकजरारेअनियारेमतवारेनैना फिरत तिरीछेतनघायलसबहिकर। अलकछलकरहेमानहु भलकरहे युगलसँपोलेखोलेदरपनपैसुघर ॥ केसर केखौरभौरसोहैंमोहैंऔरतौर यामिनीमेंदामिनीधौंदी सैघनबनतर। माथेलामीचोटीगाँथेऐसेशिशुगनसा थे मानोंनिशिनाथउड़गनसाथसोहैंवर ४। ७ माईएक योगीभोगीभूषनबनायआया ॥ नागिनीकेबालाहलेना गनकेमालागले छोटेछोटेसाँपनकेकंकनसजायआया। लोचनकुटिलजोहैंतीनहुललोहैंमोहैं गलेमुंडमालसोहैं भसमरमायआया ॥ जटाजूटधारीबूढ़ेबैलकीसवारीभा री सिंहीनादप्यारीडिमूडिमूडमरूबजायआया। गा वैगुनगाथतेरेसुतहीकोयोगीनाथ चाहेप्रीतिसाथदरश नहीकेकाजआया ४। ८॥

—o—

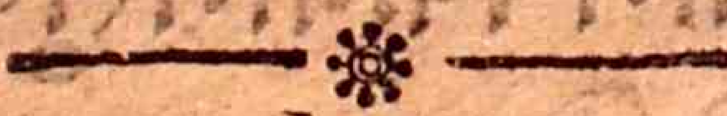
रघुनाथाष्टक ॥

दंडक ॥ जानकीरमणशुभकरणअशरणशरण। शर

दशशिबदनसुखसीवसुखमासदनकान्तिकोटिकमदनसु
मनअतसीवरण १ पीतवरवसनतनदामिनीद्युतिहरण
लुब्धमनमधुपहितपद्ममनिआभरण। कुन्दद्युतिदसन
मृदुहँसनमुनिमनलसन नीलनवकंजबिचमंजुजिमिओ
सकण २ सुभगसिंहाऽसनाऽसीनसिंहासने तूनअसिक
सिकमरशरशरासनधरण। वामवरवामगुणधामदाहिन
लषण लसितासितचमरकपिवरसुसेवितचरण ३ मनुज
अरुदनुजनिजअनुजखगमृगनिकर सकलसमकरअ
धमतरणतारणतरण। अतिअनाथादिकेनाथमंगलक
रण जयतिरघुनाथहितसाथआरतहरण ४।१॥ मल्लार
रामाष्टक॥ आजतोसखीरीदुइबालकदिखायेहैं॥ नृपके
बजारेप्यारेदशरथजूकेबारे रामऔलषणनामवारेउत
आयेहैं १ कारेगोरेबारेभोरेचितवतचितचोरे थोरेथोरे
हँसिमनजनकोलुभायेहैं। दृगअनियारेरतनारेकजरारे
कारे चिकुरसँवारेघुंघुवारेजोबनायेहैं २ काननकेदोउ
तटराजतकुटिललट मानोनटऐसेआलीअहिलटकाये
हैं। एकधनुकांधेदूजेभौहँनिकेसाधेनाधे प्रेमीमनपंछीके
शिकारचितचायेहैं ३ इनकेजनकअरुजननीकोधनि
धनिजाकेगृहऐसेमनिमनिसुतजायेहैं। नाथकेभवनअ
सकवनश्रवनसुनि बारेबूढ़ेजोनउठि देखिबेकोधायेहैं
४।२ देखीरीसखीरीदुइकुँवरजोआयेहैं॥ जनकन
गरघूमे डगरबगरभूमेजगरमगरभूमेमानिसेसेवायेहैं १
रामऔलखनशुचिलखनमेंलागेरुचिमोरकेपखननुचि
कलँगीलगायेहैं। कुंडलाकिरीटसोहैशशिमंडलमें मो

है मानोमिलिवुधगुरुभृगुशनिधायेहैं २ कैधौंनील कलशलसतनवपल्लवते कैधौंगिरिवरपैकलपतरुजाये हैं। शोभितबुलाकमानोशुकनासिकाचलाक मुखश शितेंसुधालैभागेसोचुआयेहैं ३ कुंडलभलकरहेअलक छलकरहे अहिज्योंललकरहेअमीघटपायेहैं। बातेंजो कहीसखीरीतातेंदूनेहीलखीरीटेकमिथिलाकेनाथरखीरी भुलायेहैं ४। ३ आलीदुइपथिकमनोहरआवत। एक सघनघनसेद्युतिदूजे चंदहिमंदकरावत १ तिनबिचका मिनियामिनिमेंजिमि दामिनिद्युतिदमकावत। अतिअ नन्दअरुमंदहासयुत गातिगयन्दसकुचावत २ अतिसु कुमारिपियारिनारिसखि बारिबैसदुखपावत। गाततीन बलखातसखीरी डगमगातपगधावत ३ जटाजूटछबि छटाछूटक्षितिपटापीतफहरावत। नाथसाथदोहरेधनुशा यकघायकपैमनभावत ४।४ दुइपथिकहमारेमनमोहलि ये॥ लसितसितासितसीयहजोरी मृगनैनीतिरबेनीकि ये १ गुरुगंभीरबीरधीरनमें निजनिजनीरजनैनलिये। जेहिरुखदेमुखखोलतबोलत सोजनुपरमपियूषपिये २ कोरंदोउसिकोरेतापै चितचोरेचुनेचतुराधिये। लागतए कहिशरनजियतकोउ येदोहरेलागिकौनाजिये ३ जोयहि पथिककियेदिकधिकतेहि कौनअधिकदुखइनाहिंदिये। नैननबीचखींचछबिराखहुप्राननाथइनहींगुनिये ४।५॥ चंचरीक॥ आलीलखुबाटबीचसुघरवरबटोही॥ नीलध वलमनिसरूप ताबिचतियअतिअनूप मनहुयुगलयूप माहिंकनकलतासोही १ सुघनसघनश्यामश्वेत कलित

ललितछबिनिकेत कामिनिजिमियामिनिविच दामि निद्युतिसोही ॥ जटाजूटबिचप्रसून कमरकसेसुघरतून मनमथरतिहूंतेदून करकमानमोही २ पीकरश्रमसीक रलखि तीकरदुखभीतरदुरि क्षुधितमरालीनिरालीमो तीमनुजोही ॥ परमसत्तीसुमतीलखितीकीगतितीकीस खि पीकीपगरेखनपैतासुपगनहोही ३ सुधाशीलऐनखरैनैनसैनमैनभरे भौंहेंसाखिसौंहेंजिमिलागतीसिरोही ॥ नाथहूंसेकहोधायथोरीदूरसाथजाय याकेसखिमायबाप कैसेनिरमोही ४।६॥ झंझौटी ॥ राघोजीराजनमेंमहराजा श्रौरसबैयुवराजा ॥ विदितनरेशदेशदेशनकेपूजतसहितसमाजा १ दिग्गीदिगेशधनेशशेशसुरसेवतनितदरवाजा ॥ सकलपुरेशसुरेशवेषलघु किन्नरेशालियेबाजा २ अड़ेरहतसबखडेपौरिपै दर्शनकेसुखकाजा ॥ सिंहासन वीरासनजौलौं श्रीरघुराजविराजा ३ निजनिजपदसाधे करबांधे जितवितानवरछाजा ॥ प्रथमबारदरबारदीनको नाथगरीबनेवाजा ४ ॥



हनुमन्ताष्टक ॥

दंडक ॥ जयतिहनुमानहनुमानमदरिपुनकर ॥ जयति पिंगाक्षिसिंहाक्षिकरिकुक्षिकहँ मक्षिकातुंडइवभुंडदानव निकर १ देतफटकारिसटकारिअमरारिपरलोललांगूल सुपसारिअनुकूलपर ॥ मनहुंइन्दीवरहिंओसविन्दीपर हिंश्रवतश्रमसीकरहिलूमपरभूमकर २ बाहुआजानु

सुकृशानुशिशुभानुद्युतिकरतपरमानुसमसुगमतराशिख
रबर ॥ कुटिलकरकर्णमृदुपर्णशाखादिप्रियस्वर्णगिरि
बर्णयुगयुगअजरअमरतर ३ चलताहिलउर्म्मिलाचूर
मिलगिरिशिला शब्दकिलाकिलासुनिदानवीगर्भहर ॥
पीतउपवीतअतिप्रीतरघुनाथपद हाथधरगिरिगदास
वेदामोदकर ४। १॥ भैरव॥ दुखदलनारिपुशीशमथनजै
पवनसुवनलटकीलेकी । अतिअनूपसुवरनसरूपजैजै
रविरूपरँगीलेकी ॥ कलिताकिरीटकपीटभाँतजैपीतवस
नचटकीलेकी । लोललँगूलकसेदुकूलवरजैजैकाछकछी
लेकी ॥ सुखअभिरामअरामग्रामगुणजैसियरामरसी
लेकी । सियसोधलायचढ़िलंकजायजैदूतरायमरसी
लेकी॥ लंकजारिउपवनउजारिजैभक्तउबारसुशीलेकी ।
नाथहिरखुसुतजानमानजैजैहनुमानहठीलेकी ४। २॥
षट् ॥ कोपेपवनकुमारकहतकरिहौंसंहारखलदलमहिरा
वन । पैठेधायपतालजाय निरखतसुहायवहदेशसुहा
वन ॥ प्रतिमाबीचसमायआय लागेछपायबहुभांत
पुजावन । खानखानपकवानसुमेवनखानलगेकपिव
रसमुहावन ॥ अतिहिअसुरहुलसायकुँवरनहवायल
ग्योबलिदानचढ़ावन । तेहिछनानिजजनजानमानकरि
ध्यानलगेहनुमानमनावन॥ प्रकटेधायलफायलूमलागे
हैंभूमपंजरचटकावन । रघुनाथसाथअनुजाहिचढ़ाय
काँधेपैलायलगेधन्यकहावन ४ । ३॥ झंझौटी ॥ श्री
हनुमानमानमदभंजन । निशिचरानिकरमत्तकुंजरबर
तापरकेहरिअरिगनगंजन ॥ सकलसुकृतअभिधान

ज्ञाननिधिगुननिधानअतिमुनिमनमंजन ॥ कोटिकभा
नुजानुअद्भुतद्युतिचंचलचपलनयनयुगखंजन। इक
करशैलशिखरवरदूजेगदागोलगुरुगदहिबिभंजन॥ क
टिकछनीकाछेअतिआछेबनिठनिवीरवेषमनरंजन। ला
मीलूमघूमरहिचौदिशभँवरभक्तपरफेरतकंजन ॥ श्री
रघुनाथसाथसबहींछन बसतलसतनयननजिमिअंजन
४।४॥ मारुतनंदनकेपदबन्दौं। बिकसितअसित
कंजमंजुलसेतेहिमिलिन्दसमसेइअनन्दौं ॥ शमन
सकलसन्तापतापतमपापदापदलमलदुखफन्दौं। कलि
मलसकलधोयचरणोदक मोदकलहिप्रसादनिरद्वन्दौं॥
श्रीकपिनाथगाथगावतनित आवतसबसुखदुखहिनि
कन्दौं ४।५॥ कलिंगड़ा ॥ लालीलालीदेहियां
झँगुलियाझीनीसजीली कुलहीछबीलीसोहैअंजनी
नँदनके। करमेंकडूलाछाजैकंठमेंकँठूलासाजे पगमेंपैं
जनीबाजैहंसकेफँदनके ॥ रुनुझुनुरुनुझुनुझुंझनी
जोबाजैकर कमरमेंकिंकिनीहूंराजैसुखसदनके। मनिम
यमालागलेकाननमेंबालापरे मानोबकमालाघनलाल
बदनके ॥ देखतदिवसनाथदोऊलपकायेहाथ खोलेइ
कसाथछोटेछोटेसेरदनके ४।६ केशरीकिशोरतेरोशोर
चहुँओरही। दीनदुखदालनमेंअरिकुलघालनमें दास
नकेपालनमेंफेरैंकृपाकोरही ॥ प्रथमसुसन्तनमेंबरबुधि
मन्तनमें असुरअनन्तनमेंरबिघनघोरही। राघोजीके
यजनभजनजनहूंतेचाहैं अपनेपूजनतेसदाहीमुखमोर
ही ॥ डारोदूरकलिमलटारोपूरदुखदल मारोचूरकरि

खलनाथहाथजोरही ४। ७॥ खेमटा ॥ मोसेदूरैविपति यारहेतूसदा बजरंगीकीहैअड़बङ्गीगदा ॥ थूरथार करिचूरचारतोहि एतनोपैहोइहैंजोहोइहैबदा। सिंधु कछारेमेंझारेमेंतोको फेंकिहैंहवाकेघोड़ेपैलदा ॥ हा लीहँकारपुकारकरौंना दुखरासुनाऊंजोकालिकदा ४।८॥

—*—

कृष्णजन्माष्टक॥

सोहरमंगल॥नन्दकेनन्दनभयेहैंसखीरीआजरी। अबसबहोहुअनन्दबधाईसाजरी ॥ अक्षतरोचनदूबहू बतेंलावरी। लैसबसाजसमाजबधाईगावरी ॥ सकल शिंगारसँवारचलहुजहँरावरी। निरतहुबिबिधप्रकार धारएकभावरी ॥ हिलकिहिलकिमनपुलकिललकिल लनाभली। जिमिजीतनकोमैनसैनरतिकीचली॥ मनि मुक्ताभरिभारआरतीथाररी। करतिमंगलाचारलहति फलचाररी ॥ चलीअलीसबहुलसिजहांब्रजराजरी। लखिलखिकेब्रजनाथकलुखदुखभाजरी ४। १॥ झंझोटी॥ बधाईलैधाईसबब्रजनार। कोउनन्दहिकोऊउपनन्दहि देतबधाईजुहार। ब० १ अतिअनन्दनिरद्वन्दयुवतिज न गावतविविधप्रकार। बन्दनहींकहींजातजहींतहींखु लेसकलदरबार। ब०।२कोउपगपरासिकोऊकरधरधररो कतकोउपटधार। लैभागेजेहिहाथजोलागेजिमिकुबेरभं डार।ब०३नन्दमहारिहारिसाहितअशीशत चूमतबारहि बार। सुरगनगगनसुमनघनबरसत जैब्रजनाथपुकार।

ब०४।२॥ दधिकांदौकेपद॥भैरवी॥ दगरीहूनमिलैनगरीमें।
कालिहितेआलीमिलिजुलिकेजोरिबटोरिधरीकगरीमें॥
भोरहिंकीनिकरीजोअलीरी ढूँढ़चलीरीगलीसगरीमें।सो
नटकालियेहूनदियेकहूं जोनागिनीयुवतीरगरीमें ॥ जो
कोउसखीरखीकाहूहित देतनकेतिकहूभगरीमें । ताप
रग्वालबालबालाते देखतछीनछोरडगरीमें॥ विविधउ
पायपायपरिहारीतबहुँनपायधायबगरीमें । खालीहा
थनाथघरजैहोंताते घोरहरदगगरीमें४।३॥खेमटा ॥ लेके
चलोब्रजबीचहरददही । मृगमदकुंकुमघोरिअरगजा
माचीदहीमहीकीच ॥ आजकाजकछुऔरनहीं है याही
कीहोरहीखींच।नाथसाथसबखेलतमेलत गिनतनऊंच
रुनीच४।४ दधिकंदौकीमाचीबहार । चलमोरीगोइयां
बिहारकरैं॥दोईपहरहरसुखबरसतहैंबर्षाबसन्तनिहार।
मट्कीचलतलेइशिरमटकीचट्कीलीब्रजनार ॥ नाथसा
थसबहिलिमिलिगयेजिमि भादौंनदीएकतार४।५ दधि
कंदौमेंजाकेअनंदोंगमिं । अबरुकनेकीनहींरीनहीं ॥
एमतिमंदोसुनोमेरीनन्दो नाहक्कोक्योंरोकेटोकेतहीं ।
तजिसबफंदोकोहरिपदबन्दो पाओगीफलतोमानोगीस
ही ॥ सुनमेरीसजनीनहींरहीरजनी तूभीचलेलेकेहल्दी
दही । नाथसाथसबहीहिलिमिलिके खेलोखेलाओउ
ड़ाओदही ४।६ झंझौटी ॥ शुभदिनआजकोमाई माई
भागनसे ॥ सबछविधामश्यामसुन्दरबर महरिहरिहिं
सुतजाई॥ माई० १ जिनजायेतिनकीकहाकहिये जिन
देखेनिधिपाई । सोचारोफलकोभलपाये पूरबजन्म

कमाई ॥ माई० २ ऐसोसुवनकहूंत्रिभुवनमें विधिना नहींउपजाई । नेहलताकीयूपमनोहर अतिहीअनूप सुहाई॥माई० ३ मंगलसाजसमाजसाजिसब ब्रजयुवतीजुरिआँई। बालयुवतिबिरधासरधायुत आँईसबबरिआई॥माई०४ निजनिजकाजलाजतजितजिके रूपअनूपबनाई ।सबसखियांषावसनदियांसी मिलीहैंनदाहिजिमिजाई॥माई० ५ गावतगीतप्रीतयुतअदभुत निरतत आंगनआई । भरिभरिभारदहीमहीलावत कंचनथारसजाई॥ माई०६ तेहिराखनाहितथलनमिलततित तबसबदीन्हलुटाई । कहतकन्हैयालालकीजैजै ग्वालरुबालनलुगाई॥माई०७ नाचतकूदतखातखवावत दधिकीकीचमचाई । सबब्रजनाथसाथहिलिमिलिगये ऊँचेनीचेनाजनाई ८ । ६॥भजन॥ षट्॥ तुमरेकुलकेपरम पूज्यगुरु गर्गस्वर्गतेआयेनन्दजू । करपदरेखदेखतुव सुतके फलसबचहतसुनायेनंदजू॥ कुलिशकलशगिरिमीनछत्रध्वज कमलकल्पतरुपायेनन्दजू। स्वस्तिकपदिकशंखजौखगमृग हरशिरसबसुखछायेनंदजू ॥ ग्रामधामहयगजसुशिविका बाहनविविधबँधायेनंदजू। अष्टकोनषटकोनत्रिकोनहु तुलाभँडारभरायेनन्दजू ॥ घंटाचक्रशूलअसिरविशशि रिपुनशितेजबढ़ायेनन्दजू। ऊरधरेखविशेषआयुकर त्रिभुवननाथबनायेनन्दजू ४७॥गौरा॥ हरिजूकोपलनाभुलावैं ब्रजललना। शेषसँभारसकेनभारजेहि तेहितियहाथपरेहैंअबहलना॥ योगीजनकेजोमनहिंनआवत तेहितियसाथबिनाकबौंक

लना। जोनहिंढरतयोगजपतपते ताहिगोदबिचअंसु वाढलना॥ आठोयामघामवरषादुख जोसहेशीतहि मालयगलना। सोनहिलहिअभिरामश्यामछबि जेहि ब्रजबामसंगपरेचलना॥ धन्यमहरिजिनहरिसुतजायो ऐसोसुवनत्रिभुवनकोउथलना। हिलकिहिलकिब्रजना थकिलकिउठैकोअसतियहियजाकोविहवलना ४। ८॥



राधिकाष्टक॥

झँझौटी॥ प्यारीजीकेबैनसुशीलेहो। सबसुखशीलभरेहो॥ फरकनिफुरनिधरनिअधरनकीरसरसहँसबसकीन्ह। मृदुलमुखमंजुमुरीलेहो १ मृदुमुसकानपानबिननीके लालीलहलहभीन। बिंबप्रवालललालमनिईंगुरपल्लव नवद्युतिहीन॥ कुरंगभयेदेखिरँगीलेहो २ मृदुकलहंस वंशबांसुरियासुंदरबीनप्रवीन। कोकिलकीरअधीरसारिका पपिहाछीनमलीन॥ सुनतधुनिसकललजीलेहो ३ विकसतमुखघूंघुटमेंनिकसत धुनिनईनिपटमहीन। मूंदे मधुपमनहुंनलिनीदलगुंजतशबदनवीन॥ नाथसुनिभयेहैंमतीलेहो ४। १ प्यारीजीकेचरणचुनीलेहो। अति रँगरूपभरे॥ डोलनिहलनिचलनिपावनकी लखिलजगजउजरे। भयेतबहींतेंबनीलेहो॥ अतिरंग० १ ईंगुर तेंअतिहीगुरुलागेरंगमजीठटरे। चूनीकीदूनीद्युतिसूनी मेहँदीनहिंउभरे॥ भयेफीकेजोरँगीलेहो २ कहतसुनतलागतअनारपनगुलअनारसुथरे। पावकजपानपा

वतनेकहुजाबकनहिंउघरे ॥ भयेजड़होयलजीलेहो ३ बै
ठीउतानतानतरवाजहँकुंजनिपुंजहरे। उदयकालबिचमं
नहुंबालरविरंधजालनिकरे ॥ नाथदृगकंजसुखीलेहो४ ।
२ आजगलीमेंललीमिलीभोरही ॥ रवभ्रमकनिछम
कनिपैवारों यकयकवोरपैहंसकरोरही । दामिनिकीदम
कनिहैफीकी अलकनिहैजिमिघटाघोरही ॥ दांतपांत
वकमिसीलसीहै तारेजनुधारेनिशिघोरही । अँटकेमन
लटकेलटकेबिच तापरतेखटकेदृगकोरही ॥ इकटकअ
टकरह्योमनमेरो लखिजिमिचंदचकोरकोरही । पगकर
केठोकरदैदुरिगई नाथकसकनिकसैनमोरही ४ ।३ आज
चलीजोअलीविसभोरही ॥ हौंनिकलीरीकलीतुरिबेको
कुंजनपुंजनचहूंओरही । वामेंछिप्योछयलमथुराको तु
रतधरतकरमोरजोरही ॥ हौंभैंचकछैरहीअचानक इकट
कजोहनमोहथोरही । कछुनाहिंकरतबनतसखिमोपै वह
लंगरधरकरभकभोरही ॥ हौंअचेतसीचेतननेकहु व
हचंचलचितचितैचोरही । भरिअंकवारसंभारचेतपुनि
जायदुरेहरिकुंजओरही ॥ वाहिबुलाओहियबिचलाओ
जियोंनाथलखिनैनकोरही४।४॥ भंभौटी ॥ अलबेलीअ
लककीछलककपोलनि। मानहुँयुगलअमलदरपनमेंसो
हतसुघरसंपोलानिडोलनि १ दुइफनिमानिदुइबगलउ
गिलधौं खेलतअतिताहीकेअंजोरनि ॥ उड़नहारअ
हिकारउड़ेलै मुखशशिमाहिंसुधाजोअतोलनि २ कैधौं
फटिकशिलापरसुंदर अपराजितालताकरमोलनि ॥ कै
धाशिखरमेरुपरमृदुतर सुरतरुकीशाखाकरभोलनि ३

कैधौंमुखसरोजपररोजहि मधुकरनिकरबाँधिगुरुगोल
नि ॥ दीठनलगैनाथविधितातें छनछनढांकनकेदिये
खोलनि ४ । ५ ॥ ठुमरी ॥ लखनौही ॥ यहनागरियाकीनै
नकोरजियमाहिंकरकिगईहो ॥ रतनारेकारेकजरारेअनि
यारेअतिहीहठियारे ।मतवारेप्यारेनैनालखिअँखियांफर
किगईहो ॥ कोर ० १ अंजनबिनुमनरंजनजीके
खंजनमीनमृगासबहारे । कंजनमेंकजआनिपरे फव
सबकीसरकिगईहो ॥ कोर ० २ गरवीलेअतिकुटिलकटी
ले नरमीलेचितचोरनवारे । कसकसकिरहेनिकसतना
हीं मोरीछतियांदरकिगईरे ॥ कोर० ३ कुंजसैलकरिजा
तगैलमेंकलबलछलकरिछैलछलेरे । अबनाथबेहाथ
भयेसखियां दोऊअँखियांअरकिगईरे ॥ कोर० ४ । ६॥
भैरवी ॥ कसनहरोममबाधाराधा ॥ अबसबदेवनके
तजिसेवन तुवपदपदुमनिसाधा १ श्रीराधाराधानिशि
बासरहौंयाहीरटनाधा । जपतपसंयमयोगयज्ञव्रततजि
तुमहींअवराधा २ नहिंउमरावरावराजाहौं नहिंपंडित
अरुपाधा । चेरोतेरोपौरिपैकोहौं कसनाहिंकरतिअबा
धा ३ कृपाकोरममओरहेरिकैकरसीरोउरदाधा । नाथ
हाथधरिवेगिनिकारहु बूड़तसिंधुअगाधा ४ । ७ श्रीरा
धाजिननामअराधा ॥ ताकेपासबासनितहरिको मानहुँ
सुन्दरश्यामहिंसाधा १ जपतपयोगयज्ञव्रतसंयमाकिये
मनहुँसबसुरअवराधा । भुक्तिमुक्तिबिनुयुक्तितासुकर
आवतिआपहिआपअबाधा २ मनक्रमवचनसहितहि
तनिशिदिन जोराधाराधारटनाधा । रोगशोकपरिताप

तापत्रयहोतनहींताकोभवबाधा ३ स्वारथपरमारथल
हिदोऊसोसबहीदुखदारिददाधा। श्रीव्रजनाथसाथबि
हरतानित तरतअंतभवासिन्धुअगाधा ४।८॥

—— ० ——

यमुनाष्टक॥

दंडक॥ जयतिरबिनन्दिनीसकलसुरबन्दिनी। अमर
बरभ्रमरगणउरसिमृदुकंजिनी॥ मुनिमनसिरंजिनीहरि
कुमुदचन्दिनी १ विमलबरबारिधृतयुतसुमरकताशिला
ओघअघहारिफलचारिसुखकन्दिनी॥ चपलचलबी
चिसुमरीचिराविखींचितेहि इन्द्रधनुपांतियहिभांतिसुख
कन्दिनी २ बजतनितझल्लरीविशदस्वरबल्लरी किन्न
रीकरतिआरतिमहाऽनन्दिनी॥ दीपप्रातिबिंबजिमिबिं
बरविबारिबिच मनहुँआयेमिलनकाजनिजनन्दिनी ३
चन्द्रसुमयूषपीयूषयुतलहरबर मनहुँमणिनिकरसुखमा
सकलफन्दिनी॥ नाथनतिसाथनिजमाथनायेकहत दे
हुतटवासगुनिदासनिरद्वन्दिनी ४।१॥ चंचरीक॥ मु
निमनआनान्दिनीचकोरश्यामचन्दिनीसुरेन्द्रवृन्दबन्दि
नीकलिन्दनन्दिनी॥मज्जतअतिहीअनन्दगातिमतिराति
कैअमन्दकाटतियमफन्दसकलसुखप्रवन्धिनी॥लहरति
अतिविविधवीचिलगकरदिनकरमरीचि मनहुँखींचिगु
थितमालमनिअनन्दिनी। हिमगिरितेगिरीधारसुन्दर
वराबिमलबारि मरकतद्युतिटारिचारिफलनिबंधिनी॥
पावनतवपाथनाथपावनहितजोरिहाथ दीजैनितप्रीति

साथदुखनिकंदिनी४।२जयजयबहुरंगिनीबिशालदृगकु
रंगिनी मुरारिप्यारिसंगिनीकलिदनन्दिनी ।सकलसुर
सुरंजिनिनिजजनमुनिमनमंजिनि अतिश्यामसधुपकं
जिनिघनसघनअंगिनी ॥ बिपुलबिमलतरलधारपापी
हितअतिअधारपापतापतरुकरारबरबिभंगिनी। जेतेब
हुरंगजीवकीटअरुपतंगछीवसेवतबिनुयुक्तिमुक्तिदेउमं
गिनी ॥ राखहुनिजसाधनाथहूंकोकहैजोरिहाथ गैहैगुन
गाथतवसदासुरंगिनी ४।३ ॥भैरव॥ जयजगबांदिनिस
बसुखकांदिनि आनन्दिनिजयकृष्णाप्रिये।हरिमनरंजिनि
मुनिमनमंजिनिअगतिविभंजिनिसार्द्रहिये॥जयकमला
शिनिपुण्यप्रकाशिनि ज्ञानविकाशिनिमोदाकिये। सखिसु
खराशिनिपरमहुलासिनि सेवतिसुरमुनिनागतिये॥चहु
भुजधारिनिअधमउधारिनि करनिअभयबरकंजलिये।
तारनितरनिहरनिअघओघनि मरकतमनिद्युतिमुदित
हिये॥इनकेनखशिखकेसुखमाकी उपमाकछुनहिंनाथदि
ये।सुंदरश्यामसमश्यामहुइनसमलहिसबफलजलकन
हुपिये४।४॥झंझौटी॥ यमनाकहतलहततेहियमना। जे
मनबचक्रमयुतनितसेवत ताकेभुक्तिमुक्तिकछुकमना॥
कालिन्दीइन्दीबरद्युतिके ध्यानकरतानितानिताचितअम
ना। जपतपयोगयज्ञब्रतताकोइन्द्रिनकोचहियतशमद
मना॥मज्जनकरतअघीसज्जनबन करतआचमनरह
तअधमना। पापीमनमृगकेविहाराहित यमुनातीरसीर
जनुरमना॥ कहियमदूतअकूततरतखलखलुजनलोक
मेंजानकोहमना। सुनहुनाथभागिनीनगिनीकछु अधम

नकोवैकुंठअगमना ४ । ५ अमुनारीतिसेवयमुनामन ।
मनक्रमबचनसहितहितयुतनित कलछलछोड़िमोड़िमु
खजगसन ॥ बिषयबिरागरागद्वेषहिंतजि मदअभिमान
मानमायाघन । मोहकोहअरुलोभछोभनशि करुअव
रोहछोहताजिकुलजन ॥ करुआचारबिचारचारुशुचि
तजतेते जेतेनररिपुगन । शिथिलगातसबहोतजातअब
अजहुंनतजहुनेकुनिजजड़पन ॥ नशिअघओघअमो
घयतनकरि ममतात्यागिधामधरनीधन । नाथहाथक
बहींचढ़िजेहैंसेवतनितप्रतिकुंजकूलबन ४ । ६ ॥ ठुमरी
लखनऊकी ॥ यमनादरसेयमनापरसेगमनासरसेसुखके
कमना । हरिदूतजगैंयमदूतभगैं भयसेकहतेहमनाहम
ना ॥ परितापिहुपापिहुस्वच्छमहाजोनहायमनाबिचशु
द्धमना । प्रेमीनेमीयमनाकरजे धरमीकरमीउनकेस
मना ॥ मननाथकुरंगसुरंगसदा तवतीरकुटीरमनोरम
ना ४ । ७ ॥ खेमटा॥दादरा॥यमनातीरेबसोसीरेसीरे । झुं
किझुंकिझूमरहीझूमरसी टेढ़ीतमाललितानीरेनीरे ।
झरझरपरतफूलकूलनपै झिरझिरवायुचलेधीरेधीरे ॥
पुंजकेपुंजमंजुखगमृगधुनिभौंरागुंजैंनिकुंजकुटीरे।वृन्दा
रकावृन्दवृन्दाबन बसैंतहँनाथैंबसावतीरेतीरे ४ । ८ ॥

---o---

बलदेवाष्टक ॥

दण्डक ॥ जयतिरेवतिरमणशरणजनशंभरण ॥ दामि
नीदरणद्युतिकुंदचंपकहरण रत्नआभरणपटसघनघन

अनुसरण १ काकपच्छाऽवलीकलितकुसुमाऽवलीकेकि पिच्छावलीस्वच्छकुंडलकरण। अंगसुत्रिभंगछबिनैनसा नंगवरसकलसारंगनयनीसुसेवितचरण२बिशदबिकटी विमलयुगलभृकुटीतरल ललितलकुटीप्रभाभूरिमुकुटी सुगण। मंजुमंजीरपदकंजरंजितमहा किंकिनीराणित अलिपुंजगुंजाऽभरण३ मंदमुखहाससबिकासकचफन्द युत कंजपरभ्रमरगणवासकीन्हेसप्रण। जयतिब्रजनाथ धृतहाथवरमुशलहलराशि लीलाकुशलयुवातिजनमन हरण ४। १ श्रीबलदेवदेवबुधिनीकी ॥ यहब्रजबासखा सकरिजामें होयआसयाहीअबजीकी। चरणशरणमें रहौंसदाही तुमरेअरुतुमरेभाईकी ॥ देवनकोसेवनत जिसबही जिमिपियसेवानितहिंसतीकी। तजिनिजधाम ग्रामपुरबासहिं होयबासतवकुंजकुटीकी ॥ चरणोदक मोदकप्रसादलहि नंदललावृषभानललीकी। तातमा तसुतभ्रातनातहित छोहमोहतजिनिजपतिनीकी ॥ रा खहुनाथसाथनिजब्रजमेंदासनमेंआशायहीहीकी ४।२॥ झंझोटी ॥ दाऊजीकीछबिपरहौंबलिजाऊँ। कुंदनकीदमक निहैफीकी चंपाकहतलजाऊँ ॥ अंबरनीलमनहुँअम्बर में दामिनिद्युतिदमकाऊँ। गाततीनबलखातमनोहरल खिबिनुमोलबिकाऊँ ॥ नाथहाथसोहतहलमूशल यहछ बिभलनितपाऊँ ४।३ दाऊजीकेरसउपजाऊनैना। तनि कसीकोरसिकोरओरजेहि तेहिकछुकहतबनैना ॥ काजर केकाजरइनआगे जबचितवतकरिसैना। मनहुँनीलअ रुलालश्वेतमनि जडेफूलमुखऐना ॥ इकटकसाथनाथ

दृगजोहत मोहतमनअलसैना ४।४॥ कलिंगड़ातालच
लता॥ दाऊजीकेनीकेनीकेनैनासलोने। कान्हूजोसतीके
तीकेवाहूयुवतीकेजीके लुभेवीचह्वीकेचुभेदोऊलालको
ने॥सुरमासँवारेकारेसुरमासेधारेदृगमानोजगभरकरभ
रैयामैटोने।मोहेचितचोरीचोरीबातेंकरिभोरीभोरीहाँसी
थोरीथोरीवाकेबैननमेंचोने॥जोरीब्रजनाथजीकीजलन
मिटावेजीकीऐसेरूपनहींकहींभयेनहींहोने४।५॥खेमटा॥
दादरा॥दाऊतेरेनैनाहठीलेलड़ाऊऐंड़तअड़तलड़तपड़
तहिंदिठि मानोमतवारेमतंगभिड़ाऊ॥ उझकत झुकत
झँपत झाँकेसे खंजनमीनमृगासेखेलाऊ।घूमेभूमे झुकि
झांकेसेलागे धोखेसेजोकोऊआवेअगाऊ॥ नाथसाथ
सैननकेनैना प्रेमीनेमीकेहैंमनबहलाऊ ४।६ दाऊजी
केनैनाबड़ेअलसैना। भूमत झुकत झँपत झाँकतही झ
लकतजैसेभरेमदऐना ॥ लालेलालेडोरेपरेलालेकोरे
चितवतहीचितचोरेसुसैना। रेशमकेसमऐंठनजाकी उ
लझनतेकबहूंसुलझैना ॥ श्रीब्रजनाथसाथकीजोड़ी
अँखियांनिगोड़ीजोलखिहुलसैना४।७॥खेमटा॥भैरवी॥
देखोदाऊकीकैसीरिझाउछटा। ऐसाकौनजोनयापैलटा॥
गोरेगोरेगातसुहातप्रातसे थोरीरातसमनीलेपटा। नी
लेबसनभूषनरतननके भोरेभोरेमानोकारीघटा॥ भौंहैं
सौंहैंजिमिसोहैंसिरोही सैनोंसेखेलैहैबांकपटा। बालोंके
जूरेजुरेशिररूरे नाथभोलेकेसेसाँपैंजटा ४।८॥

—०—

कृष्णाष्टक ॥

दंडक ॥ जयतिराधारमणसकलकलिमलहरण। सघन घनबरणछबिकामकोटिकदरण कुंजवनपुंजविहरणसुर सिकाऽचरण १ जयतिधनपतितनयउद्धरणमुदकरणज यतिगिरिवरधरणस्वजनतारणतरण। पूतनापूतकारित्त णाऽवर्त्तादिहरि शकटरिपुविकटकरप्राणकरिविभ्रमण २ जयतिविधिमानमदशमनकालीदमन जयतिदावाग्नि आचमनकरदुखदरण। वृषभवृकवकअघाऽसुरखराऽ सुरसकलविकलकरप्रचुरदलअसुररिपुशूरगण ३ रजक चांडूरमुष्टकमहादुष्टकरि पकरिकल्लनिसुमल्लनिपटाकिग हिचरण। कंसविध्वंसकरिकालनेमादिदारिजयतिश्रीद्वार कानाथअशरणशरण४। १॥खम्माचतैलंगविलावली ॥ नं दननँदकेजगवंदनव्रजराजराजशिरताजछाज ॥ मुसुका तमंदपूरितअनंद निरद्वंदकुंजविहरतसुछन्द। छलकेंजु फन्दअलकेंसुसाज १ गोपीविहंगतिलदेखिअंग धावत उमंगकरिप्रेमसंग। फँसिअंगअंगनाहिंसकतिभाज २ तनसुघनसघनसोहतअनंद शिरमुकुटमनहुँपूरनसुचं द। व्रजयुवतिचकोरिनकीसमाज ३ वंशीकरधरयमुना केकूल कांछेदुकूलसुकदम्बमूल। साखिभूलनाथलाखि ग्रहकेकाज ४। २॥ गौरी ॥ मोहिंमिलेरी गोपालप्यारे गलियामें। वृन्दावनकरसाँकरखोरी मोरीओरीआवेटे ढ़ीचलियामें ॥ लपटिझपटिझूमेमुखचूमे रसजसलेअ लिकलियामें। दीठबचायपीठमोहिंदीन्ही कीन्हीछलज सछलियामें ॥ नाथहाथपंछीमनफनगये वधिकसेजुलफ

नजलियामें १।३॥ भैरव॥ मोरमुकुटियासुघरलकुटि यानेकुबतादेरीमैया। कितैरखीरीतोहिंपरखीरी ढूंढ़फिर सबरीठैया॥ ग्वालबालसबपौरिपैठाढ़े टेररहेसुनबल भैया। आजअबारभईसबदिनते बिखरिगईहमरीगै या॥ सखासँघातीसबगौंघाती येभैयाकेफुसलैया। बन बनसघनदूरकढ़िजैहैं कोऐहैमोहिंबुलवैया॥ गहिअंच लयशुमतिकोचंचल मचलैयाकरेअँगनैया। नाथहाथ धरिधरिझकझोरतमोरतमुखहँसिनँदरैया ४।४ निधरक नितयदुबर परघरघरपरघूमें। करिवरछबिसुन्दरतर करिवरजिमिभूमें॥ डगरमगरमरकतसम जोतिहोति भूमें। नाथसाथगोपनकर अगरबगरदूमें॥ पकरपकर गोपिनकरबरबसमुखचूमें ४।५ दिनदिननवनन्द नँदन वनवनप्रतिघूमें। पशुगनघनगगन चारिहरछन जितजूमें॥ बीननगइफूलकूल बनघनातितहूमें। भूलि सघनकाननतम भाँतिज्योंकुहूमें॥ काननविच्चकूकमारि मोहनमुखचूमें। जोनचहतनाथतौनकरतकाकहूमें ४। ६छैलएककरतसैलगैलगैलडोले। सखिगनलखिकरत फैलअतिअँठैलबोले॥राखतमनमाहिंमैलचलतपैलटो ले। चितवतचितचकितबैलकीसीआँखखोले॥ गेडुरि तुरिफोरिघैललखिलखिसखिगोले। नाथहाथधरिउतैल जिमिनसैलबोले ४।७ माँगतदधिदानकुँवरकान्हसा नवारो।मुरिमुरिमुसुकानकानकरतनाहिंकारो॥ ठाढ़ोमग मेंउतानतानभुजनिप्यारो। तरुतरजिमिवरवितानतर लतानमारो॥ हौंतोसनमानमानवचनसबतिहारो। तुम

कोनाहिंआननिजगुमानमानटारो आनध्यानआनबान आनरंगवारो॥मगमहँमस्ताननाथठानहठनकारो४।८॥

श्यामाष्टक॥

ठुमरी॥ सुनिबांसुरियाकीफूँकहूक हियमामोरेपरिगई रे॥कोकिलकूकचूकगयेधुनिसुनि मूकभयेपपिहामतवारे। बिरहलूकलागीतामें मानोनिमकबूकदईरे॥ हूक ०१ खगमृगमीनदीनतनव्याकुल पावतनाहिंधावतसबहारे। जड़चेतनकोचेतनहीं केतनकोछललईरे॥ हूक ०२ एकतोहूंसखिबैसकीथोरी दूजेहूंअतिहीबिसभोरी। ती जेगमनचोरीचोरी अबकाहकरूंदईरे॥ हूक ०३ त जिकुललाजकाजसबघरके उठिधाईधनरंककीनाई। जबनाथडालदईहाथगलेसबदेहियाँफरकिगईरे॥ हूक० ४।१ कारेकारेइनअलकछलकलखि अँखियांछल किगईरे॥ मानहुँनीलशिखरगिरिवरते कारीयुगयमु नाकीधारी। तामेंदुइसफरीजोपरी इतउततेंछलकग ईरे १ कैधौंमंदसुगंधमाधुरी लेइभईमदअंधबावरी। तातेंदुइभौंरीदौरी देखतहीपुलकिगईरे २ मानोफनीफु फकारीवारी नागिनियांकारीविषधारी। ताकेहितअमृत कीरी दुइप्यालीढलकिगईरे ३ नाथसाथअलकनिकी छलकनि तामेंलरमोतियनकीहलकनि। अँधियारी कारीनिशिमें मानोतरईभलकिगईरे ४।२ इननैन कीनेकहिमरोरमारेकरोरकईरे॥ बिषकेनीरबुभेअतिती

छन नावकतीरतनेसेईछन। पीछनहींकेश्रोरफिरेमनमृग
कईछललईरे १ बीरधीरकोउछांड़तनाहीं होड़कियेजि
यतोड़ादियेरे मोड़ालियेकोरैंथोरे । सबसुधिबुधिहरगई
रे २ लखिजाकोहरवासबहारे फबवारेयहनैनदोधारे ।
धारेंश्रंजनकीबाढ़ेंबाढ़ेलखिरुचिनईरे ३ फेरिफारश्रँखि
यनतेसखियनघायलकरतजिलावतमारत। सुन्दरनटव
रसीलीलायहनाथसाथभईरे ४।३॥ पीलू ॥ ठुमरी ॥ बजा
देकान्हाबंशीतानिकइकबार ॥ तोरीमुरलियाश्रजबसुर
लियाधुनिसुनितनमनवार । नाथहाथबिनुमोलबिकैहैंये
श्रंखियांरिझवार २।४ लगादेमोरीनैयासुठौरेघाटरे ।
एरेखेवैयाभैयापैयांतोरीलागूंमोरीनैया० ॥ देखिलहरि
याचढ़तिलहरिया लखिनदियाकरपाट। लगादेमोरी०
१ रातश्रँधेरियाबहतिबयरिया लखिनपरतकोउबाट।
नाथसाथकोउनाहिंनमोरेललरजतदेखिनिचाट ॥ लगादे
मोरी० २।५॥ कलिंगड़ा ॥ मेरामनमोहेजोहे। जबहींति
रीछेनैना॥ लाजशरमकुलधरमगँवाई।सुखदुखएकोना
विचारीतेरेपीछेनैना॥ श्रनियारेमतवारेप्यारे । नाथदो
धारेइनसबहीमेंबीछेनैना २।६ ॥ खेमटा ॥ चालदादरा॥
कैसेजीवेंतुमारेमारे ॥ एकतोश्रनीतनीबरछीसी दूजे
भौहेंदोधारेधारे १ नाथसाथनिजरखलेवँचालेप्रेमको
प्यालेतूप्यारेप्यारे २।७ जौंतूजिभियाश्यामाश्यामकह
ती । तोकाहेकोदुसहदाहदहती ॥ नितनितदांतपांत
बिचबसिके काहेकोडसनासबनकीसहती । करतिबजिं
दानितपरनिन्दा यादनराधेगोविन्दाकीरहती ॥ वृथा

वादबकवादसवादेएकहुक्षनजोभजनसुखलहती। नेकहु नाथगाथगुनगाती तोसबसुखतुमपातीजोचहती ४।८॥

——*——

मोहनाष्टक॥

ठुमरी॥ लखनऊ॥ देखोनिडरनिठुरहरिलीहमारसुध बुधवहसूरतिसांवरिया॥ लखिलखिकेनैनव्यापतहैमैन नहिंकटतरैनभईबावरिया। सुनिसुनिकेबैननहिंपरतचै ननाहिंभावेऐनदिनहूंरतिया॥ कुललाजभाजगईएरीस गरीएकउनकेकाजबिगरीजतिया। गलबहियांडालछ हियांघुमिहौं अबनाथसाथजोहोगातिया ४। १ वहच ञ्चलपैंजुलफैंविखरी सेहरासीमनौलहरैसखियां॥ बांका बैंदराहरदमवोबना बांकीकलँगीबांकीपागिया। बांकी चितवनबांकीहैफबन् बांकीबनठनकेबनीआँखियां॥ बां कीसुरमातहरीरखिंची बांकीसुरखीलहरैंधरियां। यह मानोतीनोंधारीनिकरी गङ्गायमुनासरस्वतिनदियां॥ कै धौंकासिखंजनडोरबँधे कैधौंसफरीजुड़ियांमिलियां। बां कीहैअदाबांकीहैसदा बांकीसबनाथकीहैगातियां ८। २ अलकैंझलकैंलहरायरहीं विषधारीकारीनागिनियां। जेआनिफँसीतेहिजानिडँसी केहिनाहिंनशीयहपापिनि यां॥ देखेलहरौंसीउठैसखियां बिनुदेखेदाहततापिनि यां। अधरामृतजेनितपानकिये कहैंनाथजियेसोइभा मिनियां ४। ३ औंचकैश्यामसोंभेंटभई वंशीबटतट मेरीसखिया॥ बनसघनफूलबीननकोचली घरकीछातिं

याफरकीअँखिया । बिसभोरहिभोरहिकीनिकरी बिखरी चहुँओरीअँधेरिया ॥ झुँकिझपटझूममुखचूमलला न हिंलागेगलाथरकीदेहिया । कसकीछतियामसकीअँगि या यहनाथकरीहमरीगतिया ४ । ४ छलबलीलालने भेंइदईयमुनातटमेरीचूँदरिया ॥ सखिहोतबिहाननहान चली हिलिमिलिसँगकीसबगूजरिया । पगपरतभूमि अँखियाफरकी अरकीमरजारीडागरिया ॥ हौंज्योंहींअ चानकआयपरी हरिधायधरीमेरीचादरिया । मोहिंठे लिंनाथजलकेलिकरै बिगरीहमरीसगरीसरिया ४ । ५ पनिघटऔघटघटफोरदई झटपटवहलंगरसाँवरिया । चट्औचट्चोटचलायकरी ईंडुरीअँगुरीकरिभाँवरिया॥ अनवटसनवटएकोनगुनै चट्चट्चढ़िधावतपांवरिया । चटपटगरनाथलगायगयो तबसेअटपटगतिबावरिया ४ । ६ समझकेबोलोयेबंशीवारेनहींतोमेरेतुमारेहोगी ॥ बहुतसीबातेंसुनीतुमारी अनोखीचोखीसभीसेन्यारी । भलीबुरीएकोनबिचारी सनेहअबतोसम्हारेहोगी ॥ गलीबजारे नदीकिनारे जहांजहांमैं चलूंतहारे । वो नाथप्यारेअड़ेखड़ेरे अभीतोतुमसेबहारेहोगी ४ । ७ नहींजोबोलोअयमेरेप्यारे कहोतुमारेबिगारेक्याहैं ॥ स दातिहारेसहारेप्यारे भलाबुराकुछनहींनिहारे । सभी जोतनमनजुआसाहारे बतादुलारेबिचारेक्याहैं ॥ एना थप्यारेनहोतून्यारे तूतोमेरेनैनोंकेसितारे । मेरेसेपापी अनेकतारे मुझेहीदिलसेउतारेक्याहैं ४ । ८ ॥

गोपिकाष्टक॥

भैरवी॥ मैंतोभोरहिंभोरपरीगोइयाँ॥ नाहकश्रौघटप निघटश्राई घूँघटखोलेहरीगोइयाँ। बरजोरीमोरीछोरी पिछोरी बहियाँमरोरीश्ररीगोइयाँ॥ करधरपटपटकीमट कीको श्रौचटचोटकरीगोइयाँ। नाथहाथखालीघरजै हौं लाजनजातमरीगोइयाँ ४।१ मैंतोथोरहिथोरसोई सैयाँ॥ रहसिबहासिश्राधीनिशिबीती रिसमिसश्राधी खोईसैयाँ। सगरीरैनकेनैनउनींदे मोहिंनजगावोकोई सैयाँ॥ ऐचंचलकलकरकलकरिहौं जोईकहोगेसोई सैयाँ। नाहींतोनाथसाथननिबहिहैं होनीहोयसोहोई सैयाँ ४।२ तोरिश्रँखियाकाहेकोलाजकरे॥ लागिगईयह जानतजगभर फिरक्याश्रोटपरे। श्रबजनिकानिहानि मनमानहु काहूकेदोषधरे॥ नेकनिरेखरेखबिधनाकेटारे नाहिंटरे। नाथसाथनईनेहनिवाहोनाहकलाजमरे ४।३ मेरीऐसीऐसीबातेंरी॥ सुनलीजैकछुशोचनकीजै श्रौस रकीयहघातेंरी। रागरंगसबखानकेछूटे छूटिगयेहितना तेंरी॥ उनबिनसाजसमाजराजको मोहिंनाहिंनेकुसुहा तेंरी। ज्योंत्योंदिवसबरससमबीते नाथसुहातनरा तेंरी ४।४ श्रपनीबारीबारीमिलोगोइयाँ॥ बहुतदिन नपरबालमश्रायेलपटिझपटिनगहोबहियाँ। नाथसाथ हिलिमिलिसबबैठहु पहलेपहलपरोपैयां ५ एरीमेरे द्वारेश्रायेकन्हैया। छिटिकगईश्रांगनलौंजुन्हैया जानि गयेजोजनैयारे॥ बिसभोरेभोरेकेश्रवैया बारेभोरेमोरेसै

यँारे । नाथहाथधरलोरीबलैया होगइहोनीहोवैयारे ६ एरीतोरेभोरेकोआयेरीगोइयां । करजोरतलागतहौं पैयां मोहिंबतावेकाहेनहियांरे ॥ मोरीतोरीबालेपनकी सनेहिया सपनेहुकीनछलैयारे। तोरेनाथकेपरिहौंमैंपैयां मोहिंमिलादेनिजसैयांरे ७ मोरीगोइयांनिंदियानेकुन आई । रैनगँवाईपैचैनननपाई ॥ दोहा ॥ आधीनिसरि समिसगई आधीघिसफिसमाहिं । जिसजिसरीतचले पिया तिसतिसढवचलिजाहिं ॥ कुरसमचाईसुरसन सुहाई । निंदिया० १ प्रथममिलेपयपानिसेपकरिपर सपरपानि । हंसवंसकेसेभयेअबऔरहिजियठानि ॥ मोहिंजगाईपैरसनजगाई । निंदिया० २ कलबेकल मोकोकरीकलछलसेभयेप्रात । कलपतहीनैंनारहेकल नहिंपाईरात॥ अंगिड़ाईआंतिआईजम्हाई। निंदिया०३ उझकतझुंकतझुपतझुमतमतवारेसेनैन । नाथदृगन तेदृगअड़ेलड़ेभिड़ेभारिरैन ॥ उलझाईफिरिनहिंसुल झाई । निंदिया० ४ । ८ ॥

गोपीविरहाष्टक ॥

षट् ॥ भजनकीचाल ॥ टेक ॥ जेहितरुतरबिहरेबिहा रिसँग सोनिहारिबिहरनलगीछत्ती । जेहिबनउपबनमें बिलसेनित सोइहहरतलखिछहरतपत्ती १ त्रिविधवायु परमायुदायिनी सोऊआगिसमलागततत्ती । जेमृगमृ गीलगीरहीमोसँग सोमुखमोरमारहींलत्ती २ जेफल

फूलमूलसुखकेरहे सोप्रतिकूललगतमानोकत्ती । लता
पतासबभूलरहेहैं टारतजिमिमोहिंलखिमुखरत्ती ३ चं
दनचंदचांदनीचौंदिशि तुहिनउशीरसीरसबघत्ती । ना
थसाथबिनुगतिसनेहतजि दीपकमाहिंबरतजिमिबत्ती
४ । १ कान्हतिहारीबान्हपागकी यादकियेमनबान्हदि
ये । कैसेकोउबन्हेकोबान्हे नान्हेतेजोबन्हायलिये १ तुम
पुनिबान्हतआनरागमें भोगयोगकोएकाकिये । हौंतोप्रे
मनेमतेबन्हिगई छेमअछेमगुनौनजिये २ उलझतजब
सुलझतमोहींतेप्यारेकहतप्यारीचुनिये ॥ नइउलझन
सुनिपाछलिउलझन गुनिगुनिलागतशूलहिये ३ नान्ह
नान्हयुतबूंदपागगुनिनैननबूंदबहुबरसदिये । मधुकरमधु
सूदनसेकहिये अजहुँनाथमिलियेजुलिये ४।२ ऊधोजू
सूधोसंदेशतुम माधोजूसोंजायकहो । तुमसबलाकेकाम
बताये येअबलाश्रमकैसेलहो ॥ भोगिनिह्वैकिमियोगिनि
बनिहैं नितहिबियोगिनिहोयरहो ।तुमसँगसबसंभोगभो
गअब बिरहसोगकहोकैसेसहो २ मोतीचुगनवालीजो
मराली खारसिंधुरहेकैसेकहो । सानुरागअलिमृदुपराग
लहि सोकुशकांटहिकैसेगहो ३ मीनदीनशीतलजलबा
सी तपेकीचबिचकैसेदहो । जेब्रजनाथसाथबहुबिलसे ते
हिअनाथकरिकैसेडहो ४।३सूधोसूधोबचनहमारो ऊधो
जूमाधोसोंकहो । ब्रह्महिनहिंनेकहिहमजानति एकहि
कृष्णहिहीयरहो १ अंजनयुतदृगखंजनमृगसे ताहिनि
रंजनकैसेकहो । जोसाकारअपाररूपनिधि निराकारकि
मिताहिठहो २ मधुरमुरतिरसचखतमधुपचख कैसेअ

लखलखजाहिगहो। जोगोचरसोकैसेअगोचर ज़ोचर
गयेनसनसमेंअहो ३ नन्दमहरघरजेब्रजजायेताहिकहे
अजजीवदहो। नाथनिरीहअनीहकहोकिमि जोबनबन
हिविहारलहो४।४॥ बिहाग ॥प्रीतिकहिंचंचलाथिरनभई।
प्रीतिपतंगसंगदीपकके तनमनदेजरई १ मोरमलाररा
गसारंगमृग सुनतबधिकबधई। कंजकुमुदमुदकैफँस
गयेअलि उखरतराखमई २ नागनादरसबसकैफँसग
ये जीहमीननसई। प्रेमनेमकहारामसीयसम आखिर
त्यागिदई ३ इतउतभ्रमतिकरतियहबावरि प्रीतिकीरी
तिनई। नाथश्यामछबिधामसाथहम नाहकजानिठई ४
। ५ कान्हतेरेबैननमेंभरेचोना। बचनरूपजादूअनूपप
ढ़ि चितवनतेकियेटोना १ दाहतबिरहदवातबचाहत
सांवरसुघरसलोना। दीठघुमाईकतहुँनहिंपाई भइजि
मिकाठखिलोना २ डोलनिहलनिमधुरअधरनकी पूरित
अमृतदोना। कलकोकिलपिकनहिंनिकलागे शुकसा
रिकिहिचहोना ३ परतध्यानसुनिबानतीरशर दोउईछन
केकोना। एबादरआदरयुतकहियो अबमोहिंनाथदहो
ना ४। ६॥बिलावल॥ अबहमपियपहिचानीमधुकर।
हमजानतरहीसाधुसांवरो अबकपटीजियजानीमधुकर
१ ऐसेप्रथममिलेथमथमहरि जैसेपयअरुपानीरे। ज
बसबसौंपिदईउनकोतब हंसबंसगतिआनीरे २ जेनिज
तातमातनहिंमानी परआपनकाजानीरे। नाहककोजि
यगांहककीन्ही यहतियबुधिनादानीरे ३ कारेहोतनकारे
सबही कबहीनाहिंप्रमानीरे। नाथहाथभलयहफलपाये

सुधार्बीचबिषसानीरे ४ । ७ यदुवरकोअबजानीम धुकर ॥ यादवपतिमाधवसाधवबानि पैकलछलके खानीरे १ तीनोभिन्नभिन्नइनकीनो क्रमक्रममनक्रमबा नीरे । कहिबोऔरहिकरिबोऔरहि मनबिचऔरहिठा नीरे २ सिंहसियारप्रहारकरेनहिं कोटिकियेछिड़खानीरे। हंसवंसकांकरीनचूंगत चातकऔरनपानीरे ३ प्रेमनेम केविटपहीरको काअहीरपहिंचानीरे । मधुकरमाधोसेय हकहियो नाथकीयाहीनिशानीरे ४ । ८ ॥

गोपीकरुणाष्टक।

ठुमरी ॥ सजनहरछनसुमिरनतेरा ।यकबारदयाकर देदरशन ॥ जप्रेकोलगीमालापोहन । नहिंसूझपड़ेला गीरोवन ॥ कितोप्यारेमेरेतनमनकोहन । कितोकरजाए कफेरा ॥ बरसनूसेदरसनकोतरसन । विरहाविषसेलागे सरसन ॥ कबनाथचरनछैहैंपरसन । टुक्पारकरोबेरा ॥ सजनतनतपनबुझाजारे । एकबारप्यारकरजाओसज न० ॥जबसेगयेप्यारेमोहन।तुमसौतनियाकेमनमोहन॥ मोकोसपनाभयेछनभरजोहन। एकझलकदिखाजारे ॥ जबबिरहकीलौरलगीधावन । तबअँशुआलगीउरबर सावन ॥ ज्योंतातेतवापरहोछनछन। टुकनाथजुड़ाजा रे ४ । २ कलिंगड़ा ॥ सबबीतीजातरजनीतकतक। नहिं आयेसजनसजनीअबतक ॥ एकतोबारीसीबैसहमारी दूजेपियाकीहियामेंकलक । देहियांपिरातपियरातजात

रोवतरोवतसखिसूखेहलक॥ टारसकूँकैसेपहारादिन हा
रगयोमेरोमेनबकझक। तनभरभरातद्दगढरढरात बिन
नाथसाथनहिंलागेपलक ४। ३ पठवादेसँदेशवारीउन
तक। जेहिदेशवाबलमछायेअबतक॥ रातादिनाअँगि
रातरहतानितखातजातबलकसकमसक। काहूकीबातक
छुनहिंसुहातअतिहीजम्हातबोलतअकबक॥हियडगम
गातकंपतहैगात जियधसोजाताविरहाकीधसक। करथर
थरातपगलरखरातकाहिनाहिंथिरातरहीनाथकसक४।४
ठुमरीगजलकेचालकी॥ कुंजनूसघनूकेबीचदेखोसांवला
खड़ा। क्याहीहसीनतीनबलोंसेअड़ाखड़ा॥ सजध
जहैनिरालीअरीआलींमैंक्याकहूं। ऐसीअदापैकौनफ़ि
दाहोनादिलकड़ा॥ होतीहैहूकफूंकसेआफतकीहैसदा।
होटूकटूकदिलकेअजब हैगज़बबड़ा॥ पंछीभीकूकचूक
गये मस्तहैं भौंरे। हरफूंकमेंआतीहैगो खुशबूयेकेवड़ा॥
बंशीअजबअदासे वहहाथोंमेंहैलिये। बांकीहैझांकी
नाथकी इसबुतपैदिलअड़ा ४। ५ कैसेकलपैहोसैयां
कलपैहोजों। नाहींतरपैहौछातीतरपैहोजों॥विधनाकी
रेखदेखकधीटारेनाटरे। कैसेसुखलैहोप्यारेसुखलैहोजों॥
जैसाफलबोओगे वैसाहीपाओगे। आमकैसेपैहोबबू
लैलगैहोजों॥ तेरेअनुरागवागबीचयेपंछी। आंशूझड़
पैहोप्यारेझड़पैहोजों॥ तुमपैजोईबीतीहैसोईनाथपैसम
झौ।तुमभीडरपैहोप्यारेउरपैहौजों४। ६तरसततरसावन
सेरेसुनलेरेकछुकाहूकीगरजअरु अरजमानतरसत०॥
बनठनचलनफबनतन जोबनाके। जोबनाकेछायासमछ

याइकछनके। पनवनफुलवनसमप्यारे टुकसमुझबूझ
गुनलेरे॥तरसत०॥ चारदिनाकीचाँदनियांमें। कलछल
करचतुरेदुनियामें॥बधिकसेबधिदानादेरे। अबनाथहा
थगहिलेरे४।७बरसतबरसावनसेरेदगमेरे। कारेबिरहस
घनतनमनमें आजनैनाहमारेढारे॥ छतियापनारेनारे।
नील शिखरधारोजिमिझरनारेन्यारे॥ बूँदपसीननकेकन
के। गरजनप्रलापसुनलेरे॥बरसत०॥ घनहूँतेघनघनभ
येदगहरछन। छनछनछनकततावाकेबुंदनसम॥ मीनज
लेजलमेंप्यासी अबनाथजुड़ावनदेरे ४। ८॥

गोपीविलापाष्टक॥

ठुमरी॥मेरादिलमलदलगोइयाँहरिलेकरगयेगयेरे।
बंशीनहींफँसीयहलाये करयदुबंशीघातरे॥ मेरामनम
छरीसेछरी यानीबिनजीयहलयेलये। सर्बसदेपरवशभ
ईगोइयाँ खोईकुलकीलाजरे॥ नाथसाथतजगयेभौंरेसे
अबऔरेरसनयेनये ४। १॥ सगरेतन्मन्धनगोइयाँ
हरलेकरगयेगयेरे। पहलेहिलमिलगयेवो ऐसेजैसेपा
नीदूधरे॥ अबतोहंसबनगयेरेमोहन् न्यारेभयेभयेरे।
जादूगरजादूकरजैसे मोहघरघरआनके॥ नाथसाथभ
ईऐसीहल्चल् कलछलनयेनयेरे २ मोसोंसरबरकरका
न्हा औरेघरगयेगयेरे। रतियाँकीमतियाँसुनसखियां
कीन्हीकुछनहिंप्रीतिरे॥ टेढ़ीठेढ़ीबतियाँकह टेढ़ेवहभये
भयेरे। नाथसाथसुखऐसेजैसे पाथरपरकीदूबरे॥ सूखे

रूखउनयेनहिंजैहैं नैहैनयेनयेरे ३ सूभबूभहरिकोकुछ नाहीं क्याअबूभसेरमेरमे। कहांतोयेराजामहराजा कहाँवोचेरीकंसकी भलीमिलीजोरीसुनलोरी आजनीममें जमेजमे॥ पीरनहींबेपीरसदाके आखिरजातिअहीर रे। नाथसाथऐसेजैसेपुरइन परपानीथमेथमे४पीलू॥ तोरीअँखियांमदसेभरी केहिकोनमाते। तनिकसीकोर सिकोरसखीरी चितवतिमतिबिसरी॥ केहिको०॥ नाथ नशासबहीउतरतहै यहनसनसमेपरी॥ केहिको०॥ ५ मोरीगलियाँनितआवेरे वंशीवाराप्यारा॥ लुकछुकर हतनबोलतचालत लखिसखियाँउरलावेरे।नाथहाथधर नाचनचावत जोगतियाँमनभावेरे ६ मोरीमतियाँबिस रगई। लखिछबिकारी॥ कजरारीमतवारीप्यारी दोउ अँखियांगजबभँई। नाथसाथबिनुमतिगतिऐसी जैसी रतियाँचकचकई ७ मोरीअँखियाँफरकरही। गोइयाँसे याँऐहैं॥ एकतोअँखियाँदूजेबाँईबँहियाँ तीजेछतियाँधरक रही। नाथसाथनिहचैमिलिहैंरे सबदेहियाँलहकिरही८॥

गोपीप्रलापाष्टक॥

ठुमरी॥ तोरीसेजियाबिछुआबजे। एरीमैंकैसेको आऊँ॥ एकतोबिछुआदूजेपयलवा तीजेमेघवाअति गरजे॥ एरीमैं०॥ नाथछलीछोटीछलकेननदि या लखिसखियाजियलरजे। अँखियालागगई कज रारीकारी॥ कारेपरकाहिंनजरनलागे यहअचरजकर

बातैंन्यारी। चितवतकोरकीओरमरोरें नाथलाललखि लागेप्यारी॥ एरेतोपैवारेंनैना। तनमनप्रानसभीतोपै वारों॥ खंजनमीनमृगनकंजनकोमोहलियोहैतुम्हारे नैना॥ एरेतोपै०॥ कोरेलाललालडोरेसे नाथहिमति बांधिडारोनैना॥एरेतोपै०३॥एरेमदमाते। जातेनैनातेरे सदा॥ मदमाते०॥ निकरतभरतफुलनकलियनसेदिन दिनरंगानिखरातेजाते॥एरेमद०॥ नाथहाथकैसेमनरहि हैं रसरसरसमेंसमातेजाते ४॥ पीलू॥ एरेसांवलिया मोरीओरीआजा। सांवरिसूरतसुघरसलोनी इनअँखि योंमेंसमाजा। मोरीओ०॥ नाथसाथबिनुइतउतभटके खटकेसबहीमिटाजा॥एरेसांवलि० ५॥एरीबावरियाबि नुसांवरिया॥ भूषनबसनअशनहुदुराये उरलायेपांवरि या॥ एरीबा०॥ तीरथजैहौंनाथहिलैहौं लैहौंकान्हेकांव रिया ६॥ ठुमरी गज़लकेचालकी॥ मोरीतोरीचोरीचोरी कैसेनिबहे तेरीसूरतिसांवरीसलोनीमोहनी। देखेबिन पलछिनकलनारहे॥नाथतेरासाथखुलेबिनानरहे। भूस भरीआगकभीनाकभीदहे ७ बांकेनैनाऐसेकैसेबसेनाग री। अलकैंतुम्हारीछलकैंज्योंनागरी बिछुआदोधारेबां कपटाऔछुरी॥सबहीकीतेजीतेरेसाम्हनेमुरी॥ नाथतेरे हाथमेंजीचाहेसोकरे। कठपुतलीसीतेरेपालेहूंपरी॥८॥२॥

—०—

प्रलापाष्टक॥

सोरठ॥

ठुमरी॥ जाओजाओहोसाजनआज वाहींजहांरहेक लकीरैन॥ इतउतमदमातनसमभूमो केतनसवतनके घरघूमो। नयेनयेरसउपनाओ॥ जाओहो०॥ कहुँसन मानमाननहिंजिनको नाथसाथठानतहौतिनको। उनहीं कोउरलाओ॥जाओहो० १॥जागोहोबालममोररैनरही अबथोरीथोर॥ भगरतलरतकछुकनिशिबीतीकछुबीती लैनींदअजीती॥ अजहूंतोरसपागो। चंदमंदआकाश बिकाशितअतिअनंदजियहंदनिकासत। नाथअजहुँ उरलागो २ धाओ २ होबादरआजवाहींजहांपियाक रतचैन॥ बारबारमोतनबरसाओ मानोतवापरबूंदचु आओ। उनहींजायजुड़ाओ॥कलपावोनाहकतलफा ओ यहसँदेसओहिदेशसुनाओ। नाथसनाथबनाओ ३॥ लाओ२ होसुन्दरश्याम ऊधोमीतमाधोकेपरम॥ बिनागुरूकेकैसेसिखाओ योगभोगकोभेदबताओ उन कोनेकबुलाओ। लाओहो०॥ हमब्रजनारीअतिहिंअ नारीयोगयुगतकहाजानोबिचारी। नाथहिंजायसिखाओ ४॥शरनगहेकीलाजहमारी। राखोश्रीब्रजराज॥ जैसे रखीविपदीद्रुपदीकीग्राहग्रसतगजराज॥तुमगिरिधरन खपरागिरिधररखराखेब्रजजनकाज।रुकमिनकेसुमिरन तेनेकहिबांहपकरलैभाज२अंडअखंडरखेभरदूरहिघंटा जायविराज। दीनसुदामाआठोजामाजपतभयेसिरता

ज॥टेर करीबसुदेवदेवकीकाटेबिपतिसमाज। नाथसाथछलियनकोछुड़ाओतौतोगरीबनेवाज ५॥ बांहगहेको ख्याल हमारे। राखोश्रीब्रजपाल॥ तुमसबगुनआगर नटनागर अपनीबिरदसम्हाल १ तनिकसेकरपकरतही व्याहमें ताहिनिबाहतबाल। तुमतौचाहबांहधरेपूरे तऊअधूरेडाल २ औरनसंगरंगरसठानत निशिदिनरखतनिहाल। कौनदोसगुनिरोसकियेप्रभु नितचितकरत बिहाल ३ कूककूकरहौंबिरहलूकते अबतोचूकसब टाल। हाहाखायपांयपरोंप्यारे अजहुंअनाथाहिपाल ४ ।६॥ देश॥ काहेनाहींजाओमेघावाहीदेश॥ जहांभयेहरिनयेसिरकेनरेश। मथुराकीनवलासबलासब जिनके शिरपरबड़ेबड़ेकेश॥ हौंअबलाजानतिनकलाकछु दीन छीनतनमलिनसेभेश। वहतुवभारसम्हारसकैंगी मोहिआपहिविरहाकोकलेश॥ नाथसाथइतनीकहदीजो नाहकतुमकहलाओब्रजेश ४।७ कौनेगुनऐगुनतेछाड़ोछैलादेश। हौंतौगांवकीगँवारीनारी अतिहिंअनारी सीसुधारीनाहींवेश॥ हमगुजरीअबरीदुबरीसी वोसबरीहीराचकवरीकेश। सकलसतीसुमतीयुवतीसी भूठकोजाकोकहींनेकोनहींलेश नाथसाथघनयहजाकहियो हरिहोहरिहोकबलौंकलेश ८॥

विरहपंचरत्न॥

बर्सांती॥ धीमीधीमीबहतबयरिया। अटरिया

विनुपियाहियाबिच लागतकटारिया ॥ जौनेदेशबाल मविलमेरे तौनेदेशहीकीलाईलहरिया ॥ शीतलमंद सुगंधसनीसी सवतीकेअँगलगआईदैमरिया । मोरे आंगनबिचहिरफिरआली आंगनमहँलागेजिमितरव रिया ॥ नाथसाथबिनमोहिंसतावे हाथहुजोरे नमाने रगरिया । विनुपिया ४ । १ धीरेधीरेबदराबरसमोरेअँ गना । समरथनेको सहनकोहैअँगना ॥ अँसुवनते हरछनतनभीजे छीजेवदनमेरेप्रीतमसँगना । समरथ नेको० ॥ सारीहमारीकुसुमरँगवारी पियरीसीदेहियांसु रँगरँगरँगना । समरथ० ॥ तोहितरसनहिंमेरोदरसल हि मुँदरीभईमोरीजोरीकेकँगना । नाथसाथसोहतसौति नके तिनकेपासबरसौंतोहिढँगना।समरथ०४।२पियवि नुभावेनाहींमोरवाकेसोरवारे। निरखिनिरखिकारीरैनरट तसारी मारेठनकारीधुनिसुनिघनघोरवारे ॥ एकओर दैयादुखदैयासीकोयलिया एकओरबहेपुरवैयाकोभँको रवारे । दादुरबहादुरसेआतुरसेठनकारे झिल्लीझनका रेउठैयमुनाहलोरवारे ॥ कारेबदरारेजारेकहदेसँदेशा प्यारे नाथसाथविनाउठेछतियांमरोरवारे । ४ । ३ बो लोनापपीहापापी प्यारेजीकीबोलियारे । बोलियासुनत तोरीछतियांदहतमोरी ऐसीबोलीबोलोजाकेसवतीकेटो लियारे ॥ मोहिंकाविरहदीन्हीसैयांमोरावशकीन्ही सव तीकेलगेंऐसीटोनवांकीभोलियारे । वदनभये हैं रूखे विरहातेंनितदूखे ऐसेतनसूखे मोरीढीलीभैलीचोलि यारे ॥ गोपिनकीसारीशैलीनाथविनलागैमैलीसवती

सखानीभैली हमभैलीभोलियारे ४। ४ दृगयुगलभल बरसातसे अबरातदिनबरसातहै। बरसातादिनतेंभये सखितन मदनघनसरसातहै॥ परसातमहिकरतेंजब हि तबउठततनसहरातहै। हरषातलखिसखिनाथनिज निज मोरजियतरसातहै॥ छहरातबुंदियाहियापर तन तनमेरेभहरातहै। तातेतवापरबुंदजैसे नेकुनाहिंठहरात हे॥ अँगिरातजातजम्हातहरछन गातसबदुबरातहै। पियरातदेहियाँरातदिन बिननाथअतिसियरातहै ५॥

मल्लाराष्टक॥

अबमनठनबैरागलयोरी। सुन्दरश्यामधामबिनु आली सबसुखलासगयो १ खानपानबुधिज्ञानचातुरी सबहिसमर्पिदयो। हरिपगधूरिभूरिकुंजनकी सोइभस मभयो २ श्यामनामभरमूलमंत्रकर पांवरियंत्रठयो। आसनघनबनपातनकेकरि मालाकराहिंकयो ३ लांबी सासाबिसासआसहित प्रानायामलयो। मधुकरनाथसा थह्वैहैंजब पुजिहैंयोगनयो ४। १ सिखीकोनयहसीख सिखीरी। शिखरशिखाचढ़िटेरतहेरत घेरतविरहिनि नारिभिखीरी १ कैधौंश्यामधामतेंआये कहतजोसीख सिखायरखीरी। रंगबिरंगतिलकछापासम गिरिवरपर जिमिपरमऋषीरी २ अपनोभांतिबनावनचाहत याही कहतसखिबाताबखीरी। सबलासवतिदीनअबलापैं भे जीयहभेदीपरखीरी ३ दईजोदईयहचीन्हचीन्हशिर ई

गुरलीकलिखीसोलिखीरी। नाथसाथताजिउनाहिंकहांसु
ख जेअधरामृतस्वादचिखीरी ४।२ बोलीबोलतमोरवि
रहकी। याकीटेरहेरविरहाऽनल जागिदेखावतजोर॥ वि
रहकी० १ यहशठहठधरबेडरबोलतजबगरजतघनघो
र। एकतोशोरघोरघनकेरी दूजेमोरकरोर॥विरहकी०२
बहुविधिकहतनिहोरजोरकर सुनतननीचछिछोर। का
सोंकहौंसहौंमनहीमन छनछनउठतमरोर॥ विरहकी०
३ जौंयहप्रानरहैंगेजबलग मिलतनवहचितचोर। ना
थसाथपावतहीतुरिहौं सुभगतिहारोठौर॥ विरहकी०
४।३ मोरकहैंसबहैनकिसूके। केतहुप्रेमनेमकरिसेवहु
तबहूँधामरहैनाकिसूके १ सबसुखदीजेतउनपसीजे पा
हनभाँतिचहैनाकिसूके। यहविपरीतनामकिनराखे प्रीति
कीरीतिरखैनकिसूके २बेपरकरतप्रेमराखेपर अपनेजान
दहैनकिसूके ३ यहचितचोरमोरमुखघूमे भूमेलामलहै
नकिसूके। नाथसाथबिनुयहमनमोरत तोरतचितपरखै
नकिसूके ४।४ देखकलापीकीनिठुराई। विपिनविपिन
गोपिनकेसँगइन नाच्योताललतरंगलुभाई १ जबजबबन
उपबनबिचआली गायोंगुंडमलारथिराई। तबतबभुंड
भुंडसबधाये जिमिघनघोरघटाघिरआई २ अबतोभू
रिदूरिगयेहमते विहरताशिखराशिखापरजाई। टेरतनाम
तबौनाहिंहेरत घेरतकेतहुसुनतनमाई ३ वाहीऋतुवाही
बनउपबन वाहीमोरवाहीरीलुगाई। वाहीरागरंगरसवा
ही नाथसाथबिनुसबविलगाई ४।५ वरहीविरहीहुँबराव
तहो। पुंजकेपुंजकुंजबिचआलीमोरिनिमंजुनचावतहो१

धीमीधीमीचालचलतहम जिमिजिमिमोरिनकोनिय
रावतहो। तिमितिमितराकिसरकिबनमोरा मानौंमोहिं
डहुरावतहो २ जौंतौंभुंकिझांकतिओटनते तौंतोरस
उपजावतहो । सुनतविलापप्रलापदूरतें तुरतकलाप
भुँकावतहो ३ लतापतातरुतरेहरेभरे सोऊछुवतहह
रावतहो। नाथसाथबिनुजड़हुदुरावत जोरहेंप्रथमलुभा
वतहो ४। ६॥ तालचलत ॥ मोरिलाबोलतबानीक्या
ओक्याओ॥ हरितेअधिकजानी अपनेकोअभिमानी
याहीतेकहेगुमानी क्याओक्याओ। कुंजधाम आठोया
म मोरनकेसाथेश्याम नाचेसांचेकहेमानी क्याओक्या
ओ॥ याहीकोपखशिरधारेमेरेपियप्यारे ताहीतेपुकारे
ठानी क्याओक्याओ। मैंअलबेली रटौंअपनोमोहनमे
ली कहतअकेलीजानी क्याओक्याओ॥ जियराजरा
वेआली नियरेनआवेहाली बोलेयाहीहठठानी क्याओ
क्याओ। सखिपियहीभुलाये ओछनकोमुहलाये जान
तसवैकहानी क्याओक्याओ॥ सिंहकोशरनगहि खर
कोचरनसहि नाथबिनुऐसीहानी क्याओक्याओ ४।७
पलनथम्हतदोउनैनहमारे ॥ दिवसमांझकछुसांझअ
धिकह्वै धारबहतिअतिरैनहमारे०१ नेकहुइनअँखियन
दुखियनते मेघसमानतुलेनहमारे० । घनछनजातबहु
रछनआवत येदृगपलहुहटैनहमारे ०।२ पावसपायधा
यघनआवत आनमासअतिसैनहमारे० । येबरसासर
सारहेसबदिन बारहमासटरैनहमारे ० ३ वहजलवि
मलढलतनितशीतल यहतातेदुखदैनहमारे०। नाथसा

थबिनुपाथनाथसम चाहतहोनघटैनहमारे० । ४ । ८ ॥

ठुमरीमल्लाराष्टक॥

एआलीमेघवारिमिकझिमिकरहे ॥ चमकिचमकि चपलाचिहुँकावति मोरिलामोरिनिसँग थिरिकाथिरि करहे । नाथसाथबिनुजियतरसावत पापीपपिहरात मकितमकिरहे १ अजहूँनाबालमआये। घनघुमड़ाये॥ विजुतड़पायेजियराडरायेहो अजहूँ० । कैधौंवहिदेशले शनाहींघनको कैधौंनाथउलझायेहो अजहूँ० ॥चलतां॥ सखिझम्झम्बदरावरसे। चम्चम्चम्चपलादरसे॥ एकतोअँधारीकारी लखिडरलागेभारी दुसरेतड़पविजु रीकीउजियारीन्यारी।सबसखियाँपियाहियलागे यहदेखि देखिजियतरसे॥ दादुरमोरधुनिसारसशोरसुनि चकच कोर चातककी रटनिगुनि।झिंगुराबोलतझननंझननं बिनुनाथसाथलागेसरसे २ छम्छम्छम्बिछुआछम्के। तापैमेघवाझम्झम्के॥ घनकीगरजभारी हमरीगरज मारी लरजजातजियलखिकेअँधारीकारी। झँपकिजात आँखियादुखिया छनछनजोविजुरियाचम्के ॥ दुसरेप पीहापापीके शबदसुनिकाँपी जागिगयेघरकेसकलपरि तापीआपी । विधनाकरयहथम्थम्के ३ एरीआलीह रिआली लागेविषसी । सखिलखिभावेनतनिकसी ॥ मरकतहूकेमददरकतसरकत। पवनलगतनान्हेनान्हेत रुफरकत॥ करकतकतसखिहियमेरे । वाकोलागतको

रविशिखसी ॥ हरेहरेमीननके कैधौंपसमीननके सजत
गलीचनसे कैधौंगनतोतनके । नाथसाथबिनुदरिहैवि
रहाकरिहैंकारिखसी ४ । ५ बादरआदरयुतआवे । चा
दरसीभेंटमोहिंलावे॥ कारीरंगवारीभारीजामेंनालगीकि
नारीविरहाकीमारीमोहिंजानकेअनारीनारी ॥ आँगनके
घेरेमेरे आँगनबिचचहतओदावैं ॥ गरजसुनाऊँतौंतो
गरजबरजदै लरजजातजियमेरोधुनिसुनिके । यहनाथ
करेसगरीगतियाँ सौतिनतिनकोजोसिखावे ४ । ६ घ
नघुमाड़िउमड़िरहेकारेकारे ॥ अतितड़किधड़किरहेबारे
बारे । मोरनकेशोरचहुँओरघोर घनदामिनिदमकिरही
जोरजोर ॥ बदराजोबरसिरहेठौरठौर पपिहापियपियरटे
डारेडारे १ तापरतेंपवनझकझोर झोरतनबदनमदनडा
रतमरोर ॥ गतिस्वातीबूँदसमनाथतोर आँखियनपपिय
नकोप्यारेप्यारे २ । ७ छबिछटाछूटरहींप्यारीप्यारी । ल
टपटादेखिवनवारिवारी ॥ घनघटामाँझचढ़िअटासाँझ
विलसतहुलसतागिरिधारिप्यारि । इतपटापीतउतकारि
सारि मानोबीरपटारहेंझारिझारि १ कंकनकनघनाजि
गनकीपाँति भूषनसुजड़ितद्युतितड़ितभाँति । कामिनि
दामिनिघनएकजातिसबनाथसाथरहेहारिहारि २ । ८ ॥

झूलाष्टक ॥

सावनी ॥ श्यामाश्यामझूलतहिंडोरारे । सुघरकद
मकरडार ॥ एकओरमुकुटलटकिरहे एकओरमुकुटीब
हार । श्यामा० १ एकओरसुघरपितांबर यकओरसूही

सारीधार। श्यामा० २ एकओरमनिमालाबनमालाएक ओरमोतिनकेहार। श्यामा० ३ नाथसाथडालेगलबहियाँ रेदोउमिलिवंशीयकतार। श्यामा०४। १ प्यारीतेरीझूल कझुलतलखिजियराझुलिझुलिजाय। जैसेबिजुरियाब दरियामेंइततेउतलपकाय। प्यारी० १ मनियांजड़ीदर पनियांज्योंघुमतबहुतझलकाय। प्यारी० २ जुगनूच माकैंजैसेजुगनूरे कारीसारीघटासीसुहाय। प्यारी० ३ नाथबेहाथकियेमन जिमिफनिमनितेलुभाय। प्यारी० ४। २ प्यारीतेरीअलकछलकछबि झुलतमेंझुलिझु लिजाय। मानहुफटिकफनूसमें नीलमलटकनलाय॥ प्यारी० १ कैधौंदुचन्दामुखचन्दापैसुधाहितसांपसुहाय। प्यारी० २ कैधौंदोउदिशिमुखशशिकेरे दरीबदरीकीदर शाय। प्यारी० ३ कैधौंनाथविरहीकेआहकीधारीयुगलज नाय। प्यारी० ४। ३ सुरँगहिंडोराकोझँकोरारे। मोपैस ह्योनाहींजाय॥ पतरीछरीसीसारीदेहियारे झोंकाझुँकि झुँकिखाय। सुरँग० १ मरसाकीडांड़ीसीकमरमोरीलच किलचकिबलखाय। सुरँग०२ ऐनासेदोउमेरेनैनारे झु मिझुमिकेझँपकाय। सुरँग० ३ नाथहाथतोहिंजोरोंरेबस करजियराडराय। सुरँग० ४। ४ उमड़ीसीआवेछाती घुमड़ीसी देहियांदुगुनीदुखात। आवतजम्हाईअँगिड़ा ईरे आँखियांझँपिझँपिजात॥ उम० १ पातरकमरअ वरदेही पलपलपरबलखात॥ उम० २ औंचकउच कमचकझोंके कमरलचकमोरीजात॥ उम० ३ ना थसाथझपटतलपटत जिमिघनदामिनीदुरात॥ उम०

४।५ चढ़तहिंडोलेडोलेतनसब । हूलेहियझूलेनाहीं जाय ॥ एरीघरीघरीमोसोंकहेहरी अरीदेहौंधीरेतेंझु लाय ॥ चढ़त० १ बहियांधरोरीमोरीबरजोरी को राकोरीकरिकेचढ़ाय ॥ चढ़त० २ भभरिभभरिउठे रोंगटेरे छतियाभरिभरिजाय॥ चढत० ३ नाथसाथकभूँ झुलिहौंना सपनेहूभुलिहौंनआय॥चढत० ४।६॥झूलेप रकेगीत॥छंद ॥सावननसावनसकलसुखसखि लोगहुल सावनकहैं। जगसुखदबरसावनगुनत हगदीहबरसाव नअहै ॥ मनमोरतरसावनसदा इननैनतरसावनरहैं। जैसेनसावनबीचखाये नाथबिनछिनछिनदहैं १ सखि हियहिपरसावनचढ़ोईरहत नितनितचितदहै।सरभां तिसरसावनलगे बुंदियाकीझड़ियाअतिडहै॥ हरिसप नदरसावनलगे कहुकौनदरसावनरहै। तनकोनहरसा वनकभूँ बिनुनाथसाथसदादहै ८ ॥

जनकपुराष्टक ॥

सखियेईदशरथकेबारे॥ भवनभवनजाकेआवनकी घोरशोरवाकेबनठनकी । छबिआईशोभात्रिभुवनकी देखतहूंभोरेभारे १ कुण्डललोलकपोलनसोहैं अल कछलकनापैमनमोहै। मनहुउगिलकिलनिजमनि जो है नागनकेजोड़ेकारे २ रामनामअभिरामश्यामइक लखनलखनमेंलाखनतेनिक।बंशललामलामलगिअ सनहि इनकेसमएईप्यारे ३ करशरधनुभुजमूलमूलछ

बि पटअनुकूलदुकूलपीतछबि। पीतहिगरउपवीतप्रीति करनाथजगततेहैंन्यारे ४। १ सखियेईअवधविहारीरी॥ बिखरेबारबारसबकोरेपटउपवीतपीतचटकोरे। नैनऐन छबिजातसिकोरे थोरेथोरेहँसिमनहारीरी १ यहधनुधा रीअंधमउधारीचाहनतेपाहनतियतारी। दरसबयाहिपर सबनहिप्यारी तुक्यांपाथरनारीरी २ बड़ेबड़ेनैनामुख जिमिऐनाबोलतमैनाअसमृदुबैना। यहसैनाजेहिहीयध सैना सोपथरहुतेन्यारीरी ३ येप्यारेनैनानिकेतारे दशर थजूकेप्रानपियारे। रामलषणजनसबहिंपुकारे नाथसि याअनुहारीरी ४। २ गौरीपूजनसंगसखीजन जात जानकीफुलवारी। अलीपाँतसबअलीभाँतचलीं गा वतगीतप्रीतवारी १ कूजनगूजनलगेभृंगगन एकसं गधुनिसुनिप्यारी। जेगँवारिगँवरैयाचिरैया चहचहसो उचहकतिसारी २ तापरतेकिंकिनकंकनकन छनछनबा जतरुचिकारी। नूपुरपुररवमधुरमनोहर चलततालके अनुहारी ३ जिमिबसंतबिचकामसन्तबन तिमिआये दोउधनुधारी। लताओटतेचोटकरतदृग आयेनाथजि तसियप्यारी ४। ३ सीयस्वयम्बरसंबररिपुसम बनिठ निनृपदेखनधाये। जीरनधनुषदिगम्बरकेसुनि अंबर तेंसुरहूगनआये १ देशदेशतेंभेषबनाये मानवदानवद लभलधाये। कंचनकेमंचनपरबैठे ऐंठभुजनिजआयुध लाये २ बीचोंबीचमंचरंचकबड़ तापरमुनिवरकुंवरबि ठाये। आनन्दीबन्दीविदेहप्रन ठनघनशब्दनतेकहला ये ३ भलेचलेनहिंटलेमूढ़नृप तिलभरधनुधरनहिंटस

काये। महीनाहबिनुसियविवाहबिनु असविदेहनृपकह
ताचिलाये ४ जनकभनकपरिलषएछनकउठे रामहिक
हतविदेहजनाये। रघुबंशीअंशीकेबीचअस परुषवच
नकसजनकसुनाये ५ क्रोधानलकीआँचकाँचसम तोरों
साँचनकहतबनाये। कौशिकरसिकधीरबरबोले उठहुरा
मभंजहुबरिआये ६ कंजनाललघुबालधनुषसमसुनत
हितीनखंडकरिनाये। जैजैकारपुकारसकलसुर शंखभेरि
धुधकारमचाये ७ परशुरामअतिक्रोधधामसोउ आये
निजधनुदेइसिधाये। जैरघुनाथअनाथनाथहित पाहि
पाहिकहिशीशभुकाये ८।४॥ नकटा॥ सियबरतेरेनैनम
तवार। भांकेभुकेभुमिभुमिघुमिघुमिकेभंपिभंपिभों
काखावेहरबार १ ऐंड़तअड़तलड़तअकड़तहे मानोम
तंगकीजोड़ीतयार २ एकतोविधनाभरेमदनैना दूजेदो
गोलीअफीमोकीडार ३ नाथकेनैनारसीलेनसीले देखे
नशाचढ़तीधुआँधार ४।५ येमेरेनैनाबड़ेरिभवार। राम
ललातोरीमधुरीमुरतिया रतियादिनाएकटकहींनिहार
१ रीभेरहेपरखीभेनकबहीं भौंहोंकीखावेंकेतीतरवार २
अनीतनीबरछीतिरछीसी सौंहेंसोहेंकेधौंबूँदीकटार ३ ना
थहाथतेरेनैनाबिकाने चाहेजिलावेचाहेकरेवार ४। ६
येऔधवाराबड़ारसिया। आपीफँसतसबसखियांकीअँ
खियां जैसेमछरियालगीकटिया १ जोहिमोहिमनपंछी
फँसावे जुल्फोंकीखासीबनीरसिया २ सबहीनिरेखेपरखे
बराबर बोलेजीखोलेबड़ाजसिया ३ नाथहाथचढ़िजात
जोकोऊ ताकोमारेनैनोंकीगँसिया ४। ७ येऔधवारेपै

तनमनवार। जहँकोउसखियालखतअँखियाभर तहँसब सुधिबुधिदेवैंबिसार १ जहँकोउअलीगलीबिचनिकली धरलीतुरतभारिभारिअँकवार २ रसठानेपहिंचानेनजाने शिथिलाभईमिथिलाकरनार ३ नाथहाथधारिधारिभकभोरैं मोरैंमरोरैंकरैंकेतीवार ४। ८॥

रामविवाहाष्टक॥

शहाना॥ बाँकामोरासजनवाँरे॥ तापरआँजेअंजनवाँरे॥ भौहैंसोहैंबाँकीसोहीसिरोही बाँकेधरेमानौसनवाँरे। तापरबानकमानहुंबाँकी तकितकिमारैंनिसनवाँरे। बाँकीमोतीबाँकीधोतीकन्हौती बाँकेसोहैंकँगनवाँरे। नाथसाथसबगाओरिझाओ बाँकेरागशहनवाँरे ४। १ लालीलालीअँगुलियारे। छल्लासोहैंअँगुलियारे॥ ब्याहनआयेरामसुहाये मोहैंसखियासहेलियारे १ लालीपगरियालालीचदरिया लालीसोहैकलँगियारे २ लालीमेहँदियाहथेलियाराची आखतलीन्हेअँजुलियारे ३ नाथलाललखिलखिमनवारत गलियागलियामेंअलियारे ४। २ कारेगोरेगोरेदोउसुखकेसदनवाँ॥ चन्दमन्दइनतेलागतहैं येसुखदाईबिरहिनकेबदनवाँ १ याजोबनदेखेजोबनगये दानेहुस्वानेसबहोइगेनदनवाँ २ छूरीनयहिछूरीदृगबरछी तिरछीसीमोरेहियाकेनिसनवाँ ३ नौरँगियापगियाभँगियालसे नाथसाथसबसाजशहनवाँ ४। ३ वारीवारीरेबनातोरीछबिप्यारी॥ नवतननव

रतननतेसाजे नवरँगियापटसकलसँवारी। नौरँगियाजँ घियाभलीलागे पगियापिछोरीबोरीकेसरधारी ॥ सिया पियानौरँगियारँगनखाशिख अजबशहानाबानालालति हारी। नगरीजनककीनवलनागरी अवधनाथतोहिपैब लिहारी ४। ४ अच्छीअच्छीकलीचुनलारीमलिनियां॥ कलियांरँगरलियांबेलेकीअलबेलेकोगुन्हारी। म० १ ता रबादलाबिचबिचलाओ दोहरासेहरासजारी। म० २ बन्नीबनामुहबन्नीकलीकी अच्छेअच्छेगुच्छेतूलगारी। म० ३ नगजड़ियांसीफुलोंकीछड़ियां दैरतिनाथबनारी। म० ४।५ मोरेमनगादीपैबिराजप्यारेताजवारे ॥ जेवर जोड़ेशहानेहीछोड़े सोहैंजनुराजाधिराज । प्यारेताज वारे १ शानशहानातानशहानाऔरशहानासबसाज। प्यारे ताजवारे २ तिर्छीताजतिर्छीचितवनियां चन्द शितारेबिचछाज।प्यारेताजवारे ३ सोहैंखड़ेभौहैंदोउजो हैं मोहैंनाथमनआज॥प्यारेताजवारे ४।६ सूहासूहासो हैसबसाजसलोनेबन्ना॥ सूहीपागसूहेबागापटूका सूहा सूहासबहीसमाज । सलोने० १ सूहारुमालसजेसू हाचोला सूहीलसेशिरताज। सलोने० २ चोटीतेरीचि तचोटीकरतुहै सूहासूहाधागाहूछाज। सलोने० ३ सूहा सुहातानवितानताहितर जिमिरतिनाथविराज । सलो ने० ४। ७ मोहीमोहीमोहीतोरीचालदुपट्टेवाले। पाग पेचजिमिपिचजटाके छोरेपीठपरडाल॥ दुपट्टे० १मान हुपातबीचकेराके लहरतनागविशाल। दुपट्टे० २कारेरं गसंगसितबूटी छूटीकेंचुलाजिमिहाल। दुपट्टे० ३आज

नाथशंभुबनिआयेलाखिलखिलालनिहालदुपटे०४।८॥

—०—

रामचंद्रजीकेविवाहकीगारीपंचरत्न॥

टेक॥ जनकराजमहराजकेआंगनभागनकीबलिहारीजी। रामजी॥ जहँछबिधामरामहितहितयुतवरजेवनारसँवारीजी। रामजी॥ खीरवखीरसुभातकेसरियारचिमहेरचटकारीजी। रामजी॥ दालचनाकरभलिरचनाकर विविधअँचारअँचारीजी। रामजी १ फुलकाजोफूलहुतेहलकाकेरनकीपनवारीजी। रामजी॥ पूरीपकौरीमृदुलतिलौरीकोहड़ौरीरुचिकारीजी। रामजी २ बराबरीकीकौनबराबरीदहीमहीबिचडारीजी। रामजी॥ अमृतकेचहलेमैंचुपरिके फँसिगयोचन्दमभारीजी। रामजी ३ भोरकढ़ीमानोमढ़ीहैकनकदल विविधरायतेभारीजी। रामजी॥ खानपानसबखानखानके बेऋतुकीतरकारीजी। रामजी४पूआपापरमृदुलकचौरी घृतचौरीगोभियारीजी।रामजी॥ मुंगछीगुरछीऔरहुखाटीभुरताकचरीप्यारीजी। रामजी ५ मधुरमुरब्बनकीघनपांतीबहुचटनीचटकारीजी। रामजी॥ खजलाजोउजलाफेनहुँते घेवरबाबरभारीजी। रामजी ६ मोहनभोगयोगबूढ़नके सहजहिकंठउतारीजी। रामजी॥ लुचुईचुईजातजोघृतते मालपुआछबिधारीजी। रामजी॥ ७ खाजाफेनीमृदुलचवेनी अमितअमिरतीप्यारीजी। रामजी॥ बुंदियांखुरमाचुरमालडुआ मोदकविविध

प्रकारी जी । रामजी ८ पेड़ाबरफीतबकटुतरफी च
मकतचन्दउजारीजी । रामजी ॥ जामुनजोमुनखा
यतजेंब्रत गुपचुपत्र्प्रतिरसधारीजी । रा० ९ ताजीज
लेबीमृदुलकलेबी भिनभिनसेवसँवारीजी । रा० ॥ सुघ
रखजूरपूरघृतसौरभ पपड़ीसबरँगवारीजी । रा० १०
मेवनकीबहुभांतमिठाई देवनकीरुचिकारीजी । रा० ॥
शुभ्रवरनसिखरनखुरचनघन मेवनखीरसुहारीजी ।
रा० ११ रवड़ीबड़ीबड़ीलच्छनकी मृदुलमलाईसारी
जी । रा० ॥ दहीघनीछितनीकीजमाई चिउराजोहरिया
रीजी । रा० १२ गंगाजलशीतलजलनिरमल सहित
सुगन्धतुषारीजी । रा० ॥ विविधबरातीसकलघराती सु
न्दरबांधिकतारीजी । रा० १३ बैठेशुचिरुचिरुचिकरें
भोजन बहुतबिलम्बहिंसारीजी । रा० ॥ भुँकिभुँकि
भांकिभांकिबरनारी गावतसुन्दरगारीजी । रा० १४ पी
ढ़ेबिशालललालचन्दनके हेमरजतकरभारीजी । रामजी ॥
ग्र्प्रौधनाथसुतसाथबिराजेनारीगारीगावेंदेतारीजी । राम
जी १५ गूढ़ेभेदकहहुनृपबूढ़ेयहिपनाकिमिसुतचारीजी ।
रा० ॥ तुमगोरेगोरीकौशल्या रामकीछबिकाहेकारीजी ।
रा० १६ । १ कैसेदेउँललाजूकोगारी । मोहिंलागेलाज
ग्र्प्रतिभारीहो ॥ सुनियततुमतीनोंलोककेठाकुर निजज
नहितग्र्प्रवतारी । तुमहींशिलाएकभारीतारी तुमहिंताड़
कामारीहो ॥ जोसुरग्र्प्रसुरनशूराहिलाये सोभंजेउधनुधा
री । पूंछतिहौंएकबातताततोहिं तुमरीछबिकाहेकारीहो ॥
मैयातातभैयासबगोरे तुवद्युतिग्र्प्रदभुतिन्यारी । बुढ़े

बापमायहूबूढ़ी यहिपनमेंसुतचारीहो ॥ अनुजनसाथ
नाथसुनिबिहँसतनारीदेतसबतारीहो ४। २॥ खेमटा ॥
राघौजेवैंसाखिनरसभेवैं॥ देदैगारीबजावततारी नईनई
नारीनयेरसलेवैं । कजरारेकारेमतवारे अनियारेहगसै
ननदेवैं ॥ रघुबरराजजहाजसुखनके रूपसिंधुबिचस
खियनखेवैं । अनुजसाथमुसकातनाथमृदु थमिथमिजे
वैंमनहुँसुखसेवैं ४। ३ राघोजीकेगोरेगोरेसबभैया॥ भर
तपरतअनुहारितिहारे सोउनहींबहुतैया। माततातगो
रेगोरेतिहारे तुमहीलहीसँवरैया॥ तुमगोरेथोरेहुभयना
हीं यहअचरजमोहिंदैया। तबहूंनाहिंरहेतुमगोरे जब
हींरहीलरिकैया॥ हमरेजनकमहराजराजघर एकहिरा
नीघरैया। रानीएकनेकनिजघरकी देहुतोलेहुबलैया॥
रसबसहोयनाथहँसबोले हमतोधीरलेवैया । गारीदेहु
लेहुयशहमते सौकोएकागिनैया ८ । ४ जेंवोजेंवो
ललापकीऔकछीरसोंई ॥ सबरसदारदारभातनमें तुव
घरसमनहिंकोई ।दुनियाकीतरकारीसारी कंदालेकेरात
रोई ॥ बराबरीतुवमैयाकीनाहीं खावैंदाररसधोई । यह
अचरजतुवधामबामसब लेतीरामरसमोई ॥ नेनुआं
कीतरकारीप्यारी मृदुलकरैलागोई। परवररसअतिही
रुचिकारी चाहैंप्रेमवशसोई॥बाबूसुमंताअतिबुधिमंता
सबरानीमिलिजोई। कारेकाहेनाथमैयानकारी यहअच
रजजियहोई ४। ५॥

—०—

रामाष्टक॥

झँझौटी॥ ठुमरी॥ रामकहौ आराम चहौजो॥ रामसीय
छबिहीयध्यानधरि हरियालीसुखशालीचहौजो। रामहि
नामकामतरुसुंदरफूलसुयशफलचारगहौजो॥ क्यारी
धर्म्मकर्म्मकरप्यारी पानीप्रेमनेमउलहौजो। नारीप
नारीनाथअँखियनकी अँसुवनतेनितसींचरहौजो ४।१
रामकहतसुखलामनहींहै॥ बसुसिधिनवनिधिविविध
भांतिसुख आपहिव्यापहिबामनहींहै। सकलपापपरि
तापतापत्रय ताकेआठहुयामनहींहै॥ जिमिमोतीसिप
हिंनरियलजल आपहिआवतठामनहींहै। नाथहाथबाँ
धेसबहाजिर जाकेकछुधनधामनहींहै ४। २ रामकहब
कछुकामनहींहै॥ तनुउपहारसेहारजाताजिय दुइआख
रकछुबामनहींहै। कहतलहतश्रमअघीआलसी जेंहि
फुरसतकोइयामनहींहै॥ किसाकहानीअतिहीसुहानी
होतभीरभलठामनहींहै। जपतपत्यागिकरतगपभूठी
जामेंनाथकोनामनहींहै ४। ३ रामकहेबिनुकामसरैना॥
रामब्रह्मव्यापकसबहीमें जापकजनहिंप्रयासपरैना।
राममयीदईजगतबनाये मनभायेकोउतर्ककरैना॥ जो
ड़तोड़अरुमोड़बदनके रामरूपकाहिंनेकुटरैना। आख
रदुइआकरलाभनके नाथकवनअसपीरहरैना ४ राम
कहेमनकामलहेजन॥ उरअन्तरयामीवरस्वामी सेवक
अनुगामीहिततनमन। जाकोखासआसइनहींकी ताके
पासबनेरहेहरछन॥ बिनुमाँगेएकलागेपावतभावतजोनि

जदासनकेमन । अतिआतंकरंकहूठानतनाथहोततिहुँ लोकमेंधनधन ४।४ रामकहतकछुदामलगैना ॥ कबहीं छदाममिलैनमिलैवरु अनधनधामनामजोडगैना । ऐसोसुगमउपायपायमन होतअपायसुहायपगैना ॥ मंत्र गूढ़मनमूढ़नजानत अतिअगूढ़गुनिचाहजगैना । नामभजोमननामचहोजो नाथकहींकलिकालठगैना४।६॥ खेमूटा ॥ रामैंमनुअबिसारेकेहिकामे । यहकलिकाल करालजालमें केवलएकसहारासेनामे । जगजंजालजवालमेंफँसिफँसि हँसिहँसिखोयेरहसिसबजामे ॥ हारिलकीलकरीसीपकरी दारासुतहिसकलधनधामै ॥ वृथा बादबकवादभरेमुख नाथकेनामेकहींनहींठामे ४ । ७ जौंतूरसनारामैंरामजपती। तौकाहेकोतीनोंतापतपती॥ इनदसनाकेबसनाहोती काहेकोहरछनभीतरचपती । छनछनबदनविकारखारबिच क्योंओहिओरीगोरी नितखपती ॥ एकहुबारबारदशरथके कहतीतोक्योंमुख भीतरझँपती । सियरघुनाथगाथगुनगातीपातीसबै सुखकाहेकोकँपती ४ । ८ ॥

केशवाष्टक॥

झँझौटी॥केशोमेटोमोरअँदेसो। केहिकारनतुवभक्तिको धारन होतनहींलवलेसो १ यजनभजनसुमिरनमनचाहत कैनसकतएकदेसो । तनतनयतनकरतसेबनको विघनहोतकरिवेसो २ सकलपापपरितापआपही रहत

सदाछितरेसो । अपनीओरजोरकरिऐंचत खैंचतरहत
हमेसो ३ केहिकारनयेकरतनिवारन प्रनकरिआनछरे
सो। नाथगाथगावतमेंयहमन छनहुरहतनखरेसो ४।
१ केशोसुनियेदीनसंदेसो । मनमलीनतनछीनहीन
मति अतिशयरहतहमेसो १ तापरतेहरबारचाररिपु
कौनप्रचारसकेसो । इनहिहतनाहिताकियेयतनकित
नेकहुनाहिंटरेसो २ वृथावादबकवादस्वादमें सदा
विषादभरेसो । परधनदारप्यारअतिलागत सबअघ
ओघकरेसो ३ जपतपयोगयज्ञव्रतसंयम यहविषविषय
छरेसो। असअनाथजननाथतिहारो केहिविधिभजनक
रेसो ४। २ केशोकाहेकरतअनैसो। मनबचक्रमचेरोते
रोप्रभु प्रेमनेमनटरैसो १ बसिबोरसिबोनामधामतुव
नितहिचहतचितऐसो । चलिबोफिरिबोतुवतीरथमेंक
रिपदकोरथजैसो २ हिलिबोमिलिबोहरिदासनतें करि
बोयजनहितैसो। व्रतसंयमनीयमसबहीसम चाहतजी
वकरैसो ३ कौनहेतुयहहोनदेतनहिंकहोहोयप्रभुकैसो।
तुमअनाथकेनाथकहावत करुणाकरहुचितैसो ४। ३
केशोतुमहींकरतसुरेसो। करिचितसाँचनाचजसनाचत
जाँचतजोईलहेसो १ मनबचकरमधरमयुतअदभुत
जोप्रभुटहलकरेसो। लौकिकपरलौकिकसुखदोऊपावत
हैसुरवेसो २ जिमिशवरीकुबरीउबरीहै प्रेमहिनेमधरेसो।
गोपीजेचोपीरँगरसकी बरबसतरिएकदेसो ३ साँचेरँग
राचेप्रभुजाँचेकाँचेकोनामिलेसो । अशरणशरणचरणर
तिदीजै नाथचहतलवलेसो ४। ४ केशोहौंतोदासबिके

सो। तेरोईसेवनमेंक्षणक्षण जोजनरहतभिरेसो १ डोल
तचलतउठतबैठतहू सोवतजगतअरेसो। उमिरनबीत
नदेसुमिरनतेराखहिसन्तनवेसो २ नितनुवपौरिदौरि
शिरनावैं नैनअड़ायलड़ेसो। करतेंकरपूजाजपतपनित
तुवहितदानकियेसो ३ उरपुरबीचखींचरावरिछविध्यान
धरैलवलेसो। पगजगतीरथअरथनाथके करैजोमोद
लहैसो ४। ५ केशवकेशवनहिंजगआई॥ रावनका
लयमनबानासुर सहसबाहुसमुदाई १ पांडवयादव
सगरसुघरनृप बेणुवलीसुरराई। शिविदधीचहूमीच
नछाड़े ऋषिमुनिगनबहुताई २ अतिअभिरामरामब
रतीनिहु श्यामकामछबिछाई। देवदनुजसबमनुजनि
रुजजहँ सपनसमानजनाई ३ आयेगयेनयेपुनिहोइहैं
रहिहैंकोउनथिराई। नाथभक्तिकरशक्तिजासुकर तिन
पाईअमराई ४। ६ केशवकवनउपायपायतुव पद्दुम
पायमनमधुपामिलै। तरसतकरिशतजुगतजगतबिच
नाहिंदरसतदुखबहुतभिलै १ अतुलितकंटकमिलितकं
जजग ताबिचमधुकरपुंजापिलै। वहनितअगनितगुन
युतअदभुत तासोंसपनेहुनाहिंहिलै २जेहिथलअमलक
मलकोमलभल तेहिचंचलअलिदेताढिलै। वहजलजा
तजातनाहिंहेरन मृगजलइवहारेपाहिले ३ ज्ञानभानुको
भानहोतजब तबवहबारिजनिजहिखिलै। पुनिनकठिन
दरसनपरसनहूनाथरहैजोसंतनिलै ४। ७ केशवभव
कूपारपारकिमिहोइहैंमनमतवारबड़े। जाकोवारपारन
हिंसूझतजड़तारेतीमाहिंगड़े १ घूमतअतिभ्रमतबहु

मतमें बिषबिषयादिकतेजकड़े। खबरनकछुअघघोरनि
शाकी मोहनशामेंमतेपड़े २ कामक्रोधअरुलोभमोहम
दमत्सरकच्छमच्छउमड़े। अतिअगाहजहँग्राहओघअ
घद्वीपसमीपसमानअड़े ३ चितचिन्ताआवर्त्तगर्त्तजित
मनतरंगबहुरंगधड़े। जितबिराजप्रभुपदजहाजनित
नाथआसतटमाहिंखड़े ४। ८॥



माधवाष्टकसंस्कृत॥

ॐझौटी॥ माधवमाधवलीकुरुहृदयम्। उरसितव
च्छायाकिलविलसति अन्यसुरागोऽनुदयम् १ मानाव
र्णाकर्षणघटितंमृदुलविमलवरवसनम्। कृष्णकम्वलोप
रिवरवर्णं क्वापिकदापिनलसितम् २ यदपितमोमयइया
मलवर्णं मंजुलवर्णमनेकम्। यथाहिफेनादिकविष
रक्तो नैवसुधादिनिपीतम् ३ यथाऽभिरामापतिरतरामा
त्यजतिनपतिमिहपतितम्। कलयसिनैवानुचरन्नाथं
तवहृदयादविभक्तम् ४। १ माधोतुमहिंकवनाबिधिसा
धों। भजतभजतगतभयेअनेको हौंनेकोनअराधो १ स
ज्जनमज्जनयजनभजनठन कीन्हेजतनअगाधो। अति
नतियुतरतिसहितभगतिबहु करिसतसंगतिसाधो २
तबहूंनहिंपायेअतिधाये जेनितरहतअबाधो। हौंतोम
नमलीनमतिहीनहु तीखेतापउरदाधो ३ तुमपरिपूरन
कामधामगुन पूजनधूसनसाधो। अतिअनाथकेनाथसु
नोप्रभु बूढ़बैलकहँनाधो ४। २ माधोकौनजतनतन

साधों। यहचितचपलपलहिबिचधावत कइजोजनकि मिबांधो १ कानचहतमृदुगानसुननको सैनचहतदृग आँधो। मुखसुखचाहतखानपानको रगरझगरकरधाँ धो २ करचाहतकरनीसुखवारी नारीअनुपअराधो। पदचाहतपदमिनिघरघूमन कहुकैसेसबदाधों ३ तनत नपतनहेतुमनजानत तबहुँनसानतगाँधो। तुमअनाथ केनाथनेहनिधि हठीहयाहिंहठिबाँधो ४। ३ साधोमिल हिंकवनाविधिमाधो। जपतपयोगयज्ञब्रतसंयम नीयम नेकुनसाधो १ धर्म्मकर्म्मकछुज्ञानध्याननहिं प्रेमनेमन हिंआधो। जसबंचकरंचकनटलीला परहितपशुसम नाधो २ परमारथकोनाहिंपुरुषारथ स्वारथनिजनिरबा धो। सुतबनितादिआदिकारनहित सहतकोटिअपरा धो ३ सुनियतसतसंगतिगतिनीकी फीकीलगैपलआ धो। नाथहाथधरिऐंचहुखैंचहु बूड़तसिंधुअगाधो ४। ४ माधोसँपरतभैतनआधो। आजकालकरिकालगँवा ये कालकेद्यौसनसाधो १ करमधरमकोमरमनजाने यों हीरहेजिमिआँधो। दानाघासदेखिहयहीसे तिमिदीसे जगधाँधो २ नातबाँतसुतभ्रातआदिके सहतरहतअ पराधो। वादविवादस्वादरसमाते आदिदेवनअराधो३ बनठनरहततीनपनबीते तजतनजगतउपाधो। अबतो नाथहाथचौथेपन अनठनकरनिरबाधो ४। ५ माधोतुमत जिकाहिअराधो। असजगदीसदीसनाहिंतुमसम छमत जगतअपराधो १ परितापीपापीकरआपी हरतरहतभ वबाधो। जेलवलीनदीनचरननमें तासोंअतिहितसा

धो २ तारनतरनशरनअशरनके हरनदीहदुखगाँधो।
हेरततुमहिंजोटेरतदुखमें तुरतकरतनिरबाधो ३ जेभृ
गुलातगातबिचराखे सहतजोकहतअसाधो। विवि
धअनाथकियेजोनाथहि नाथहुकोकरआधो ४।६॥ रा
गखट॥ माधवसाधवकौनसकैबनिजोलौंरावरिकैनदया।
कोऊकनफटाकोऊघनजटा कोउमूढ़मुड़ियाजोनया १
कोउफुटीतूमीलैकुटीमें कोऊतीरथअटनगया। अंगअं
गकोउछारलगाये कोउचन्दनचरचितमलया २ कोउ
कोपीनपीनतनधारी कोउनगनजारीजोहया। कोउफ
लाहारिजलधारी कोउआफूपीवतविजया ३ काहूऊर्ध
बाहूइकदोऊ एकपादकोउशीशनया। साधुवहीजोस
माधअचलहै जेहिपैंनाथतुम्हारिमया ४।७ माधव
क्योंनअराधंवरे मनबाधवजगतउपाधिसबै। आठौंजा
मम्।हिइकनामहु जपहुहोयअवकाशजबै १ सतकीरति
गतिमतिअतिपैहो होइहौसुन्दरसाधुतबै॥ दिनबीतत
नहिंलगतबारकछु कालकरंतेकरहुअबै २ हियलिखर
खहुविषमविषविषयहिंयहासिखवेदकहतअजबै। निजरि
पुचारप्रचारजुगतकरि इनतेसबसंसारदबै ३ वारदेत
परिवारपैतनमनवहतोवारकरैंकुढबै। प्रीतिसाथनिजना
थनचीन्हीं मिलतविशदपदतोहिकबै ४।८॥

—०—

छद्मपंचरत्न॥

चुरिहारीलिलि॥सोरठ॥ दोहा ॥सदावसानिहारीअरीहौंम

थुराकीनारि। मनहारीप्यारीजुकेलाईचुरीसँवारि॥ टेक॥
प्यारीतिहारीमनहारी टुकलखजारी। भांतभांतकीचुरि
यांलाई जोगकलाईकीसारी॥ प्यारी १ एरीसुनहरीरंग
रुपहरी छन्दबन्दकरकेन्यारी। लालगुलालीजरद
जँगाली दुबियामनमोहनवारी २ चटकचुहादन्तीगज
दन्ती शंखचूड़अतिछविवारी। चुरीजैपुरीअरुजैतूनी
दूनीललितलहरियारी ३ तारबादलाअरुपरकाला जो
ब्रजबालाकीप्यारी। धानीसुघरबखानीसबकी कलितक
रौंदीरुचिकारी ४ लहठीललितमरहठीआबी पंजाबी
सुपोतवारी। जालदारगोखरूदारजो सबैदारकीमनहा
री ५ इनतेअधिकऔरजोचाहो ताघनदामनकीभारी।
मनिमयजड़िततड़ितआभासी नौरतननकीरतनारी ६
महलमहारानिनकेयोग्यये औरनलैसकिहैंनारी। जा
केतोलअतोलमोलना अतिअमोलचुरियांसारी ७ सु
नतबिशाखावचनविशेषेबोलीदेखेंचुरियारी। औंचकि
उचकिलचकिनिजनेरे सुघरपिटारीकोटारी ८ हाहा
खायधायवहखैंचै इतउतऐंचैंब्रजनारी। भेदविभेदगु
नैनगँवारी दहीदूधवेचनहारी ९ नगरनगरघूमनहारी
हौं महलमहलडोलनवारी। जैसीयानगरीमेंऐसीलखी
कहींनहिंबटमारी १० अलीभलीसीभलीतुदीसै कहा
छीनलीतीहारी। नाहकरोसदोसक्योंलावै तुहीअनोखी
चुरिहारी ११ गुनीनतूतातेंनगुनीकछु दूधदहीसबतेंभा
री। ऐसीकोमलाईकेआगे औरकौनकीसमतारी १२ इ
न्दुरेखअघरेखवेखयह सांवरसूरतिसीबारी। बोलीआ

रीतूनमनहारी पैमनहारीहैवारी १३ हौंतोदीनमलीन छीनतन गलीगलीघूमनहारी । कलुनसहूरधूरतर वाकोहौंचेरीसीचुरिहारी १४ चंपकलताकहतबनितातू जाप्यारीकोपहनारी । मुहमाँगेपावेगीदामतूबोलीबाम अलिबलिहारी १५ चटकचुरीअँगुरीकीलखिलखि मटकआंखकीअनियारी । नाथहाथपहिनावतचीन्ही उघरगईकलईसारी १६ प्यारीतिहारी० ॥

इतिषोड़शपदीचुरिहारिछद्मलीला ॥

ठुमरीलखनऊकीचाल॥ दोहा॥ सुनसुखसेजिनलाडिली हौंरँगरेजिननारि। लाईतुवहितदूरतेंचटकचूंदरीसारि॥ सुनलेरीमेरीछबीलिनियां। मथुराकीहौंरँगरेजिनियां ॥ नीलेपीलेविविधरँगीले बिचबिचमनहुजड़ीमनियां। तू लाडिलिराजाधिराजकी समैसमैपटधारिनियां॥ हरीचो पमेंकालीकोपमें पीलीमानशुभसुरखानियां। हौंब्रजनाथ साथकोसखिया लेतदेतपटगहँकिनियां ४।२॥ झंझौटी॥ दोहा॥ एरीमेरीसुगंधिनीगंधिनिकीहौंनारि। धारीप्या रीप्रीतिपैअतरपिटारीसारि १॥ टेक॥ गंधिनिएरीसुगं धिनिआई॥ सुयशसुगंधतिहारोउड़िउड़िफैलीचहुंआ ई। सुनिकैनामग्रामगोकुलतें अतरसुघरलाई॥ तोहि सखीसेवतीमोतिया जुहीहियेभाई। नाथहाथकेतकीम लतही प्रियाचीन्हपाई ४।३॥ ठुमरीलखनऊकीचाल॥ दोहा॥ वीरविसातिनहौंअरीपरमबिसासिनिनारि। स बभांतिनकीचीजभलिलाईपांतिनसारि॥ टेक॥ बनि ठनिइकआईविसातिनियां। सबभांतिनतेरीटहलिनि

यां ॥ धारिसूरमाओरमिसीकर श्यामवंदनीलटकानि
यां । कंघीसुघरखिलोनेलोने चकईभौंरेफिरकनियां ॥
विविधविन्दियाँरँगरँगगुड़ियां अंजनमंजनदरपनियां ।
नाथहाथदरपनदिखरावत पहिचानीलखिमटकनियां
४ । ४ ॥ विहाग ॥ दोहा ॥ गोदनहारीगोदनाहौंफुरतीली
नारि । बीरपीरद्वैहैनकछुगोदिहौंगातसम्हारि ॥ टेक ॥
अरीप्यारीगोदनहारी ॥ बारिबधूटीनान्हीनान्हीबूटी सु
न्दरभांतिगोदाजारी । तिलप्रसूनगोदनाकनातिल रच
नारुचिररचौंसारी ॥ सुबुकचिबुकअरुकमलकरनिपै
मधुकरशिशुकरछबिन्यारी । नाथहाथपकरतहीचीन्ही
प्रियाबोलिअलिबलिहारी ४ । ५ ॥

सांझीपंचरत्न ॥

ईमन ॥ सांझभईसांझीचलदेखनसबसखियांबरसा
नेरीगोइयां॥ निजनिजकाजआजतजआलीउठचलका
हूबहानेरी गोइयां । भलीभांतवृषभानललीरची निज
मुखबहुतबखानेरी गोइयां ॥ रचतखँचतनवरतननकेरी
गजमुक्तनकेदानेरी गोइयां । लैचलसाथनाथहूंकोउ
त जोसांझीकेसिहानेरी गोइयां ४ । १ सुघरसखि
सांझीराचीरे गोइयां ॥ सजिखासीसुखरासी मथुरार
चाईवृन्दाबनहूंबनाईप्यारी गोकुलासजाईछविसांची ॥
नाथसाथगोपनकेकुंअरकन्हाईमाई करतबड़ाईरचीजां
ची । सुघर ० २ ॥ झंझौटी ॥ सांझीसांझरचाईराधे ।
अलबेलीसबसंगकीसहेली मिलिजुलिसकलसजाई

राधे०॥ बंशीबटयमुनातटपनिघट जेहिथलभलाविलसाई राधे०। ब्रजबनविपिनकुंजपुंजनके ग्रामनगरहुबनाई राधे०॥ जेतिकहैंअभिरामश्यामकी लीलासबसुखदाई राधे०। तिकातिकतेतिकरचातिखँचातिअतिठीकहिठीकनिकाईराधे०॥ दोहरीतेहरीविकटचौहरी बेलकीमेलामिलाई राधे०।आयेनाथसाथगोपनके धनधनकरतबड़ाई राधे०४।३॥ कलिंगड़ा॥ बरसानेमांझसांझसांझीकोरचाईराधे।कबहूंगोबरकररचतिगोबरधन कबौंवृन्दाबनतनमनतेबनाई राधे०॥ कबौंमथुरापुरीकबहुंगोकुलापुरीहूँ कबौंबरसानेनन्दगाँवहूसजाई राधे०। हाथकीसफाईअधिकाईसुघराईछाई कहूंहरुआईगरुआईनजनाई राधे०॥ कहुँपँचरङ्गीबहुरंगीरंगधरिभूरि रचतसुरङ्गीअतिहितचितलाई राधे०। कहींखिलेअधखिलेभलेफलफूलमिले कहींखुलेपातनकीरतनजड़ाई राधे०॥ सांवरीसुरातिमृदुसुरतिसखीकेरूपधरिकेअनूपआयेकुँवरकन्हाईराधे०। नाथनिजहाथकीनिकारीकारीगरीसारी लखिनिजरंगइकसंगमुसकांईराधे०४।४॥ खेमटा॥ सांझीकीभोरेबहार चलमोरीगोइयांनिहारभले॥ सांझमांझकछुफुरतननीके तीकेजोपीकेविहार चलमोरी०। रातबजावनगावनकेरी फेरीमचीहरद्वार चल०॥ बिलगबिलगबिलगैहौंबतैहों तोंदहोतनमनवार चल०। इकटकसाथनाथछबिलखिहैं येअँखियांरिझवार४।५॥

बारहमासापंचरत्न॥

आलीरीवहमोहन मूरतिनिपटनिठुरमोहिंजानिपरी री ॥ लगतअसाढ़गाढ़दुखव्यापे मनहुंसघनघनबाढ़ करीरी। काढ़कटारटारदैहौंदुख बिरहतपनतनमाहिंभरी री १ सावनशोकनसावनसुनियत मोहिंनसावनहैरगरी री। आवनलगेसखिनकेभावन हमरेवामनक्योंनिदरीरी २ भादौंयहभादौंरिपुसजनी रजनीसाँपिनिसीनिकरीरी। निशिभरि भभरिभभरिनहिंसोवतिरोवतिअतिरतियांगु जरीरी३करीखुआरकुआरधारहठ बिनुवहनन्दकुआँरह रीरी ।रचिनहिंसकतिसाँझसाँझीकछु साझीयदपितियासगरीरी ४ कातिककातिकमारतशूलन तापरलखिलाखिजोतिजरीरी । दीपशिखासमसीसधुनतिअति फरफरातिदेहियाँदुबरीरी ५ अगहनगहनलगेसखित नतन छनछनविरहअगिननिकरीरी। कांपतिअतिहांफ तिव्यापतिबहु तपनतेजतेहिपैनजरीरी ६ पूसदिवसस बफूसअगिनसी युगसमानमोहिंलगतघरीरी । रैनबि ह्वातसिहातसिहातहिं कबहींनसोईसेजसुथरीरी ७ माघ निदाघभांतिमोहिलागतजागतबीततरैनखरीरी। बहुत जम्हातथिरातनकतहूँ अतिअँगिरातरातगुजरीरी ८ फागुनसगुनछाड़िनिर्गुनभज अजउपासनाकौनकरीरी। उतसबबाललालसाजनयुत इतब्रजबालभसमगुदरी री ९ चैतअचेताकियेचिन्ताचित रचिनसकतिसिरकी कबरीरी। मदनभुआलहालअसकीन्हे सकतिउड़ायन

मुखभँवरीरी १० यहबैशाखशाखरूखनके लागतहीक
रीहरीभरीरी। मोतनछारछारकरिडारत निजछायातर
राखिछरींरी ११ ऊधोसूधोजेठसेआये जेठनामयहसुफ
लकरीरी। भोगिनिसबाहबनावतजोगिनि होइहैंनाथसा
थसबरींरी १२॥ठुमरीलखनऊकीचाल॥सखियाँहमरीआँखि
याँदुखियां॥ सपनेहुनहींकबहींसुखियां। विलपैंकलपैंदि
नहूंरतियां नइनेहसेदेहकियेगतियां॥ यहमासअसाढ़
मेंबाढ़विथा झरनासीझरैसगरीरतियां। दिनमेंछिनहू
नथम्हेंआँखियां लहिस्वेदप्रस्वेदबहेनदियां १ सबकेम
नभावनसावनमें घरआवनमेंनटरैमतियां। हमरेपिय
हियतलफावनमें तरसावनकीकरतेघातियां २ भादों
यहभादोंबैरीबड़ो कड़कैतड़कैसबहीघड़ियाँ। रतियांभरि
मोहिजगावतहै डरपावतहैसूनीसेजियां ३ यहमासकु
आरखुआरभये बिनुनन्दकुआँरसुनोसखियाँ। साँझी
हुनसांझसजीकबहीं सबहीछनकांपातिहैदेहियां ४ यह
कातिकघातिकसेसजनी रजनीनसुहातरुजीभँतियां।
जियतंगपतंगकेरंगभये लखिदीपकजोपतियांपतियां
५ सखिलागेगहन्अगहनूतनको जिमिकांपतिफूलन
कीछड़ियां। कड़कैहैरदन्फड़कैहैबदन् ताहूपैमदन्की
लगीघतियां ६ यहपूसमहामनहूससखी अतिहूसकी
जानिपरैंजतियां। मेरीकूससीफूससीदेहँकरी जोरही
सहीफूलनकीभँतियां ७ यहमाघनिदाघसेमोहिलगे
रँगबाघसेपीतपिछावरियां। सरसोकरफूललगेसरसो
वरसोंसेयहीजोसहीगतियां ८ यहफागुनकेगुनक्या

बरनों मरनोभलोयाहीमेरी मतियां। तनवीरअबीरल
गेचिनगी वहलालगुलाललगेआगियां ९ चितचेत
अचेतकरेहमरो यहचैतमेंकामकीहैललतियां। निक
लीजोकलीबनबागनमें चहुँओ रहरीभरीसीपतियां
१० बैशाखसुशाखरखेसुथरी हरीमोरीहरीसगरीछ
बियां। कलकोयलियाकरकूकहिया बिचहूकभरेयह
पापिनियां ११ यहजेठसेजेठजोआयगये हररोजउ
मेठरहेदेहियां। सवहीसुखहेठकियोहमरो अबनाथ
केहाथसबैबातियां १२।२॥ सोरठ। रेखता॥ सनमदिल
सेनजाताहै अइकमोतीढलाताहै॥ दोहा॥ चैतहिंचि
ततेंचेतहरि चहुआईब्रहिपौन। बिनाचतुरचितचोरव
हचिन्तामेटहिकौन॥ जबीसेचैतचढ़आयातबीसेतन
जलाताहै। नोकीलाबौरआमोंका जिगरबर्छीचलाता
है१॥ दोहा॥ साखनकोसूखेकरतयहबैशाखविशेष। मो
तनतनरूखेकरत दूखेआनहिशेष॥ सुखाताशाखसात
नूतन सिफतबैशाखलाताहै। बड़ाहीतेजआतिशसेजि
गरशोलाबढ़ाताहै२॥ दोहा॥ कठिनकसाईसेभयोदुख
दाईसबहेठ।बिरहीजनजारननिमित सबमासनतेजेठ॥
सुराहीबर्फ़खस्खाना सजेजबजेठआताहै।मगरभीतरन
हींतरहैसिरिफ़ऊपरजुड़ाताहै३॥दोहा॥ यहअसाढ़दुख
गाढ़दे बाढ़विरहकीवेग। डरपावतिचपलाचमाकि बाढ़
धरीसीतेग॥ चढ़ाआसाढ़मनमेराबड़ाहीगाढ़पाताहै।
सदाशाभोंसहरचश्मैंदुधारासावहाताहै४ ॥दोहा॥ शो
कनसावनसावनहिसुनियतकतमुखबैन। पैमोहिंतरसा

वननिमित सरसावनहितमैन ॥ यहीसावनसुहावनमें हिंडोलासबसजाताहै । विरहहिंडोलमनूभावन् सदाह मकोभुलाताहै ५॥ दोहा ॥ जादोजूकेजनमको सुखदसु भादोमास । सोतड़पतडरपताहिया अबभादौंरिपुखास॥ लगाभादोविनाजादोभँगादोविषसुहाताहै । अँधेरीरात मेंएरीतड़पनाजीडराताहै ६ ॥दोहा ॥ क्वारसखीरीक्वारस म क्याजानैंतियभेद । ख्वारकरतसखिसुखसबैदेंदैबहु विधिखेद ॥ महीनाक्वारकासारा हमाराख्वारजाताहै । बदनूमेंचाँदकासाया फफोलासापड़ाताहै ७॥दोहा ॥ का तिकतिककरमारही विरहबानधरबान । घातकमेरेगात के पातकजातकजान ॥ हुईआशिक्मैंकातिक्पर शमा रौशनूकराताहै । जिगरबेपरकापरवाना कहींनाहिंउड़के जाताहै ८॥दोहा ॥ अगहनगहनलगेहिया जियाकँपाव तमोर । गहनसघनकोपवनसम सहनकैनदुखघोर॥ ल गाअगहनूगहनूमेराबदनबिलकुलूकँपाताहै। जिगर में नेवसागाड़ाअजबजाड़ालगाताहै ९ ॥दोहा॥ पूसबड़ोमन हूससोतनतनदैजकड़ाय । कूसफूसकोसोकरतदिनदिन देतसुखाय ॥ महामनहूसकीनावरमहीनापूसआताहै । रुकाताउयामकहनेको जोदंदाँकड़कड़ाताहै १०॥दोहा॥ विरहआगिनकेदागते मानहुँबाघनिदाघ । पीतपीतरँग प्रीतिबिनु लगतचीतधौंबाघ ॥ महीनामाघलगतेही ब सन्तीसबसजाताहै । मेरीतोकुदरतीज़र्दी मुझेयह रँगनभाताहै ११ ॥ दोहा ॥ फागुनफागुननामअसकसहो इहोंपियसाथ । ऐगुनतजिकछुगुनगिनौ दरशदेहुब्रज

नाथ॥ यहीफागुनकागुन्सुन्लो हरेक्तन्तड़फड़ाता है। हमेशागम्कोहम्खाते औरग़म्हम्कोखाताहै॥ कहोतोनाथयेहोरीतूकिसकोअबखेलाताहै। जोखेलोआ केमेरेसँगतोरिश्ताऔरनाताहै१२।३॥बारह रागों का बारह मासा॥घांटो॥ टेक ॥ अँखियाँपियासीहो बिनुदेखेहरिब्र जवासीहो॥ चैतहिचेतवानचितवाहो॥रामाबिनुचितचो रवाहो॥ चिहुंकिचिहुंकिचहुँओरियाहो॥रामा॥ चितव तइतउतसूझतकोउनाहींहितवाहो १॥ देश॥ तनशाख सासुखलावै वैशाखयेसुखलावै मोकोहरीकलपावे सुन केसवतकलपावे॥ देहींमदनहलकावे दुखकोनकुछहल कावे २॥ शहाना॥ जेठहिऐंठेजियमोरारे पियारेबिनु॥ वैदहिलाओदुखविरहामिटाओ तपनबुझाओविषघोरा रे पियारेबिनु ३॥ मल्लार ॥ दुखगाढ़असाढ़लाये घन घहराये॥ जियराडेरायेहरिनाहिंआयेहो। मानहुमैनको सैनजोधायोविरहिनिनैनझँपायेहो दुख० ४ सबकहेसा वनसुहावनहियहुलसावनहार।मोरेलेखेसुखकोनसावन बिनुमनभावनहमार सब० ५॥कजरी। टेक॥ जादोबिनु भादोदुखव्यापेरेसहेलनी॥एकतोआपैजियकांपैमोरीस जनी रजनीअँधेरीदृगढांपेरेसहेलनी६॥रेखता। सोरठा॥ महीनाक्कारकाआया करायाख्वारजोबनको। हमारेमीत मोहनजी सिधारेहन्कोजोबनको॥ दोचन्दादाहताच न्दा नचन्दाँपावतातन्को। बिनावोयारब्रजचन्दा सो मन्दाफब्नहींतन्को ७॥ ग़ज़ल॥ माहकातिककासुनो घातकगोयासैयादहै। मुर्गदिल्विस्मिल्हमारा मिलते

हीबरबादहै ॥ इश्ककेगुल्शन्मेंये गुल्सामेरागुल्गुल् बदन् । गुल्करेगुल्साजरे उसगुल्सेयहफ़रियादहै ८ ॥ पूरवी ॥ अगहनलागेगहनसमआली सहिनसकतदुख प्रानरे । अँसुअनगातनहातहमारो करनचहततनदान रे ॥ करकोमालबनायजपौंरी करगोपालजीकोध्यानरे । विरहराहुयहकाहुनमेटेबिनुवहश्यामसुजानरे ६ ॥खेमटा॥ पूसेकूसेसथरियासोऊँ सपन्योंनाहींसेजारियाजोऊँ । एक् तोसर्दीवेदर्दीसतावे दूजेसथरियामेंअँसुवनधोऊँ १० ॥ बहारकाख्याल ॥ माघमनोमोहिबाघलगेबिरहदशनचि न्तानखवाको । पीतपीतरँगप्रीतनसावे कांपिहांफिजिय देखतजाको ११ ॥ होलीजंगला ॥ फागुनकेगुनगाओरी मोरीसखियांसहेली । नाथसाथपायेमनभाये अबसब रंगभिगाओरी मोरीसखियां० १२ ॥ पूजीमनकीआ सहमारी । गइदासीकीउदासीहो॥दरशनआसीहो०४॥ बारहमासी । लावनीचारचौककी ॥ सजन्बिन्कैसेरहूं न्यारे । तन्तन्मेरेतपन्बढ़ेकहोकौनजतन्टारें ॥ लगा आसाढ़बाढ़दागन् । सुन्सुन्केगुन्गुन्केजुदाईलगा धीरभागन् ॥ लगेसावन्दृगबरसावन् । तन्तन्मेरेम दनअरी लागेवहसरसावन् ॥ भादोजादोनाथकेसाखि सुनोजनम्केमास । दधिकांदोकेखेलकीसुध हेलमेल कीखास॥यादआतेही हूलमारे तन्तन्० १ करेयह क्वारख्वारतनको । सरदचाँदनीकरदसीलागे भावेन हींतन्को ॥ कातिकघातिकप्रानको विरहीजनकेखास । आलीदिवालीदेखकेवोयादआवेसुखरास ॥ दीपसबजा

रेकरेजारे तनूतनू० २ लगाअगहनूजोगहनतनूत नू। सिसकूसिसकूजीरहोहियाधकूधकूजोकरेछनूछनू ॥ चुआ अँसुआजोहियेठनूठनू।हुआहालअधमुआसामे राकाँपेबदनूगनूगनू॥ पूसफूसकीआगज्यौंदिनत्यौंमोहि लगेपहार। मनूकोकरेमनहूससातनचूसचूससुखसार॥ जिगरलाग्ररसाकरडारे तनूतनू०३ ॥ माघयहदागाजि गरदेवे। विरहानलकीप्रवलअनलपलकलभीनहींलेवे॥ सगुनफागुनमेंरंगभेवे। मेरेअंगबदरंगहोरहे श्यामरंग सेवे॥ चैतअचेतीमेंबिता अबआयेरीबैशाख। साखदे उँमैंनाथकीराखूंगीप्रानभरपाख ॥ जेठनहिंमुझसेजेठ प्यारे तनूतनूमेरे०४।५॥



निर्गुणाष्टक॥

भैरव॥ समुझबूझकरचलोमुसाफिरयहँबसतेसबछली छली। झिलमटोपगढ़तोपकिलापर भुलोनहींसबदली दली १ जीतोगेजौंमलीछलीको चारबड़ेहैंबलीबली। इनतेंजीतसकैनहिंकोई येतोड़तहैंनलीनली २ यहसं सारअपारबिपिनसे पापफुलेक्कैकलीकली। तोड़तकरत बहुतबिधिशासन रखवारेसबझलीझली ३ इकइकफि रतछलीहरकारा नगरनगरकीगलीगली॥ भजहुनाथ रघुनाथनिरन्तर तोहोइहैगतिभलीभली ४।१ एकीया रआशकहजारहाँ कहाकिस्कावहहोवेरे। करेप्यारजोयार उसीका दुखगठरीसिरढोवेरे॥ आलेप्रेमप्यालेकोपीकर

यहदिल्कड़ाभिगोवेरे २ शबोरोज़ग़मसोज़केमाफ़िक अश्कोंसेदिलधोवेरे। धागेसब्रकेकरचौतागे मनकामन् कापोवेरे ३ खुदबुतहोउसबुतकेऊपर फिरवहनाहिंकुछ गोवेरे। उसीनाथकेहाथमेंबिल्कुल् लवेवहीजोबोवेरे ४। २॥ परज॥ दम्दम्उसरब्कोयादकरो। ऐनचैनहोजिस कीयादसे उसहीसेदिलशादकरो १ क्योंनाहकजंजाल जालमेंशबोरोज़बर्बादकरो। दुनियांकेबिल्कुल्फ़सादसे अपनेतईंआज़ादकरो २ अपनीबेहोशीबदहोशीकी साह बसेफ़रियादकरो। कोईराहमालिककेचाहकी सोचसम भईजादकरो ३ चाहदुनियवीचाहमेंडालो उसपैज़रा एतूकादकरो। हाथजोड़कहेनाथसबीसे इसमेंज़रासी दादकरो ४। ३ अबकबउसरबकोचेतोगे ग़रीबग़ुर्बोंके हक्नाहक्कबतकगर्दनरेतोगे १ज़रज़मीनहरकमीनमा फ़िक कितनेदिन्लौंसमेटोगे। दुनियांकेआज़ाबख्वाब से कबतुमकानउमेठोगे २ झूठेजगजंजालजालको कब लगखूबचपेटोगे। अकसरबाज़ीगरकेसूतसे कितनाबैठ लपेटोगे ३ हरहमेशमीयादयादकीउसेख्वाबमेंभेंटोगे। नाथऐशोआराममेंलेटे आखिरकोफिरलेटोगे ४। ४ भैरवी॥ अजहुंनयाजगकोपहिचाने। सर्बससौंपिदेहुका हूको तबहुँनहोतअपाने १ सुतबनितादिआदिजे अपनेतेऊनिजहितठाने। परमारथकेअरथन्हींकोउस्वा रथबिनुनादिखाने २ खानपानसुखखानखानके जोइदेत तेहिमाने। नातरुभगेसगेहूजनजे हियतेहितनहिंठा ने ३ जिमिखगमृगसुखदुखकेकारन एकहिथलनथिरा

ने । तिमिरअसारसंसारकेवासी देखिनाथघबराने ४ । ५ जगतकीऐसीउलटीरीत ॥ साधुसन्तगुनवन्तनकेसँगकरतकबौंनहिंप्रीत १ कपटीकूढ़मूढ़कायरतें निशदिनराखतरीत । जोदाहकनाशकआगमको सिखवतनितहिंअनीत २ अतिअनुरागरागसुनिवेको नृत्यदेखिदृगशीत । श्रुतिपुरानसुनिसुनिगुनिहरिजन लागतविषसमतीत ३ अरिकोमीतमीतअरिबूझत ऐसीबुधिविपरीत। अजहुँभजहुनाथनकेनाथको तौतुमयहजगजीत ४ । ६ सँपरतहीदिनजातहमारे ॥ हरिगुनगायेनपायेजगतसुखयोंहींजन्मासिरातहमारे १ आजकालकरिकालगँवायेअन्तकालनियरातहमारे । बीसोबीसईशनिजभूलेखीसकरतदिनरात हमारे २ पीसपीसनिजदाँतरीसबससबहीपैझुँझलात हमारे । सुतदारासाराकुलजनकेखातरहतनितलात हमारे ३ वृथाबादबकबादमसखरी झूठहरघरीबात हमारे । नाथगाथगावनकोगुनतमनअबहिंबहुतादिनतात हमारे ४ । ७ ॥ सोरठ ॥ प्रभुमैंपरमपतितप्रधान । मोहिंसमाननआनकोऊ दोखदुःखनिधान १ गुनगुनतनहिंएगुनाहिगहि रहतअतिसुखमान ॥ पुन्यकेथलशून्यपापहि गुन्यगुनकसमान २ धर्मकर्मकेमर्मनेकहु कबहुँनहिंपहिचान । उचितकोअनुचिताहिमानत नितदुचितचितवान ३ परमहिततेहिअहितबूझत कछुनसूझतज्ञान । नाथगाथसुहातनाहिंन योहींजन्मसिरान ४ । ८ ॥

———*———

अथनाथपदमंजरीफाग॥

सिंधुभैरवी॥ आजसुदिनचलोफागखेलनसखि श्रीगनपतिजूकेद्वाररी॥जूथकीजूथअलीनिकलीसबगूँथसुमनगनहाररी १ साजसमाजसाजपूजनलैभरिभरिकंचनथाररी२लैकररंगरंगपिचकारी सबरसरंगसँवाररी ३ श्रीगननाथसाथबरमांगतनितयहफागबहाररी४।१॥ सोरठ॥ देखोविंध्याशिखरागिरिपराबिहार। रचीहैअंबहोरीबहार॥सोहतसंगसुखभोगिनिजोगिनिजोगिनगिनगुनकीअगार १ निरततत्ततत्थेइथेइथेइपुकार इतश्रीमहादेवदेवनसँगभेंवतदेंकेसरफुहार। उतजोगिनगनपिचकारीमार २ सजतरजतगिरिपरजिमिछबिवरकंचनकीलतिकाबहार। पुनिकनकलतामेंलतानिहार३ महाराजमहरानीभवानी आजसजीसुखमाअपार। भयेनाथमुदितचितछबिनिहार४।२ विंध्यशिखरगिरिवरपरहोरी। खेलतश्रीगिरिराजकिशोरी॥ अमरीअमरसुघरकिन्नरनर मुनिवरअरुसखियांसँगगोरी। सजिरंगलालगुलालकीझोरी १ वरजोरीशंकरगनकरसबधरधरकरसखिवरझकझोरी। तबसबडारीगुलालकीझोरी २ अंधकारअतिभयेपहारपरहिलिमिलिएकमिलायदयोरी। मायाजुतजिमिब्रह्मभयोरी ३ नाथसाथतेअंबतमकिजबचमाकिकिरनसमतमहिंनस्योरी। जिमिमायातजिज्ञानिनकोरी ४।३॥ सिंधु॥ कालोंकीकालकालीकराल होरीखेलतजोगिनियनसाथरी। अंजनगिरिसमानछबि

छाजत पहिनिअसुरकरमाथरी १।२ बोरदईरंगबीच मातुको गावतिअतिगुनगाथरी३ मृगलोचनिदुखमोच निश्यामा जयतिप्रियाअतिनाथरी ४।४ जयतिजयति जयजगतमातु श्रीअन्नपूरनेमायरी ॥ दहिनेकरकरछी तिरछीहै बटुवाबामसुहायरी १।२ स्वर्णछत्रसिरपत्रसुम नकेसकलशिंगारबनायरी। गावतिगीतअप्सरानाचाति राचतिगतिअतिभायरी ३ उड़तगुलाललालमयमंदिर नाथलखतनअघायरी४।५॥ काफी ॥महरानीभवानीके द्वारफगुआआजहैं । साजसमाजसाजसुरनरमुनि आ येकोटिहजार। शोभाछाजहैं १ विद्याधरगंधर्बअप्सरा सुंदररूपअगार। गुह्यकचारनसिद्धआदिगन रचि रचिबिबिधप्रकार। साजेसाजहैं २ नारदअरुतुम्मूर बजावत गावतसुयशअपार। जागतमैनबैनसुनजाके कोकिलमोरहुहार। धुनिसुनिलाजहैं ३ मंदिरलालला लआँगनभौ लालहिसकलशिंगार। लालमयीछैरहीहैं श्यामानाथलालदरबार।सुखदसमाजहैं४।६॥ जंगला ॥ होरीखेलतहुलसाईहो जगपावनिगंगा। एक्ओरगौरि गौरिसखियनसंग एकओरशिवसमुदाईहो जगपा० १ एक्ओरगंगसंगसखियनकेरंग बिबिधबरसाईहो। दं हिनेगौरिबामदिशिसुरसरि शंकरबीचसुहाईहो जगपा० २ मारेपरस्परदोऊकुंकुमा निज निजदांवबचाईहो। हरहरकरहरहरतनधोवत फिरिफिरि रंगभिगाईहो जगपा० ३ उतडमरूसिंहीइतढोलक तालओरसहना ईहो॥ नाथसाथगावतओबजावत नाचतहरहरषाई

हो जगपा० ४ । ७ ॥ होलीपंचक्रोशकी । सिंधु ॥ श्री
कर्दमेशगिरिजेशजू आजबनेऔरहिसुभेश । फूलमा
लकेझुंडाबिराजत शिरात्रिपुंडबहुवेशहो १ लाललाल
सबहोयरहेहैं औरनरँगकोलेशहो २ गायबजायरहेपु
लकितमन बासीदेशबिदेशहो ३ नाथहाथजोरेयहमांग
त दीजेदरशहमेशहो ४ श्रीभीमचंडिकेमायरी । आजु
औरकछुछबिसुहाय चूंदरलाललालगलमाला भालगु
लाललगायरी १ मृदुमुसकानियांबँकाचितवनियां लखि
लखिहियहुलसायरी २मंदिरसकललालमयकीन्हेलाल
गुलालउड़ायरी ३ नाथसदाअसदरशतिहारो मांगतमा
थनवायरी ४ ॥ काफी ॥ श्रीरामेश्वरजीकेद्वार फगुआ
मांचेहैं ॥ बजतचंगमुरचंगमृदंगनि करकरतारसितार।
सुरसबसांचेहैं १ रंगगुलालउड़ावतगावत सबकोप्रेम
अपार । मोदसेनाचेहैं २ आजकोभेखदेखदुखभागत
ऐसोसुखदशिंगार । सुन्दरराचेहैं ३ नाथलालमयशंभु
कृपामय देहुदरशहरबार । भक्तिकेसांचेहैं ४ पांचोपंडन
केदरबार खेलोफागहो । गावहुफागबजावहुबाजन गति
सुरसकलसम्हार । अतिहिंसरागहो १ इनकेधामश्याम
सुन्दरनिजजातधायबहुबार । बसअनुरागहो २ जोये
पांचसांचहरखैहैं दैहैंपदारथचार । जगिहैंभागहो ३ नाथ
साथहिलिमिलिखेलहुसब सुन्दरफागबहार । सबदिन
मांगहो ४ वरदेवकपिलमुनिदेव फागमचावनको । लै
करसाजसमाजफागको याहीबहानेधाय । दर्शनपावन
को १ सालकोसालदेहुमतिऐसी तनिकनमनअल

साय। तुवढिगआवनको २ मैंमदअंधमंदमतिपापी सूझतकछुनउपाय। प्रभुगुनगावनको ३ नाथसाथस्वारथकेधावत तुम्हरेहेतुनजाय। आसपुजावनको ४॥ सिन्धु ॥ भैरोनाथभूतनकेनाथहोरीखेलतजोगिनियनसाथरी। रंगअबीरबीरभरिझोरिनलटकायेबिचहाथरी १ कुंडलगलअलफीभलिसेल्ही सोहतशशिबिचमाथरी २ चोवाचन्दनकेसररँगमें भूतभभूतहिंपाथरी ३ औढरढरननाथअलबेले कहतनाथगुनगाथरी ४ महावीरबीरोंकेबीर सुतअंजनिऔरसमीरके। खेलैंफागअड़बंगसंगलै बानरभालुनबीरके १ उलटिपलटिभूषनअँगसाजे तरपरसजिसबचीरके २ लोललँगूलकूलसबबोरे छिरकतरंगसनीरके ३ पीटतढोलनाचिगनथेइया नाथचिघारगँभीरके ४ ॥ परज ॥ होरीखेलतशंभुभूतनकेसंग। मृगछालामुँडमालातनराखलाय अरधंगगौरिभूषनभुअंग १ डिम्‌डिम्‌डिम्‌डमरूबाजे असवारीवृषभारीकरासिंहिनाद सिरचंदजटाबिचलसीगंग २ डाकिनिशाकिनिसंगसबै द्युतिकारीकारीभारीभारीतनदिखाय छविअतिभयावनीदेहनंग ३ नाथसाथसबगीतनईगाई औबजाईभड़तिल्लनाचि धूरिनसमेतअतिउड़तरंग ४ होरीखेलतपवनसुतवरकुमार। घिरिआईचहुआईबहुताईसुहाय दलरिष्यमूकगिरिपरविहार १ संगबनरवाभालुबली किलकाईपुलकाईफटकाईलँगूरसबपरतरंगकेशरफुहार २ नाचैंसबमिलिनाचनई। गणथेइथेइथेइथेईसुहायअतिकरतशोरहूहूपुकार ३ नाथनईयहफाग

भई। कपिराईमनभाईहुलसाईबजाय सबपिटतढोलपट पटउचार ४॥ काफी ॥ रामसियादोउखेलैंफागरी। साजस माजसाजअतिसुंदरमहाराजदशरथकेबागरी १ इतरघु नाथसाथशिशुगनके भोरीलियेहियेकियेलागरी। उतमि थिलेशकुअँरिकुअँरिनसँग भरिभरिकेसररंगगागरी २ तरलसरलचितकियेपरस्पर डारतरँगदोउसानुरागरी। बोरीजनककिशोरीपिछोरी जामाऔररुमालपागरी ३ कलासहितदमकलाललाभरि मारतहीउमग्योतड़ाग री। चोवाचंदनदृगअंजनबहि मनरंजनिसीत्रिवेनीला गरी ४ तरिवरताहिनिकटसोअछैबट माधवमूरतिनिज उजागरी। केकीकीरकोकिलाकुहुँकत कहतकथामानोमु निसरागरी ५ करतकलोललोलपंछीपशु हौजबीचजु तमौजभागरी। भेसविसेसधारिसुरनरमुनि मज्जततीं रथराजप्रागरी ६ हुलसिहुलसिसबरहासिरहसिजिय धा रतजिमिमाटीप्रयागरी ७ बजतचंगमुरचंगमृदंगनि गा वतफागअनेकरागरी। सियरघुनाथसाथकोखेलनि बर निनाथअतिप्रेमपागरी ८॥ टोड़ी॥ धम्मार ॥ होरीरचीहै रामरनधीरबीरसागरकेतीर॥ इतहनुमानमानप्रभुसास न उतसुजानदोउभाई। तहँरावनरनराजसाजभटटूटेबा जसमधाई। मानोसमरनहींहोरीगँभीर १ कटतरुंडसेमु ण्डपरतमहिधरतझुंडतेंधाई। बानरभालुशिवाशिवदान वफेंकतगाहिचहुँआई। जिमिउड़तकुंकुमारंगसनीर २ अतिहिंउतंगअंगघावनतें बहतरुधिरकरधारी। मान हुलालरंगजुतसुंदर छूटिरहीपिचकारी। पगरेनुउड़त

तमसमअबीर ३ चारनकोकड़खेतउचारन गानसमान
सुहाई। बजतजुझाऊबाजनकहिकहि जैजैजैरघुराई।
दसमाथसाथरघुनाथभीर ४ ॥ जंगला ॥ फागुनकेदिन
आयगयेचलो श्यामसुंदरकहुँहेरीरे। पहिलेचलोपिय
धामनामलै बंशीकेधुनिबिचटेरीरे १ होरीकेसाजसमा
जसजेसब गलिनगलिनकरफेरीरे २ जाहीठांवपाववह
चंचल वाहींसबैमिलघेरीरे ३ नाथसाथतुरतहिंमिलिपू
जीमनकीआससबमेरीरे ४। १० ॥ पीलूजंगला ॥ मग
मेंचलननहिंपैहेरे कोउसंगलागिजैहैं। जेहिजेहिपथतु
मजैहौसहेली तहँतहँतोहिसबअधिकछकैहैं ॥ श्यामसँ
घातीबड़ेउतपातीबहुविधिधूममचैहैंरे कोउ० १ जानेहु
अनजानेबनजैहैं जानेनपैहौफागखेलैहैं। जौंमिलिजैहैं
नाथसाथकहुँ तौअतिनाचनचैहैंरेकोउ० ११ यानँदला
लासखिछैलबड़ोरी मैंहोरीखेलनकैसेआऊँरी ॥ फागकी
रीतप्रीतनहिंजानत । मचलतजबसमझाऊँरी १
जोजोहाललालमेरोकीन्हो। सोसबकहतलजाऊँरी २
ऐसेनिठुरलँगरसँगआली। फागखेलनकोडेराऊँरी ३
नाथसाथनाहककोझकझककाहेकोलाजगवाऊँरी ४।
१२॥ झंझौटी ॥ बनिकेआयेबलबीरफगुआमांगनको ॥
झुंडकेझुंडबामादिशिलीन्हे। सुन्दरबालअहीर। मनु
आलागनको १ घूँघरवारेअलककीछलकनि दृगसुरमा
तहरीर। कामहिंजागनको २ कटिकछनीकाछेआछेसब
ललितलपेटेचीर। दौड़नभागनको ३ नाथसाथगोपन
केघूमत गोपिनघरघरभीर। घेरेआँगनको ४। १३

तियबनिआयेनँदलाल । प्यारिहिभावनको ॥ अपनोरंगरूपतियकोदे आपबनेनइबाल । सबहिंबुझावनको १ गावतफागबजावतबाजन डंफमृदंगनिताल । हियहुलसावनको २ गोपिनघरघरघूमिघूमिकर भेंटतदैअँकवार। उरपरसावनको ३ नाथहाथडारतगलबहियाँ लखिचीन्हीतियचाल । हाथनपावनको ४। १४॥पीलू॥ बरियारीसेबिहारीकरधारीरे । मुरुकिजैहैं मोरीनरमकलाई होइहैअयशतोहिंभारीरे १ निपटअहीरपीरनाहिंजानतऐसीकरतहठियारीरे२ नाथहाथमेरोछांड़ोसाँवरो नाहींतोदेहौंअतिगारीरे३।१५ मोरीचोरीसेमलतमुखरोरीरे। नीचीनजरियाशिरपैगगरिया।चितवतनाहिंकाहूओरीरे॥ औचकउचकमलोमुखमेरो अबिरगिराईभरझोरीरे। याब्रजनाथकोहाथकहालगे मगबिचकरतछिछोरीरे १६ मदमातीअँठिलातीवहजातीरे। चलतउतानतानदोउभौंहैं यौबनमानजनातीरे॥ यानइबालकोकरधरलाओ कोउमोरग्वालसँघातीरे। नाथसाथअतिहोरीखेलाऊं तबमदकोफलपातीरे १७ नँदलालामेरोमालातोरडालारे । यामालामेरीमालादीन्हींचंदासेअतिउजियालारे ॥ डालगुलालडालभरिभरिकै कीन्हींअतिअँधियालारे । नाथहाथधरिलपटिझपटिउर बरबसजसमतवालारे १८ ॥ कलिंगड़ा॥ सारीभैवतसांवलधायधाय । आपलगतऔरनकोलगावत ग्वालबालसँगलायलाय॥ घूमघूममेरोइढिगहरछन धूममचावतआयआय। धरिझटकी पटकी

मटकीकोदहीमहीसबखायखाय ॥ माखनलैताहूपरंला
खन गारीदेतमोहिंगायगाय । नाथहाथधरिछेंड़त छांड़
त मोहिंअकेलीपायपाय १९ सारीहमारीनबोरो । सुघ
रमेरेकरकेदोउकंकन याहूपकरिजिनतोरो ॥ येतोरीझरी
झपियदीन्हीं अबहींबनोयहकोरो । कहनसुननतेदुगुन
छकावे यामथुराकोठिठोरो ॥ नाथहाथदोउधरिधरिमेरो
बरबशकोझकझोरो २०यारीहमारीनतोड़ो। जोयहबात
तातुमकीन्हीं तोतुमहींफिरजोड़ो॥ जानोसांचकांचसी
यारी आंचदेइजनिफोड़ो । सबदिनआसदासमनराख
त याहिपलहुजिनछोड़ो॥ चन्द्रचकोरओरसमदेखहु ने
कहुमुखमतिमोड़ो। नाथसाथजियछांड़तनाहीं प्रेमको
नेमनिगोड़ो २१ ॥ जंगला ॥ कमरीवालालाला नाहक
रंगभिगाईहो । रंगगिरावनजबहमधाई कामरिमाहिंलु
काईहो ॥ लपकिझपकिरँगडारतमोपर अपनीदांवबचा
ईहो। याअजीतकोजीतूंगीकैसे कामरिल्योंजोछिनाईहो॥
नाथसाथयहीबातबनैगीओरनआनउपाईहो२२॥ झँझौ
टी ॥ तुम्हरीपिछोरीकोछोरीहोलाला । शिरकीपगरिया
उजरीचदरिया अबहींतोहमरंगबोरीहो ॥ बीचमेंखींच
गयेकहांलालन कौनाकियेबरजोरीहो । नंदमहरकरडरक
छुनाहींलाजभाजगईतोरीहो॥ नाथहाथतुमकाकेबिकेहौ
छिपिनसकतयहचोरीहो२३ कमरीकोहमरीचोराईरीआ
ली । याकमरीहमरीदईमैया गैयाकीनिजचरवाईरी ॥ ह
हरिहहरिडरभारीमहरिके जातहिभवनारिसाईरी । कब
हूंयाकमरीकरदमरी धोबीनपाईधुलाईरी ॥ नाथसाथ

कीकारीकमरिया त्रिभुवनबशमेंकराईरी २४ हमरीबेस
रइन्नेतोरीहोल्लोगो। केसरसेरँगबेसरमोरी अबहींबनीय
हकोरीहो॥ याबेसरगजमोतियनकीहै लाखहुकीमतथो
रीहो। बीचगैलयहछैलमहरिको खींचकरीबरजोरीहो॥
नाथहाथभरिअबिरमलीमुखटूटीजबैभकभोरीहो२५॥
झँझौटी॥ ठुमरी॥ बहुतनमलहुगुलाल जोबनाकेरंगढर
किजैहैं॥याजोबनाहमबहुतादिननतेराखीयतनतेपाल।
छांड़ोगरजअरजसुनमेरीयाबिचहाथनडाल॥ नाथसाथ
बिनुबालाजोबनवां कोऊनपूँछतहाल २६ अबनमलो
मुखलाल गालोंमेंलालीउमड़िऐहै। परखतहीमोरीसा
सुननदिया घरमेंतेदेहैनिकाल॥ पैयांपरनहूंतेसुनत
नसैयां परिगइकठिनकुचाल। नाथतबैयहलालीरहैगी
लालीनहोयजवाल २७ गरवालगाओनलाल चोलिया
केबंदउखड़िजैहैं। याचोलियामोरीलाखनकीहै राखत
बहुतसम्हाल॥ चहुंदिशिबेलिटँकीमोतियनकी बिच
बिचहीरालाल। नाथहाथहमजोरिमनावत यापररंग
नडाल २८ धीरेमलोमुखलाल झुलनीकेरावाउखाड़ि
जैहैं॥ याझुलनीमोरिलहुरीननदिया मँगनीदईमो
हिंकाल॥ एककोतीनसैयाँसेलगैहै दैयानतोहिंकछुख्या
ल। नाथहाथटूटतहीझुलनियांकरिहैमेरबुरेहाल २९॥
देश॥ क्याबड़ीसीभलकेरमोतियानथियामें। नान्हीना
न्हीमोतिनसेमुखऊपरबुंदपसीनाकेभलकेरे॥ढुरहुरमुख
परढुरहुरमोती इतउतानितआतिछलकेरे। नाथसाथते
रेलखिलाखिमोतीमेरोहंसमनललकेरे ३० बालारीतेरेका

नोदाबाला । झोकाखातदिखातहमेशे मनुत्र्रानूझोंके
मेंडालारी ॥ बालरातसीताबिचबाला चंदासाक्याउजि
यालारी । नाथसाथरखलेमछलीमन बालेदाहोयबोल्
बालारी ३१ दाहकरेंतेरोजोबनाहीदोई । दूरसेदे
खतएकनजारिया छतियाजरावतनाहकरे ॥ जियत
लफावतनियरेनत्र्रावत ताहूपैसबकोऊचाहकरे । नाथ
कहैंजौलौंबालाजोबनवाँ तौलौंसबैकोउगाहकरे ३२ ॥
ईमन ॥ ससुरारीकोरेजा लखिकेहुलसानी । गौनेकीबात
सुनातसुहानी जानिपरतनियरानी ॥ यहकपड़ादिनध
रनकोत्र्रानी याहीगवनकीनिशानी । यहपियरीबिनुमैं
पियरानी अबतोभईसुखानी ॥ मगजोहतमोरीत्र्रँखि
यादुखानी दिनागिनत्र्रँगुरीघिसानी । नाथसाथकबहोइ
हैंसयानी होरीबहुतनियरानी ३३ पथरेकाकरेजा पसि
जेनसयानी । भीजतचीरपीरनाहिंत्र्रानी ढरिढरित्र्रँखि
यनपानी ॥ जबबिरहाकीत्र्रागिनधुधकानी तबक्योंनाहिं
टहकानी । चारदिनाकेरूपदिवानी नाहकपरइतरानी ॥
नाथबातसुनिकछुमनमानी घूँघटमेंमुसकानी ३४ ॥ षट् ।
धमार ॥ त्र्रालीनाहकमानकरावतरे सदानचाहरहैगी
बनी । जबलागितेरोजोबनरँगराते तबलगिसबाहिमना
वतरे ॥ जोबनगयेबनठनहूरहेकोउ सोउशिंगारबिराव
तरे । पैयाँपरनत्र्ररुबिनतीकरनते फेरिनकोउढिगत्र्राव
तरे ॥ नाथसाथहोरीखेलोरीगोरी नाहकजियतरसावत
रे ३५ ॥ काफी ॥ रूपकेत्र्रोरभुलोमतिकोई अबलोत्र्र
जानभुलोसोभुलो । यहरँगरूपसुमनकलियनसी जोब

नहूँकीलखीगतिसोई ॥ एकहिबारफुलोसोफुलो। एक
सेएकछयलछबिवारे धारेहैंपगधरनीपरजोई॥ उनहूँके
अंगघुलोसोघुलो। अपनेहुहोतबिरानेजोबनगये जो
रीशिंगारसमेतहुहोई ॥ कलईकोरंगखुलोसोखुलो। ना
थसाथमिलखेलोरीहोरी मानकरतएतोदिनखोई ॥ अ
बतेरोरंगतुलोसोतुलो ३६॥ कलिंगड़ा॥ तुमआजसा
जबिनचलरीधायके श्यामसुंदरतोहिंबुलवाये । सक
लशिंगारसवांरवहीं चलि कीजोसखिनिजमनभाये॥ छां
ड़सहेलीचलरीअकेली काहूकेबिनुबतलाये । आजकुं
जबनपुंजप्रेमको ह्वैहैंदोउनकेमनभाये॥ खेलफागअनु
रागभागभरि नाथसाथमनउमगाये ३७ सबलालला
लछबिआछीछाजिकै चलरीलालजीहरषाने । सबअ
पराधअगाधतिहारो जियमेंलालनकछुआने ॥ आग
लिबातसबैबकरिपाछलि मानगुमाननवहआने । सुंदर
श्यामसंगतुमनाहकमानकरीसखिबिनुजाने॥ नाथहाथ
वृषभानललीधरि लेइचलीतबबरसाने ३८॥ परज॥
आसनकरअबभंग आलीहोलीकेदिननमें । सा
जसमाजआजसखिखेलहु हिलिमिलिकेपियसंग॥ ता
लमृदंगउपंगसंगलै बीनचंगमुरचंग । नाचहुतालस
म्हालसुधारहु सबरागनकरअंग ॥ धूपसेरूपजातयह
बावारि जसहरदीकररंग । नाथसाथहोरीखेलौरीगोरी
अबसबछांड़िकुढंग ३९ चालनचलरीउतंग । आली
होलीकेदिननमें । मानहुसीखनीकहिततोरे चलहुसि
कोरेअंग॥ ग्वालबालमोहनकेसाथीनिरखतहीयहरंग।

करडारिहैंडारिहैंनकोऊको यहजोबनमदभंग ॥ यात्रजगै
लमैंछैलछबीलोनन्दनँदनसरहंग ।नाथहाथधरिनाच
नचैहैं लैजैहैंतोहिंसंग४० ॥झंझौटी॥ आईचंदसीबाला
ऐसीभेषबनाई । जैसीभेखदेखहमआली सुधिबुधिस
कलगँवाई ॥ चोरीकरनचितआईहैगोरी होरीकेसाज
सजाई ।रोरीआड़आड़बीछूसम चोटीसाँपडसाई ॥
नाथहाथधरप्रीतितेप्यारी अधरसुधातेजिलाई ४१
लटनागिनसीलटकायआईप्रानाप्रिया । आवतहीलप
कायधायकर दीन्हीसांपडसाय मुरछाजोरीकिया ॥ कुच
परंश्यामजहरमुहरादोउ वाहीहियपरसाय बिषसबखीं
चलिया।होरीमेंयहगोरीअटपटी नटीकलामनभायना
थकेसाथकिया ४२ किनबामामोहिंमारीकुंकुमा एहि
खिरकीतेनिकरिके ।वहचपलाचपलासीचमकगई जि
मिघनश्यामहिंघिरिके ॥ औचकउचककचलायोपागपै
हौंभौचकरहीडरिके । झाँकिगईजौलौंहौंझाँकी झाई
सीलखिपरिके॥नाथहाथकहींजोचढ़िजैहै पैहैफलाजिय
भरिके ४३॥सोरठ ॥ तुमबड़ीकरतनितचोरी छिपछिप
केरंगमहँबोरी । पिचकारीभरिधरिरखतपहिलहीसे चि
तवतमगचहुँओरी ॥ कुंजनकीओटचोटकारितरिवरच
ढ़ि अबिरगिराइभरझोरी । अबधरिपाईकहांजाओगे
बचाईलाला करहुदोहाईकरजोरी ॥ नाथहाथछोड़ोंगी
जोतातमातसौंहैंकर ऐसीफिरकरहुनहोरी ४४ तुमल
गेकरनबटमारी ब्रजराजलाजतजिडारी । पनियाँभर
ननखशिखअभरनसाजि निकरतिहैंब्रजनारी ॥ ताकेतु

मळयलगयलंबिचधरिधरि बरबसकसबैठारी । बिन तीसुनाईकछुमनहिंनआईमाई निपटकन्हाईहठकारी ॥ नाथमोरीसुघरहजारीसारीफारडारी बरजेतेलाखनगारी ४५ मोरीबड़ीसुरतबिसभोरी सुधिबुधिनमोहिं कछुथोरी । कालिएहिमगआईवाकोभलफलपाई बहियांकन्हाईझकझोरी ॥ आजफिरवाहीपथधाईआईएरी सखि कुमतिलेआईइतमोरी । याहीमेंबिलासीहरिकहततलासीदेरी अबहींहेरानीमोरीहोरी ॥ नाथयाहीमिस मोरीअँगियामेंहाथडारे हँसिहँसिआतिटकटोरी ४६ हमनहीं करतबरजोरी तुमधरिकेबांहझकझोरी । भाईकी दोहाईबहुतहिंगमखाईहम अजहूंढिठाई करथोरी ॥ सुनरेकन्हाईजियमोरहूरिसाईकहिं तुरिहौंकलाईधरितोरी । यहनईचालीकीखेलाईनसुहाईमोहिं तुमअतिकरतछिछोरी ॥ नाथसाथपाईफलहोरीकीखेलाईकल बहियांकरकिगईमोरी ४७ दांवलियासँगमोरे तुतोकरसेधरके । भारीहमारीसारीफारीकिनारीपिचकारीसेबोरे ॥ बोलतबैनचैनकेमीठेहँसिहँसिहमरीओरे। झकझोरीमरोरीपरतोरीननाथहाथ धरतलोटिपरोरीगहोरी मोरी लरिलरिचूंदरछोरे ४८ नागरियारँगघोले मोपैलपूकेझपूके। नारीपियारीसारीगवांरीहठवारीसीडोले ॥ मारतसैननैनकीओटैं कछुकछुघूंघटखोले। चहुंओरीघिरोरीपकरोरीनजातहाथचपलछोटबड़ोरीसुनारीगोरी यहब्रजनाथनभोले४९॥ काफी ॥जबसेलखीजुलफनकीलटकमोहिंडसिगैलोनागसेएरीदैया। तबसेभईअतिहीरी

बावरीअतिहीभईमुरछातनमैया॥ यंत्रनमंत्रलगेकछुया
मेंऔषधयाकोनकोउदेवैया। बिषकीदवाबिषहीहैचटक॥
जुलुफलखी बहुतेरीसांवरी बहुतलखीनखशिखकेसुहै
या। नाथश्यामछबिधामतुम्हैंअस जगबिचकोऊनराम
दुहैया॥ जासोंरहैमेरोमनुवांअँटक ५० तेरीजबसेल
खीमुसकानमिठैया तबसेभयेमनबशसेअवश। एकसे
एककुमारलखेहम सकलशिंगारसवांरकरैया॥ एकसेए
करूपइनआँखन औरलखेलाखनमुसकैया। असन
कोऊमोहिंकीन्हीसबश। बहुतसम्हारिरह्योनाहिंसम्हरत
चितहमारअबकाहकरैया॥ नाथहाथसेबेहाथभयेमन
साथश्यामसुन्दरजीकेदैया। चाहेसोहोयसुयशअोकुय
श ५१ जबसेचखीअधरोंकेसुरस मेरोमनगयोबहँकित
बैसोंदैया। ऊंखदाखमिसरीनपावती जैसीअधररसमा
हिंमिठैया॥ भूखप्यासकछुनाहींलागतीअधरसुधारसमे
रोअघैया। परममधुरइनसबसेसुरस॥ मेवाअरुपक
वानआदिको येसबहींकबहींनछुऐया। नाथसाथयहनेह
निबाहो तुमहींतोयाकीकुबानिलगैया॥ अबनहोयकछु
रसमेंकुरस ५२ मेरोमनबसेवाहीमेंगोपभैया परत
भनकनूपुरकीभनक। खासीबनीतियनवलनागरी खासे
हंसकरचालचलैया॥ एकएकपरगनपरसुन्दर मधुरहं
सधुनिकीनिकरैया॥ सुघरपांयपायलजोकनक। मन्द
मन्दगतिमन्दहँसनिमुख मन्दरूपरतिकीकरवैया॥ ना
थप्रियाछबिऊपरतनमन वारतसबअरुलेतबलैया। छां
ड़िसकलजनजननीजनक ५३॥ झंझौटी॥ सांवरोगवां

ईलाजरेमोरी । घरबाहरकेलोगनिहारत डारदईरँग आजरे॥नाथसाथगोपनकेहँसहँस छेंड़तमोहिंबिनुकाज रे ५४कैसोईकरैतोसोंप्रीतिरेकांधा ॥ तनमनधनअरप नकरिआपन तबहूंकरतअनरीतिरेकांधा॥ नाथसाथको मेलसखीरीपानीतेलकीरीतिरेकांधा ५५॥ सोरठ ॥होरी होरीअरीआँखियानितरोवेरी । मुखपरपीतप्रीतकरदागी निशिदिनधोवेरी ॥ लालगुलालमलैंगेजबहीं नवरँगजो वेरी।नाथसाथहोरीखेलोरीगोरीक्योंदृगगोवैरी५६॥देश॥ छैलाकासोंमैंखेलौंगीफाग।तुमतोचलेपरदेशपियारेजब यहफागुनलाग ॥ तुमबिनुकोयहसींचनहारोमेरोप्रेमको बाग। जबयहपेड़अधेड़भयेरे नाथसाथतजिभाग ५७॥ काफी ॥ बरसानेरँगबरसानेहो । केसरधारफुहारपरत हैं कीचअरगजाकेसानेहो ॥ कामिनिमनहुँछटादामिनि सी घनअबीरउमड़ानेहो । सुघरकलापकलापिनसे नचि गरजमृदंगसुहानेहो ॥ नाथसाथसबसाथिनकेत जि उठिचलोकाहूबहानेहो ५८ करजारीहमारीबेगारी आज नाहींजानेनपैहौबेगारीप्यारीघर । गारीभीखै हौबिगारीभीजैहौ पैहौदगारीसारीडगरबगर ॥ नाथअ गारीनाचगारीकछु बजिहै नगारीनगारी जिनडर ५९ बावरीसीभईहैराधे ॥ कबहींकबहींकुंजपुंजमेंजाययहीर टनाधे। श्यामसुजानजानअपनेकोरटतसुराधेराधे॥ ना मअपनोहीअराधे १ कबहींमुकुटलकुटपीतांबर पाग सुघराशिरबांधे ।बनिनटवरघरबाहरघूमति झूमतिच लतिअबाधे ॥ डरैनहिंलखिकोउबाधे२ जेतिकहैं अभि

रामश्यामको लीलातेतिकसाधे।करतखेलअनमेलविवि
धविधिबारहिंबारअसाधे॥करतिसबमनकीसाधे ३ कब
हींवहभोगिनियोगिनिवन बनबिचबैठिसमाधे।नाथसा
थबिनुविषमविरहकेबूड़तिसिंधुअगाधे ॥ रहेअबसबत
नआधे४।६० लाजकीबतियांनसहूँगी । जोतुमखोटीख
रीहरीकहिहो एककोलाखनमैंहूँकहूँगी -१ जोअँचलातु
ममेरोगहोगे मैंहूँतेरोशिरपागगहूँगी॥ चोटीपकड़चमो
टीबनैहो वाहीकरूँगीमैंजोजोचहूँगी २ जोतुमलोलक
पोलपरसिहो तौचुटकीभरिनाकधरूंगी ॥ जोअँगिया
परहाथचलैहो हाथछोड़ेबिनमैंनरहूँगी ३ दूरसेबातक
रौमनमोहन सबसुखमैंयाहीमेंलहूँगी ॥ जोलखिलैहैं
नाथसाथकहूँतौयमुनाबिचजायबहूँगी ४।६१ आज
कीरतियानरहूँगी ॥ होरीकेदिवसठिठोरीमचैहौरारबढ़ै
हौजोकोरीकहूँगी १ रसमेंकुरसअवसकैजैहैवरबसदु
खहियमाहिंलहूँगी ॥ बरजोरीतुमहोरीखिलैहौ गारीसु
नैहौ सोनाहिंसहूँगी २ आपदेहौऔरनतेदिवैहौगा
रीसारी सुनिजियमेंदहूँगी ॥ तुममाननवारेनहिंप्यारे
वाहीकरोगेजोमैंनचहूँगी ३ लखिमेरोरंगकुरंगलोग
सब अनखैहैंदुखतातलहूँगी ॥ नाथहाथमेरोछांड़ोसाँ
वरो नाहींतोसबतेपुकारकहूँगी ४।६२ ॥ झँझौटी॥
होरीखेलतहैंपियप्यारी जियकरिउमंग ॥ मोतियनमाँ
गमनहुँबकपंगति केशघटाअँधियारी । दामिनिजो
तिहोतिभामिनिके बेसरनकीउजियारी ॥ गरजनमृदं
ग १ झिरझिरझरतझीनझीसीसम पिचकारीकी

धारी। केसरधारफुहारपरतहैं कीचअरगजाकीसारी॥
बरसतजोरंग २ कुसुमितचीरकीद्युतिमहिपरशोभित
सबब्रजनारी। बीरबहूटिनकीअवलीभली छूटरहींदि
शिचारी॥अतिहीसुरंग ३ नाचतमोरसमानगानमानो
कोकिलकीधुनिप्यारी। होरीकरीबरषासमगोरी नाथ
साथबलिहारी॥ लखिछकिअनंग ४। ६३ तेरेजोबन
कीछबिन्यारी दिनादिनउतंग॥ श्वेतमहीननवीनकंचु
की कसकररुचिरसवांरी। मानहुँशिखरसंगमरमरके
तनिकनहींजहँछारी॥अतिशयसुरंग १ हरितहरितबूटी
तरिवरसम मालविशालसँवारी। मानहुँलतापतासब
सुन्दर भूषनगनजियधारी॥ बनचरविहंग २ टँकीबेलि
चहुँओरकोरपर विविधसुगंधनिडारी। चंदनकीडारी
सोइप्यारी अलकछलकछबिवारी॥ मानहुँभुअंग ३ भ्रू
रनासमलागतअतिसुन्दरचहुंदिशिटँकीकिनारी। ताबि
चखासीनकासीलहरिया लहरतिअतिरुचिकारी॥ लह
रीतरंग ४ अँगियाजोबनजोरकोरते मसाकिगईजहँका
री। सोइसुघरगिरिवरबिचसोहत मनहुँगुफाअँधिया
री॥लागतकुरंग ५ ललितश्वेतगलकेजुगनुनकी इतउ
तकीदौंरारी। अस्ताचलउदयाचलपैमनो बिहरतगगन
बिहारी॥चढ़िमृगतुरंग ६ यहगढ़अचढ़चढ़नचाहतम
न कैसेचढ़ैडरभारी। पैड़ीबेड़ीरोमराजकीखंदकनाभि
अँधारी॥ लखिअंगभंग ७ गोरीतेरेजोबनहोरीमें गि
रहूँकीछबिटारी। गावैयहगुनगाथकहाँलगि नाथजात
बलिहारी॥ तनतनउमंग ८। ६४ छबीलीजोबनवा

ली मनमेरोछरी ॥ गोलकपोलकेऊपरकारे तिल
कीरेखपरी १ दानाजानडड़ेपंछीमन तुरतहिंलपकिधरी
२ बैठतहीफँसरीजुलफनकी बाँधिकैकैदकरी ३ नाथ
साथतजिजायकहांअब फँसरीकठिनपरी ४। ६५
नोकीलीअँखियनवारीजियमेरोहनी। भौंहकमानबान
अँखियनकीतीखीकोरअनी १ तापरकोरदुहुंनछतियन
की बरछीमनहुंतनी २ करतबिहाराशिकारमृगामन मा
रतचोटघनी ३ नाथसाथगोरीहोरीमें बधिकसेअधिकब
नी ४। ६६ ॥ चोटीलीचितवनवाली जियमारचली।
आंखेंबिशालबंदूकबनीअतिसुन्दरसीदुनली १ पुतरी
दोऊस्याहसुथरीसी गोलीमनहुंढली २ कोरपलीतारंज
कअंजन चीत्ताचितहिछली ३ नाथसाथबनिप्यारीशि
कारी होरीमेंनिकली ४। ६७ रसीलीसैननिवारी हि
यछेदकरी। रोरीआड़आड़बीछूसम अँखियनकोरखरी १
तापरतेबरुनीअरुनीजो सूईश्रुभीबिषरी २ कांटानाग
फनीसीअनीहै सांगसुसानधरी ३ नाथसाथएहिहोरीमें
गोरी साजासिपाहीभरी ४। ६८ तोरीलाली मोहिंनीकी
लगतुहै कहांमलायेहोगाललाल। मनरंजनअंजनअ
धरनपै खंजनदृगनिलगायेलाल १ तापरतेनखरेखदेख
सखि ताहिगुलालछिपायेलाल २ बालकीबेंदीभालबिच
सोहैदिनहीमेंचंदउगायेलाल ३ नाथतुम्हेंब्रजबालललाल
कहें नामसुफलकरवायेलाल ४।६९ भोलीभालीयहबा
लासुरति हियेसांवलियाकीसमाईआज। सोहैगुलाल
भालबिचबेंदी चमकजुन्हैयाजनाईआज १ रदछदविश

दकपोलगोलपैचंददुचंदकीनाईत्र्प्राज २ दिवसहिंनिशि
करदीन्हीललाजू बोलतलेतजम्हाईत्र्प्राज ३ नाथतुम्हें
कोउगोरीनेहोरी बरजोरीतेखेलाईत्र्प्राज४।७०॥ सोरठ॥
कालिंगड़ा॥ लरिकाईतैंनेत्र्प्राजकईरे । घरबाहरहरजनके
सोंही तिरछौंहीचितईरे १ हौंतोगईकरगईपुनितापै त्र्प्रँ
चरामेरोगहिलईरे २ मटाकिमटाकिमटकीभरिरँगते नख
शिखतेभिजईरे ३ नाथसाथगोपिनकेगारीदैदैतारीदईरे
४।७१॥ सोरठ॥ ललामोपैमतिरँगडारोजी सासुह
मारीलरैगीत्र्प्राज । ननदजेठानीबड़ीदुखदानी नेकबि
चारोजी १ सारीहमारीहजारीनईहै एहिनबिगारोजी२
नाथहाथजोरनतेनमानै जसमतवारोजी ३।७२ यमु
नातटपनिघटपैत्र्प्राज जात्र्प्रोजनिकोईरी॥ ग्वालबालसँ
गलालकेलागेचहुंदिशिगोईरी।कोईपिचकारीसारीकोई
रंगसजोईरी२सोईकरतधरतहठजोई नइतियजोईरी३
छेंड़छांडबिनुनाथनछांड़त लाजहिखोईरी ४।७३
लागीरीकहींडफबाजन । नईनईगतिजतिसाथसखी
री त्र्प्रौरहुसुंदरसाजन १ थापसुनतमोहिंत्र्प्रापब्या
पगइ त्र्प्रापीबजावतसाजन २ चलसखिदेखपरेखभेख
धर होउभागकीभाजन ३ नाथसाथसबहिलिमिलित्र्प्रा
ली खेलोफागतजिलाजन ४।७४ सखीरीकहींबाजत
हैडफताल । वृन्दाबनकीत्र्प्रोरशोरयह धुनसुनगुनकर
ख्याल १ खेलैंफागत्र्प्रनुरागसहितनित क्यायुवतीक्या
बाल। हमरेश्यामश्यामउरकीन्हे त्र्प्रौरनकोकरिलाल २
त्र्प्रतित्र्प्रनुकूलकूलयमुनाके गावैंबजावैंग्वाल । सुनिसु

निर्मोहिंविषमूलशूलसम उठतहूलउरशाल ३ होलीके तरसनबरसनते दरसनहूंकोअकाल । नाथसाथकब हींतोमिलैहैं लैहैंकसरनिकाल ४ । ७५ येरीयेरीच लोखेलियेकाहिंहोरी । जहांमिलेंछबीलीगोरी ॥ यमुना तटपनिघटकीओरी । आवतुहैंविसभोरी ॥ सखियांबे सकीथोरी । कसमसैंसबैबरजोरी ॥ रंगगुलालडालभ रझोरी । पकरपकरझकझोरी ॥ अँगियामसकिगइको री । तोरीघातैंहैंनाथकरोरी ७६ येरीयेरीचलोघेरियेवह काला । जहांमिलेंअकेलेलाला ॥ कुंजनपुंजनमेंकहिंआ ली । ह्वैहैंफिरतबनमाली ॥ लीजेपकरकरहाली । सजस जीघुमोव्रजबाला ॥ लपटझपटझटपटपटतियकोलटप टवाहिबनाओ । सबहीजोनाचनचाओ ॥ करैंहाहातोना थगोपाला ७७ जोरीकरतनँदलाल लालमोरिबोरीपि छोरी । छोरीहैनीबीहमार मारकुंकुमझकझोरी ॥ झो रीभरिकेअबीरबीरसमनाथसजोरी ७८ चोरीमलतमुख लाललालकरधरबरजोरी । जोरीमिलेवोअकेल केलस बखेलकरोरी ॥ रोरीभरभरडाल डालकरनाथखिंचोरी ७९ मतिनिकसोआजकोउघरकेबहर । रोकेंटोकेंश्याम बिचबिचनगरिनकेंरीडहरडहर ॥ लालग्वालबालनकर मगपर होतसैरआलीटहरटहर । लैकरतालतालडफबं शीनाचैनाथनितठहरठहर ८० बलिहारीबिहारीतिहारी धनधन । अलबेलीफबनकिननारिसँवारिबनाईबनठन ॥ चूनरघनीओढ़नीशिरपै चमकेलालघनतारेछनछन । होहोहोरीपुकारतगोरी नाथसाथदौरीबौरीबनबन ८१

किनमारीआजापिचकारीतकतक। पियतनकजावलाखि
जैहैंकहींलखिछातीधकधक॥ दृगअलसातगातकंपित
अति डगमगातपगतेरोथकथक। सासुननदनदेनैनब
नैहैंनाथबहुतहीमचैहैंझकझक८२॥ सिन्धु॥ बरजोरी
कान्हमोतेकरेझकझक। मानोझकसीचढ़ीनाहककोदे
तमोहिंगारीबकबक॥ पानियांभरननिकलीरीघरनते घू
घटपटतेरीमुखढकढक। घुमाघुमाकरगेंदकुंकुमामारतना
थसोछातीतकतक ८३ जोरीकरतकान्हमोरीसखियनसे
चोरीमलतगुलालकरेछलपैछल। कसिकसिफेटेलपेटेपा
गकोहँसिहँसिमांगतदानफागको॥ होहोहोरीकहतमोरी
ओरीग्वालबालधायेरीदलपैदल। सैननतेसबहीसनका
रीरंगनभरिमारीपिचकारी॥ नाथहाथधरिधरिझटकारी
खायगईरीसखीबलपैबल ८४ पियाफागमचावतगैरनसे
लखजहरसीलहरचढ़ेदम्पैदम्। गायबजायरिझायस
वतिको नयेनयेभावबतायसुगातिको॥ आपनचैंसौतिन
कोनचावैं तालगावेंउठैसम्पैसम्। उनाहिंकरततर
मोहिंतरसावत हमधनघनअँशुवनबरसावत॥ नाथ
साथसपनेहुनखेलावत याहीबातपैउठैगम्पैगम् ८५
होरीखेलोआज बोचंचलपासचल् मतयामेंकरो नेक
हूचल्बिचल् । मानगुमानकरतदिनबीतेकातेरेहाथ
लहेरहेरीते ॥ निजहितमानमानमोरीबतियांछतियां
लगाओनजाओमचल् । जोबनबीतेजोबनबनऐहो
बनहूंकेऐहैंनजोतूबुलैहो ॥ नाथसाथगोरीहोरीमेंऐहो
पैहौसबैसुखव्हैहोअचल ८६ मेरेमुहँमेंगुलालमलेद

मूबदम् । जहांअपनेबेगानेसभीथेआदम् ॥ शोखीश
रारतकरतबहुतसी । छेंड़छांड़करठानेजुगतसी ॥ कोई
बातनाहिंमानेतनिकसी । सरकोझुकायामैंउस्केकदम् ॥
जोशकियेहुयेरंगकोडाले । होलीकेजोशचढ़ेहौंनिराले ॥
ढंगबेहोशहोशमेंआले।नाथसाथतेराअबतोअदम् ८७
बनकेबौरीसीदौरीफिरूँबनकेबन् । बेवतन्देखआयेहिर
नूगन्केगन् ॥ बेखबरदेखकरमुझकोशेरबबर।वोभीछूता
नहींछोड़तासूँघकर ॥ आहेस्वालाकादेखाउजालाइधर ।
जांचकरआंचकोतजादियातनकेतन् ॥ हारकरबैठूंगर
पेड़ोंकीसायातर।सरसेजरतकवोजरताहैआलाशजर ॥
नाथफागुनकेगुन्तोरहेमन्केमन् ८८ बनकेयोगिन्फि
रूँगीशहरदरशहर । सारेसहराबियाबाँबहरदरबहर ॥
अबतोतेरीजुदाईकीछाईअसर । जानलेनेमेंतूजानकी
नाकसर ॥ कहौंकैसेकरूँजिन्दगीकोबसर ॥ रोज़चढ़
तीजहरसीलहरदरलहर ॥ सेलहीअल्फीगलेकानोंकुं
डलहले । खाकतन्तन्मले करमेंखप्परजले ॥ नाथके
ध्यानलाऊँगीपेड़ोंतले । मैंजगाऊंगीअबतोअलखहर
पहर ८९ प्यारेहमसेखफाहोकेक्याहैनफा । हमतोमा
नेवफातेराजोरोजफा ॥ बदकलामीतेरीखुशकलामीगि
नें । नेकनामीसीऐगुलगुलामीगुनें ॥नाकदरतुझकोपाक
रकेसरकोधुनें । चाहेनाखुशहोखुशहोकहेंगेसफा ॥ बोल
नेकाजोखायाकसम्ऐसनम् । प्यारमुखकानहींकुछयही
हैकरम् ॥ होलीखेलोबहमछोड़दोसबवहम्। नाथपरकर
रहम्ऐतबीबेशफा ९० ॥ जंगला ॥ मनरंजननैनासवांर

काहूकोमारोगी। भौंहैंकमानतानबरबांकीचितवमतीरसु
धार। अंजनगुनडारोगी॥ अलकफंदगुदनादानासारुख
पटपरपरडार। पंछीमनधारोगी॥ अंजनरेखदेखअसला
गेजिमिखंजनदुमदार। काकेदुखटारोगी॥नाथसाथगोरी
होरीमें अबमतिखेलशिकार। चिउंटिनक्यामारोगी ६१
दोउखंजरभौंहैंचलाय कापैअजमाओगी ॥ बीरअबीर
सुसानधरीहै म्यानगुलाललगाय। काकोडरपाओगी॥
मूठीअनूठीआड़रोरीकी जीभीरेखबनाय। जंगीचमका
ओगी ॥ तापरकोरजोरछतियनकी दोहरीबरछीसजाय।
कापैचढ़धाओगी ॥ बरजोरीहोरीमेंगोरी नाथसाथनसु
हाय। यामेंक्यापाओगी ६२॥ गौरी ॥ लालनअबजनि
जियतरसाओ ॥ होरीरहीअबथोरीहीप्यारे चोरीही
आजखेलाओ। केसररंगअंगभयेतुमबिनु हिलिमिलि
चटकबनाओ ॥ घरकीराहलईसबदुर्जन साँझभईअ
बआओ। नाथसाथसुखलीजेदीजे फागकोरागसुना
ओ ६३ लालनशालनहियकोमिटाओ ॥ बहुतदिनन
तेंछिनाछिनकसकत अबजनियहअधिकाओ। भागुन
यहफागुनसुनप्यारेजियकीजरनजुड़ाओ ॥ नाथसाथहो
रीखेलनकी अबतोआशपुजाओ ६४ लालनअबजनि
फागमचाओ ॥ दिनभरफागखेलकरहारी नेकठहरिह
रिजाओ। सांझभईअबशीतसतावे नेकतरसनाहिंखा
ओ ॥ फड़कतअधरदंतकंपतअति छतियांलगिगरमा
ओ। सांझमांझसबसाजसजाये यहश्रमसफलकरा
ओ ॥ नाथसाथदिनहीदिनखेलिहौं सांझमांझमतिआ

श्रो ९५ लालनजोरीसेहोरीखेलावे॥ काहूमिसप्यारेका हूद्वारेलैलैनामबुलावे। श्रावेजोनारिश्रनारीबेचारी बा हरहारिधरिलावे॥ पायइकंतकंतसमबनिके नयेनयेरस उपजावे। नाथसाथपरवशपरबरबश सबहीनाचनचा वे ९६॥ सिन्धु भैरवी॥ दैयाबरबसफागखेलावतरे। नं दमहरकरकुंवरकान्ह॥ हौंसासुरेजातरहीप्रातही डग रबगरछिंकवावतरे। श्रौचकउचकधरीमोरीबहियां छ तियांसेछतियांलगावतरे॥ सगरेरंगइकसंगडालकरश्र बिरगुलालउड़ावतरे। नाथसाथश्रौरनकेछनछन लाख नगारीदिलावतरे ९७॥ भैरवी खेमटा॥ रातपैयांपरी ताहूपैनमानीरे॥ बरजोरीमोतेहोरीखेलाईजागतननद जेठानीरे। बहियांमोरझकझोरजगाई करिकरिऐंचाता नीरे॥ झुंकिझुंकिजातगातसबफिरके छिरकेगुलाबके पानीरे। नाथसाथकैसेनिबहैगी नितउठकीहलकानीरे ९८ श्राजपैयांपरोंसैयांमोसेबोलोना॥ जागजागमोसे फागखेलाई सारीरातकहींडोलोना। सगरीरैनकेनैनउ नींदे पटतेघूँघटखोलोना॥ उठहठछोड़तोड़जनिनिंदि या तुमहुँनींदएकसोलोना। नाथहाथदोउजोरिमनाऊं भोरहिरंगहिघोलोना ९९ देखोभोरेभिगोईमैंगोईबदन। बरजोरीकोईनन्दनदन॥ गोरेगोरेसंगछोरेछिछोरेचहुं श्रोरेमोरेवोधेरेसदन। नाथहाथकेसरपिचकारी मारीहै ताकितकिमातेमदन १०० देखोदेखोभोरेभोरेरारकरे। बरबसश्रँचराहमारधरे॥ होतप्रातयहघातलगावत गैलोंमेंज्योंबटमारकरे। करधरकहतचलोकुंजनमें हो

रीकेगोरीबिहारकरे ॥ बँसियाबजायभयेनयेरसियाबा
तेंकरेज्योंगँवारकरे । नाथहाथधरिजोललकारों तो
यशुदासेपुकारकरे १ जागोजागोरेबलमाभोरभयेरे ।
घरमेंकेलोगवाजागगयेरे ॥ मोतीबेसरकीतरअधरन
पर छतियांकेजोबनाजुड़ायगयेरे । दीपकजोतिहोतिअ
तिमंदी चहचहचिरैयामचायदयेरे ॥ चंदमंदआकाश
उजारा ताराभीनिजनिजराहलयेरे । नाथसाथतेरोजा
तनछोड़ो प्रेमनिगोड़ोनयेनयेरे २ ॥ खेमटा ॥ काहूकच्ची
कलीमतितोड़ेरे ॥ येकलियांछैहैंरँगरलियां प्रेमकोपा
नीनिचोड़ेरे । यादूरहितेदेखनलायक यामेंहाथजिन
छोड़ेरे ॥ खिलिहैंतोमिलिहैंरसनीके धरधीरजदिनथो
ड़ेरे । नाथहाथखालीरहिजैहैं रसमेंकुरसानिगोड़ेरे ३ ॥
काफी ॥ मतवारीबनीपियप्यारी । उमगतउमंग ॥ प्रेमकी
मदमातीरँगराती करकंचनपिचकारी । कनककटोरारं
गनघोरा अतिफुरतीकरिडारी केसरसुरंग ॥ उझकति
झुकतिझूमिझपकतिझट झाँकिझाँकिहरबारी । रंग
हौजबिचमौजसाहितातित झोंकिझाँकिदेतारी नईनईत
रंग ॥ बड़ीबड़ीलैछड़ीकरनमें कसिकसिकाछसँवारी ।
सखियनसंगउतंगचलातिअति घूमतिभूमतिप्यारी
मानहुंमतंग ॥ रोकतिटोकतिसबहिबीचमग उमगिउ
मगिदैगारी। नाथसाथमिलिगयेरीअचानक भईहैअस
दमदवारी करिशिथिलअंग ४ ब्रजनारीअनारीसीडो
लैंरी । होरीकेउमग ॥ काछेकाछआछेकपड़नके कोड़न
करनसुधारी । भौहैंतानकमानककड़ीसी नैनसैनशरधा

री चढ़िमदकेतुरग॥ हाटबाटचौहटपनिघटतट औचट चोटनिमारी। कहीसुनीकाहूकीनमाने हाहाखिलावत सारी एकसँगलगलग॥ जोकोउबैनचैनकेबोले तोस खिसैननिमारी। तुरतहिनारिसँवारिबनावै नाचनचावै हरबारी सबरेमगमग॥ लैडफढोलबोलकरिऊँचे लाख नगारीनिकारी। चलियेनाथसाथमेरेउत करियेबातरु चिकारी लावैंइतठगठग ५॥ जंगला॥काहूकीदरदतुम्हें कहा।खेलिबेतेंगरजहै॥ कछुनहिंअंगरंगपाहिंचानत ना तोहिंढंगकछूरहा। साहितअँगूठीगुलालकीमूठी मलत अंगजोईलहा॥ सुधिआछतछतडारतजोबन जोबनके बासीमहा। नाथहाथकहिंजोचढ़िजैहौतौतेललाखैहौह हा ६ अबनरंगडारोलला।मोरीइतनीअरजहै॥पीतरंग भयेअंगशीतसे यामेंकहातेरोभला। कंपतगातबातन हिंआवत नैननहूंतेरंगढला॥हितसँगअनहितप्रीतिरी तिनहिं यहउलटीचालीचला। नाथहाथहौंलगिगइतेरे अबनफेरलागिहैंकला ७॥ भैरवी॥ बीरअबीरगुलालन केकननैननमाहिंसमायरही। आँखियनमाहिंफूंकदइस खियन ताहूपैबेदनपायरही॥ तकितकिकैसखिनीरकेत की उतकीउतछिरकायरही। खुलतननैनचैनलहेमोह नछतियाँछुवतधरकायरही। तापरनाथहाथधररोकत घरकेडरनडेरायरही ८ आजलालकीरँगीलीफबनमेरे नैनानिमाहिंसमायरही॥ कुलहीलाललालहीबागा ला लीचदरियासुहायरही। लालअलकरेशमकेजालसम मनपंछीकोबन्हायरही॥ लाललालडोरेदोउकोरे मनम

छरीकोफँसायरही। तारेसेनाथसँवारेसितारे लालीबद रियामेंछायरही ६॥ सोरठ॥ लाजभरीमोसोंहाँसीकरी मोपैंसह्योनजाय॥ तापरतेगुरुजनजनआगे वाकीकथ नबैननरसपागे। ह्वाहूपैंभौंहौंकीतेगैंचलाय मारेनैनाघु माय॥ पूँछततेरोनाथकौनहै पुनिपूछततेरेसाथकौनहै। चटकिमटकिमटकावैलला अँगुलीकोनचाय१०बैननते पुचकारीदईपिचकारीचलाय॥ बीचगैलयहछैलमहरि के सैलकरतनितटहरटहरके। निरखतहीनइनारीअना रीसाआवेजोधाय॥ देखततियहियमाहिंलगावे गालन ग्वालगुलालमलावे। घूमेंभूमेंनाथचूमेंपकर दोउबहिं याघुमाय ११ सैननतेसनकारीसबैरँगडारीबुलाय॥ प करपकरकरमोहिंघुमावे मूठिनमूठीगुलाललगावे। ल पटिभ्रपटिमुखचूमैंलला छतियाँसोंलगाय॥ मरदिमर दितनमेरोबेदरदी छायरहीछततनतनजरदी। कसकि मसकिमोहिंमारीछकाय नाथडारीथकाय १२ मैनन कीमदमातीसबै अँठिलातीगैंवारि॥ नखशिखसकलशिं गारबनाये रँगिरँगिसुघरमहावरपाये। अकड़अकड़ेंस बडोलैं कलोलैंकरैंरँगडारि॥ देखतहीपरदेशीदेशी कैंस हुकोउकुभेशीभेशी। नाथसाथमेरेवाहींचलो धरलावेंगँ वारि १३ तूकहापावेमोसोंअटकके आपीथकके॥ भाग जाओगेलाला नहींपाओगेबाला। तुमआओगेकाला मिलधाओगेग्वाला॥ दुखपैहौविशाला देहौगालीगा ला। नँदलालानमोहिंपैहोहालीहाला॥ नाथआपीतूजे हैसटकके १४ कैसेजाऊँमैंयासोंनिकलकेजियाछलके॥

केहिश्रोरीभजोंरीकाकीपौरीलगोंरी । जोराजोरीकरतमो सोंछोराछोरी । सारीबोरीपिछोरीछोरीदहीमोरी ॥ सखि साथतजोरीनाथकरेढिठोरीकहोकैसेबचोंगीसँभलके १ ५ ब्रजनारीशिकारीसीडोलेंरीहोरीकेदिवस ॥ भौंहेंकमान तानबरबाँकी बरुनिनबानसुधारी । श्रंजनलेखरेखसुर मनकी मनहुंदुगुनगुनडारी ॥ मारेसबकसकस १ ताप रतेश्रलकनकीछलकन फंदनमनहुँसँवारी । गुदनाबना कनादानासा मनपंछीगतिहारी ॥ करेसबहींश्रबस २ छतियनजोमरोमराजीयुत कोरजोरश्रतिभारी । भाला विशालादोफलवाला जाकीचोटचटकारी । जायँसबही हदस ३ चढ़ीतरंगतुरंगतरलपै श्रतिउमंगजियधारी । जाश्रोननाथकुंजपुंजनमें लगिहैनकछुहुशियारी॥ जैहौ परबसफँस ४ । ११६ ॥

हरिश्रष्टक॥

झंझोटी ॥ हरिनभजैवाकोमुखकारो । जोबसुयामनामन हिंलेती जीभनहींपनहींसीविचारो १ श्रधरत्रिशंकुस मानश्रधरवह जोनहिलतसुमिरतइकबारो । वाकीश्रांख पांखतितलीसी जोदीसीनहिंनन्ददुलारो २ नरियरके खोपड़ेसडेसे जोशिरफिरफिरप्रभुहिनडारो । सोकरगुनहु पंचशाखासम जोकरकरतनपूजनप्यारो ३ जोपदपदप्रभु धामनडोलहिं सोपदपाथरकाठसेभारो । तजिकुसाथक रिलेसुसाथश्रबभजहुनाथश्रजहूंमतवारो ४ । १ हरिनभ

जैमुखवाकोपनारो। सबहिंप्रकारविकारभरेमुख अतिअ
पकारअगारनिहारो १ पावनहोतनामपावनते पावनप
रिसतसंगसुधारो। नातरुयहपातरुसबहीते कातरु
सेजोनामबिसारो २ वादविवादवृथाबकवादहिपरुषबच
नघनखादसेडारो। निन्दाचुगलीमिलीमलिनसी नीच
बातजिमिकीचड़कारो ३ कुरसकुजससजसपूतिगंधह्वै क्रो
धपवनमनभवनबिगारो। कृष्णअँगारडारकरुनिर्मल
नाथयहीउपचारबिचारो ४। २ हरिनभजैवाकोमुखबां
बी। निकसतवचनभुअंगअंगतेडँसतनसततेहिकोउन
थांबी १ धामिनिसीकामिनिजगजानो बेनीजासुलूमहै
लांबी। बजैनजिमिबांसुरीसुरीली सनमुखतासुजाचाख
तआंबी २ रीझखीझजसबीजबोयहो वैसहितरुतोरेहि
तजांबी। हरियहबीजकल्पतरुवरके जिभियायहडिबि
याजिमितांबी ३ आननआननहींजेहिआगे सुथरीसी
पथरीगुरुपांबी। सुनुअनाथकेनाथभजेबिनु असमुख
परुषबिमुखदुनियांबी ४। ३ हरिनभजैवाकोमुखरूखो। ते
लफुलेलमेलचिकनाये चमकायेचिरचामसेसूखो १ ते
जदुचंदचंदराकाते हासविकासलसैजोमयूखो। तबहूंन
हिंकबहूंपावनको बिनुहरिभजनपुनीतपियूखो २ अधर
सुघररसकीउपमालहे कबिजनबरननजोगहेऊखो। सु
मिरनबिनुऊपरकेगुनसम अन्तरगुनजबहरिरसचूखो ३
भूंसिभूंसिश्वाननकीनाईं बरिआईघरघर फिरोभूखो।
प्रीतिसाथब्रजनाथअजहुँभज बकतवृथा मुखहूनाहिंदू
खो ४। ४ हरिनभजैमुखवाकोअँधारो। जाकीछबिरबिसी

फबिजगमें ताहुराहुअघअतिहिबिगारो १ जपतपसंय
मनेमप्रेमजेहिदानमानयुतदेतभँडारो। गुनगनग्रामधाम
ज्ञानहुंके तनमनतेजोतजतबिकारो २ परमपापपरिताप
तापत्रय दापमारिपुनिइन्द्रिनमारो। विशदविषादस्वाद
जगकोतजिसद्गतिसत्संगतिनतिधारो ३ पूजनभजन
साधुसेवनपै बिनुहरिभजनकहूँनसहारो। वृथावादबक
वादस्वादफँसिएकसाथनिजनाथबिसारो ४।५ हरिनभजै
वाकोमुखमारो। चिकनिचुपरिचमकायेबनाये जिमिक
लईठिकरापरसारो १ अद्भुतजोतिहोतिहीरनकी पैवह
डांकलगेद्युतिधारो। जातेमंदचंदहूलागै पैदिनकरकर
बिनुनउज्यारो २ दरपनबिचआपनमुखदेखत मानोकां
चमेंकांचनिहारो। काईजिमिछाईतड़ागबिच तेलमेल
करिखेलसेन्यारो ३ आनयतनरहेआनयुगनमें कलि
महँकेवलनामसहारो। असनरतेसुन्दरशुकसारिक
नाथनामजोपलनबिसारो ४।६ हरिहरिकहतलेत
हरिअघहरि हरिआलीपैतुखारसे। जिमिकुटकीकुटकी
जोतपेहैंतीनतापकेबुखारसे १ जिमिजवासपावसप्राव
तही सरसिजनिजझैकुखारसे। ज्योंदिनकरकररसची
जनकर आकरषतानितबिकारसे २ कालकालकरिकाल
गवांवत निकरिगयेदिनशिकारसे। धनहरिनामग्राम
उरअन्तर भरेसूमकेबखारसे ३ दुइआखरस्वरचतका
लागत भागतक्योंहरिउच्चारसे। कबहींकहींनाथकेका
नन भनकपरैगीपुकारसे ४।७ जोहरिजनहरिहरि
कहैंहरिबिन तौरहेहरिपुरठौरनहीं। ऐसोसुगमउपाय

पायनर फिरअपायक्योंगुनतमही १ टेरतहरिहेरत हरिकिंकर करधरधरलैजाततही। पापीपरितापीहूसुरापी आपीआपभजिजातवही २ थिरहरिनामधामसब सुखके जौंअकामभजिजायकही। रतिमतिअतिगति होतिजोतिजग इतउतऔरठौरसबही ३ यहकलिकाल करालब्यालसम जगजंगलबिशालजितही। एकहुबेर अबेरसबेरहु भजहुनाथसुखसबजगही ४। ८॥



अथगोचारनपंचरत्न॥

भैरव॥ मैयागोचारनकोजैहौंतूनउचारनकछूकरे। शुभसायतलहियतभागनते रोकटोकतेअशुभसरे॥ मोहिंबहुबातसुहातनमैया भोरसमैयारामहरे। ग्वालबाल सँगतापैदाऊ हाऊकहाउतहूनिकरे॥ नाथहाथधरिमहरिकहतकर ललाभलाजोइजानिपरे ४।१ जानेदेमैयागोचारनको कहाविचारनमाहिंपरी। बहुतसबेरोभयोउजेरो हरजनबोलतरामहरी॥ क्योंचुपसोईसुनिमुखगोई हौंगुपचुपनहिंबातकही। लालपागसजिग्वालबालसब निजनिकेतसंकेतभरी॥ छोरनसाथनाथबिनबूझेकिमि जैहौबहुरातपरी४।२॥भैरवी॥मैयामोरीगैयाबिछुरीजात। ग्वालबालसबहालगयेरीतूतोकहतकतरात॥गैयातुरायेजातरीमैया मोबिनुसुनुअफरात। बलभैयासुखदैयासँग करऔराहिजौंनपत्यात॥ मैयाबलैयालैमृदुबोली नाथहि कहिलेबात४।३॥ खेमटा॥ मैंतोगैयाचरावनजैहौंरी मैया

तिहारीपैयांपरूं ॥ भयोसबेरोअतिहीअबेरो ग्वालबाल किमिपैहोंरी । अतिरोकतटोकतनितानितही अबनमि ठीतोहिदैहोंरी ॥ केतहुफुसलावेबहलावे तेरीसीखनहिं लैहोंरी । अबब्रजनाथसाथहीस्वैहों तोरीपौरीनहिंऐहों री ४।४॥ ईमन॥ गोधूरीभूरीभरिमोहन आवतगोधूरी कीसमैया। श्यामसुघनपरमानोबादरी निदरीजिंगनग नहिजुन्हैया॥ लसतबुलाकचलाकबकीशिशुबिंबअधर रसकेजोचखैया। कारीभूरीधौरीधूमरी गोहरावतआव तनिजगैया ॥ मृदुअंचलपोंछतमुखचंचल मातसाथ सुखलेतबलैया ४।५॥

---०---

वृन्दावनपंचरत्न॥

मल्लार॥ वृन्दाविपिनविराजराजब्रज नितनवऋतु दरशायरहीरी । थोरभोरऋतुराजविराजत दुपहरग रमीछायरहीरी १ सांझमांझपावसरसविलसत निशि ऋतुशरदसुहायरहीरी २ निशिआधीलसिहिमऋतु हितुसम शिशिरभोरशिरआयरहीरी । ३ अतुलित ललितमिलितमुकुलिततन लखिरतिनाथलुभायरही री ४।१॥ चंचरीक ॥ वृन्दाबनसघनकुंज गोपीगनपुहु पपुंजमातेमधुभांतिगुंज गुंजमालधारी । सुन्दरअनु रागबाग राजितरसकेतड़ाग गुनगनघनवनविभाग आनँदनदभारी १ तरुनीतरुलताबांह शोभितजि तबसनछांह रंगराहमांहमें किनारीछबिनारी। साधु

सन्तऋतुवसन्त बुधजनखगमृगलसन्त एकतन्त
मारुतमुद सुखकरसुखकारी २ शरदचन्दतेदुचन्द ल
सतविमलयुगलचन्द वृन्दावनचन्द वन्दनीयपीयप्या
री। बासीजनप्रेमपाल खासीछबिग्वालबाल ज्ञानध्यान
वरविशाल बछड़ाबनचारी ३ मोहमंजुविपिनमुंज सज
तसुकृतसुरभिपुंज दावानलदुरितलुंज भंजपीयडारी।
गोपीगुनगाथनाथ गावतिअतिप्रीतिसाथ धरिधरिहरि
हाथ सदारासमुखविहारी ४।२॥ ईमन॥ वृन्दाबनप्रेमी
नेमीबन बिहरोमनक्योंबिलमकरोजू। अनधनजनवारहु
सबआपन पनकरिजायवहींविचरोजू॥ अचपलकेहरि
पलभजुहरिहरि तौचारोफलगोदभरोजू। कुंजकुटीरसी
रयमुनाके नाकेपैबासितापहरोजू॥ नाथहाथचढिजैहैं
अचानक तौबानिकबनिहैसगरोजू ४।३ धनधनजनवृ
न्दाबनबासी नन्दनदनसुखसदनउपासी। जेहिदरसत
परसतसुखसरसत सतसंगतिगतिपावतखासी १ छूट
तचौरासीयमफांसी सुखरासीनितरहतहुलासी। बरसत
अमीकमीनकछूजित तरसतसततसुरधामनिवासी २ सप
नेहुलेशकलेशकोनाहीं जेहिचहुँदिकअणिमादिकदासी।
बिलसतसन्तवसन्तनिरन्तर जासुअन्तनाहिंअतिअवि
नासी ३ जोधावतपावतचितचाहत जेमनवचरचरहत
सुआसी। नाथहाथलगिजातकभीके नीकेजोसेवतबिस
वासी ४।४॥ बंगालीभाषाकीभैरवीवामह्लार॥वृन्दाबोनेजा
बोआमी भालीफलोपाइबोरे। गोविन्देरगुनोगाइबोतार
भालोभोगपाइबो खोनेखोनेदोरोसोनोदे वेनराधामाधो

रे १ शकुलीबैकुंठेरफलो शेइथलेलेबो अचल अन्योकिछु कम्मोधम्मोमनेनाहीभाविबोरे २ इन्द्राशनेरसुखो एना रआगेलोघुमानिबोरे जोमुनारजलोपाने अमृतलजाइ बोरे ३ श्रीब्रजनाथेरसाथे भालोसुखआमारहाथे कीको रबोरे आमीसोर्गेयदिजाइबोरे ४। ५॥

—o—

कज्जलिकाष्टक॥

देखोश्यामाजीकेपायलबाजरही॥ एकएकवोरकेओ रकरोरनि हंसबंसगतिलाजरही। कोकिलमोरशोरसब भूले धुनिसुनिमोहिसमाजरही॥ झुँकिझुँकिझोंकिझुला वतअतिहीपावनतेगतिसाजरही। नाथसाथसुखसरसत बरसत घनविचविजुरीसीभाजरही४।१ सुरंगहिंडोलना झुलतमोरिश्यामा। हुलसिझुलावेंसबदेवताकीबामा॥ पावनते अतिउचकतिमचकति लचकतिकमरसुघरवर छामा १ कालीलालीनीलीपीली चटकचुँदरियासांझेघ नमांझेबिजुलीसीअभिरामा २ मानहुँमायाकीकलावि मलासीसोहैंसंगमोहैंमनसारीब्रजबामा ३ सबब्रजनाथ साथसुखराचैं माचैंअतिकजरीबिहारकरैंभामा ४। २ बनबनकरहुविहार सुनरेसांवली॥घनअमरैयाछैयाँसि यरीकदमकी दमकीदामिनिउजियार सुनरेसांवली बन बन० १ एकओरमांचेघनघोरवाकेशोरवा एकओरमोर वापुकार सु० बन० २ एकओरझरनाझरतागिरिवरतर एकओरयमुनाकीधार सु० बन० ३ नाथकेसाथसबैहि

लमिलके खेलहुकजरीबहार सु० बन ४। ३ बितिजैहैं कजरीबहारसुनरेसांवली ॥ यहदिनबहुतदिननपरऐहै पछितैहौजियरातुहार सु० १ जोबनधनघनसारसेहोइहै उड़िजैहैं देहैंतोहिंखार सु० २मानोबातमोरीगोरीमानत जोरी चाँदनीथोरीदिनचार सु० ३ नाथकेसाथडारगल बहियाँ छहियाँछहियाँकरहुबिहार सु०४।४ अनियाँकाहे कोतूतानेमोरीओरीधनियाँ ॥ सौंहैंकरिभौंहैंदोनोंसजि केसिरोहीसीजियरासिरोहीमारेविनुपनियाँ १ खोटीवि नुकीन्हेकरेचोटीतोरीचोटीरे बोटीबोटीफड़कैतोरीसुख दनियाँ २ छतियाँकीकोरेतोरेदोहरीबरछियारेआँखिया कटरियाबूँदीकीखनियाँ ३ गोदनाकनासावनासोहै मानोंदानारे नाथमनपंछीकोफँसावैबनियाँ ४।५ तो रीआँखियाँकीकोरेमोरेचुभैछतियाँ ॥ छुरियाकटरियाब रछियाकीअनियारे विषकीबुझाईतिरियाकीगाँसिया १ एकसंगजोरेकोरेतनिकसिकोरेरे सूईदूईतनीनागफनी जतिया २ कसकसकसकैरेधँसधँसहियरारे धसकतजियरामोरादिनरातिया ३ अमृतसीगोरीतोरीछतियाँकी बुँदियारे नाथउरलागेभागेदुरगातिया ४।६ बरसोंसेकहै आलीआऊँगीमैंपरसों॥ भितराँसेकहैनाहींकहतिऊपर सों। सावनसुहावनकेसुखमनभावन यहसुखआवनके नाहींपियपरसों १ कुंजनकुंजनबिचगुंजनभँवरके कूल नकूलनभरेफूलनकेदरसों २ यहहरियरीअरीफिरनाहीं लैहौ तरसैहौपैहौनपवनहुसुघरसों ३ नाथकेसाथमिलि हुजैहैंकबहूँ यहसबसुखनाहींऐहैंतोरेडरसों ४।७ साव

नसुहावनकीतिजियाहैकलसों ॥ अबमोहिंभुलुआभु लाओप्यारेकलसों । कोरवांबैठायपियामारतभकोरवा शोरवाकरतउरलागतहैकलसों १ बेदननजानैनानिबेद नहुमानै खेदनपहिचानैबकतबिकलसों २सैयांगुसैयांपै यांपरेहुनमानैजियाबिचजानैकरैनखरानकलसों ३ नाथ केसाथबेहालभईरेजियामोरांउड़तरहतहैतुकलसों ४।८

—०—

बिरहकउजलिकाष्टक ॥

टेक ॥ मोकोसावननासुहावनमनभावनकेविना ॥ नितसांभेभोरवारेमोरवाकेशोरवारे नेकोनीकनाहींतल फावनकेविना १ लखतहिंडोरामोरेउठतमरोरारे कल नाहींथोरातरसावनकेविना २ तापैउठैदैयापुरवैयाको भँकोरारे तनतनछोड़ेनाकपावनकेविना ३ सखियाके भूलनकजरियाकेखेलन विषसमलागेनाथ आवन केविना ४ । १ मोकोभावैनाभवन मनभावनकेवि ना । बरुघनबनबिचहरछनबसिये होघरनाहींछांड़ेतल फावनकेविना १ रैनअँधेरियातापैकारीरेबदरियारे रहे नबिजुलियाडरपावनकेविना २ उठतिलहरियादूनीलाखि सूनीसेजियारे नाहींमानेजियातरसावनकेविना ३ दवर दवरमनभँवरनमानैरे नाथकेकमलपदपावनकेविना ४।२ अबतोकूबरिहोइहैंहोसगरीब्रजकीगुजरी। निहुरिनिहुरि ब्रजकीगलियाँ कँहँरिकँहँरिडोलिहैंअलियाँ १ पहिरिपहि रिसुन्दरसारियाचादरियाउजरी २ मधुकरहारितोरीजाति

या कहुउनसेमोरीबतिया ३ नाथहाथअजहूंतोलागो गु
जरीसोगुजरी ४। ३ पियबिनुबाउरिभैलीहो सगरोजग
केलेखवाँ। सँगकीहेलियामेलिया ॥ पिअसँगसबअल
बेलिया १ मिलिजुलिबोलियामारैलखिलखिमैलेभेख
वाँ २ ढीलीभइलअँगियामुँदरीमैलीभैलीचुँदरी ३ नाथ
साथबिनुनसनसऐसेजैसेरेखवाँ ४। ४ आहाहोसावन
बरसेपियाबिनृतरसेजियामोर। जियरातरसेअँखियाब
रसेहियराबेदनसरसे १ बीतेरीतेरीकईबरसेंसपन्योपि
यनाहींदरसे २ मेघवाहरिसेजानिहोरछनछनबुंदियाछन
केजैसे तातेतवाकेपरसे ३ तैसेअँसुआउरऊपरसे नाथ
साथबिनदरसेबिनापर्सेंचितचोर४। ५ आहाहोदामिन्
दम्केपियाबिन्चम्केजियामोर। एकओरदामिनदम्द
म्दम्केएकओरमेघवाघम्के १ एक्ओरबदराझम्झम्
झम्केएक्ओरबिछुआछम्के। थम्थम्उठतमरोर २ ता
पैयहपुरवैयादैया दुखदैयाझकझोरे ३ बहतरसैयानाहीं
अवैयानाथसाथकिमिहोरे॥होइगोनैनाघनघोर४। ६॥

रामकज्जलिकाष्टक॥

चहहुअरामतौतोरामरामजप्रे। नाहींतोहरामखो
रीजिभियाकोतप्रे॥ परानिन्दासेकबौंनाशरमिन्दा रि
न्दारिन्दादाँतनकेतरेपरेचप्रे १ चुगलीचटोरीकरतिब
रजोरीपापिनिसापिनियाँसीकिरैलपलप्रे २ वानरगीधअ
सुरसुरकीन्हेचीन्हेनिजजनतेहिदीन्हेफलतप्रे ३ केते

अनाथसनाथभयेरे ऐसेनिजनाथहितजिकरेगपरे ४। १
जसअभिरामजोचहोतोकहोरामराम । जगकेजंजालसे
रहौहौमनलामलाम ॥तनहैनिकामजामेंभरेसबचामचा
म१ अवगुनकेग्रामयामेंदेखेसबठामठाम२प्रीतिसाथभ
जोरघुनाथहिकेनामनाम३जनमजनमपैहौमेहनतिदाम
दाम ४। २ जौपैजानकीजीवनको जीवनसेतूमान । तो
राजेहैदुखहोइहैसुख जगबिचमान ॥ रखवारीभारीकरि
हैलेके बानऔकमान । यशदेहैतोरेजियाके पुजेहैं अर
मान १ सन्तनमेंधनधन होइहैसनमान। सबसुरगनहू
में कबौंहोइहौमेहमान २ इहांपालकीपैचालिहौउहांचढ़ि
होबिमान। होइहैअनधनजनसुनसुखहूअमान ३ जग
केबिषयबिषतजहुगुमान । नाथहीकेसाथरहिहौनित
हितकेसमान ४। ३ रघुराईकीहिताईसोंमिठाईसममा
न। नरनारीकीमिताईसोंतिताईसीनिदान॥ हरिजनगु
रुजनहलुवाईसेसुहान । तुलाआगमानिगमबटाथिरता
दुकान १ बिरदबताशाबरआशाकीअम्रिरती यशकीज
लेबीसेवसेवाकेसमान।बुधिकरबुँदियासुखकरघेवर बिश
दबिमलताकीबालूसाहीजान २ खेमकेखुरमाख्यालके
खाजा भक्तिकीफेनीमोदमोदकप्रमान । गुनकेगुलाबजा
मुनप्रेमकोपेड़ा चारोफलभलबरफीसेपहिचान ३ मोह
केपैसादेवेंलेवेंजोसुजान । सौदाहाथहीकेहाथयेहीनाथ
जूकीबान ४।४ सीतापतिकेहेतोरीपतिरहिजाईरे।जिभि
यातूएतीसीखचीखज्योंमिठाईरे ॥ नयेनयेपापतापजो
व्यापे सोउसबआपहिआपनशाईरे १ सबअपराधअग

धबिलैहैं साधुनमेंहोइहैतोरीनितहीबड़ाईरे २ जिमिकुब
रनसुबरनघनताये कुंदनबनायेचमकतचहुँराईरे ३ ति
मिरघुनाथगाथनितगाये भजनखटाईसनामिटिहैखोटाई
रे ४। ५ सीतापातिरटेकटेश्रापतिबिशेखे॥सीधीसीधीजु
गुतिकरेनकेहिलेखे। मेहनातिकरकछुकामहुनाहीं प्रभुर
तिचहतजपतकररेखे १ केतेपरितापीपापीश्रापीश्राप
तरिगये भयेबहुव्यापीनामजापीजगदेखे २ जपतमरा
मरालहेउश्रमरपद रामनामकेजोकामकोउनपरेखे ३
नाथसाथहितभजतनकबहीं ठगतफिरतजगसाधुनके
भेखे४।६ श्रबनबनीतोबनीकौनेपनमें॥ लरिकाइखेलखे
लाइमेंगँवाइरेसारीतरुनाइकोबिताइतियगनमें १ तेरश्र
धेरपनाघरकोजेंकहतश्रबहिंतौश्रबेरभजनमें २ छाईबु
ढ़ाईतबौंनाहिंसूझीरघुराईजूकीनभजाईहैसपनमें ३ नाथ
केकबौंगुणगाथनगायेहाथनश्रायेकछुरहिदुरजनमें ४।७
तोसेनकहीतोकहीकौनेजनसे॥ सुनियततुहींतीनोंलोक
केठाकुर तोहिंतजिकहौंकौनेधनीगुनीगनसे १ चिन्ताम
नितजिहेरतकचमनियाँ चन्दाकीचँदनियाँनहोइतारा
गनसे २ श्रमितश्रमृततजिचाहेचितमाहुर सिंहकेशर
नतजिहितकुकुरनसे ३ नाथहाथकवनहुविधिपकरहु
नाहींश्रबहाथधोवहुनिजपनसे ४। ८॥

—०—

धनुर्यज्ञसोहराष्टक॥

श्राजजनकमहराजके राजतमखसखि। सुफलकरहु

दोउऋँखियन सखियनलखिलखि ॥ धनुषयज्ञबिचसज्ञ
सकलसुरनरमुनि । सीयस्वयंबरशुभवरआयउसुनिसु
नि ॥ देशदेशकरनृपवर सुरवरनरजहँ । बदलबदलनि
जभेषदेखअसुरहुतहँ ॥ नृपअनुशासनआसन दासन
सबदिये । उचितउचितचितहितयुतअतिआदरकिये ॥
मंचनबिचकंचनकरवरआसनइक । मुनिनाथहिदोउआ
तहिबैठारेउनिक १ सहितसनेहबिदेहजूभाटबुलायऊ । प
नआपनहितभाषनभलेहिंबुझायऊ ॥ बंदीजनप्रतिजन
प्रतिअतिपुलकिततन । भुजउठाइसमुझाइबुझाइसभा
जन ॥ यहशंकरकरधनुबरजेधरभाँजई । जानअजानहुजा
नकीतेहिबरसाजई ॥ सुनिसुनिगुनिगुनिनिगुनिहु भूपति
धायउ । तमकिचमकिधनुपरसाहिंनाहिंटसकायउ ॥ जेमे
हमानसुजानसेदूरहितेंलखि । नाथहिहाथहिंजोरिमोरि
मुखपतिराखि २ जनकठनकयुतबचनहिसबहिंसुनायउ ।
महिमहिनहिंकोउबीर धीरनतुजायउ ॥ घरहिंजाहुसबका
हुलाहुयहकाहुन । हमरेजानअजानसुजानहुपाहुन ॥ बै
देहीकरब्याहचाहनहिंविधिवर । बरुरहेबारिकुँआरिआ
रिनहिंकछुडर ॥ अनमनमनभयेलछिमन बचनरचनसु
नि । बातनसोधसक्रोध कहतचुनिचुनिगुनि ॥ किनर
घुनाथकेसाथ कुरुखमुखखोलेउ । जनकसनकबसअन
रस कसअसबोलेउ ३ जौंअनुशासननाथके नेकहुपाव
हुँ । जन्तुतन्तुसमसाँचेहु फूंकिउड़ावहुँ ॥ जगतउजागर
आगर शीलकेसागर । रामसकलगुनधामकामप्रदना
गर ॥ प्रभुनिजअनुजहिंतुरतहिं नैननसैनन । हेरेउफेरि

तरेरेउ बोलेउहितसन ॥ आननकोउबलवानहु आनन
खोलेउ । भूपचमूपचकिताचित जिततितडोलेउ ॥ कौ
शिकहीनिकलागेउ जनकलजायउ । रानिनकीहैरानिन
नाथदुरायउ ४ । ४ कौशिकनिकबानीसन कहेउसुराम
हिं । तनिकनलावहुबेर हेरनिजकामहिं ॥ सुनहुरामगु
नग्राम कामरिपुचापहिं । तूरकरहुसबदूर जनकपरिता
पहिं ॥ निजहाथहिरघुनाथजू धनुषउठायउ । तीनखंड
करिडारेउ केहुनलखायउ ॥ घोरशोरचहुँओर मेघघह
रायउ । जयतिजयतिनतिसाथ भुवनभरिछायउ ॥ स
ज्जनजनमनआनँद मूढ़नकेमन । नाथसाथकरसमर
सीयलैहौंठन ॥ संगसहेलीनवेलीसीअति अलबेलीसी।
जनुत्रिभुवनकोसिंगार सँवारसकेलीसी॥ मानसहितजा
नकिहिं अलीसबलैचली । सकलसभामनमोहिनि सो
हिनिसीभली ॥ द्वारीबद्रीदरीकीसी मंडपनभसम। ज
नुकढ़ेपूरनचंदकिरनयुतचमचम॥ प्रभुहिंडालजयमाल
बेहालपरसपर । बरसावतसुरसुमन जयतिजैजैकर ॥
४ । ३२ करजयमालबिशालसे फबिछबिसींवसी । ना
थकेगावतगाथ रागरसनींवसी॥ धनुषभंगसुनिमुनिवर
परशुपतंगसे । रंगभंगकरिबेकहँ आयेकुरंगसे ॥ अंग
अंगवरफरकत जंगकरनाहित। फरसाकरधरचोख सरो
खचपलचित ॥ कूरकुटिलखलहरषेउ भलनृपडरपेउ।
तातसहितकहिनाम प्रनामहिअरपेउ॥आठोदेहविदेहजु
आयनवायऊ॥सियकरशीशभुँकाय अशीशादिवायऊ॥
सबसखिसंशयमोच शोचपितुवरतजे । लखिरघुनाथ

हिंकुपित कँपितसबनृपभजे ७ मुनिबरठनकजनकस न बचनउचारेउ। दृगविशालअतिलाल कुठारसुधारे उ ॥ कहतकहागंभीरभीरबीरनकर । नतहोइविधिव तबरनेउ जनकनृपतिवर ॥ कौशिकतिकउतआयउ मि लेउमुदितचित। बोलेपरशुप्रचंड खंडधनुलखितित ॥ जेशिवधनुषअनुषदले तेममरिपुसम । सहसबाहुसम बाहु तासुकाटबहम ॥ लाखनवचनलखनलखिमाखन तेंकहे । सैनसाथरघुनाथकहे तबचुपरहे ४। ६ युग लहाथरघुनाथजूजोरेआयउ। अतिनतिसाथवचनवरमु निहिसुनायउ॥ यहअपराधअगाध भयउकोउदासतें। कीजियजियजोइभावहि खासहुलासतें ॥ कीन्हेउबाल कुचालजे क्षमियमहामुनि । लालनपालनयोग भोग युतशिशुगुनि॥मुनिनिजधनुदियेरामाहिंअबहिंचढ़ावऊ। तबजानबमनमानब प्रभुमाहिआयऊ॥ छुअततुरतधनु चाढ़िगये नतियुतमुनिगये । जैजैजैरघुनाथजगतधनि धनिभये ४॥

—०—

रासपंचरत्न॥

चंचरीक ॥ बृन्दावनघनमझार झारफूलफलसुडार नन्दकेकुमारमार मूरतिगतिनांचे। सुन्दरयमुनाकिनार नारनदअनँदबहार थलविहारदेखिहार नन्दनवनकां चे॥ राकाशशिनिशिविकास ब्रह्मकेप्रकासभास तारागनसारानिजमायारचिसाँचे । वनचरनभचरसुवासचहुं

दिशिनिशिलसिसुवास वाहींतियहियहुलास रासखास रँचे॥ थलकलोलरचितगोल दूजोविधुजनुअडोल फटिकवेदिकाअमोल मंजुलमानिखांचे। भुमरततितलता छाहँ घुमरतरततियनिमाहँ बिचबिचगलबांहनिजअनूपरूपजांचे॥ धुधुकटाधिधिकटाधिलांग धिटिकिटिधाधाधिलांग तिटिकिटिकरतालताल रवविशालमांचे। तीन ग्रामसप्तसुरनमुर्छनइकईसबरन ऐसेतालकौनजौननाथसाथबांचे १ खम्माच॥ यदुवरानिरततताथेई। थेइथेइथेइथेइथेइतत्ततात तत्तत्थेइयाथेई॥ झननन्झननन् छननन्छननन् रुनुझुनुरुनुझुनुनूपुरसुहात झम्झम्झमाक छम्छम्छमाक छम्छिर्रछिर्रछेई। गतिरंगरंगबाजतमृदंग धुधुकटधिधिकटधाधाधिलंग धुक्कटाधिटिकिटिधिटिकिटिधिलांग किटिकिटिधाधाधेई॥ गाघीमुखगाघीमुखकुण्डकुण्डकिणकिण बजतबीनअतिगतिन वीन तिटिकिटितिटिकिटिकरतालतालअतिहींउताल गातिदेई। युगजोरिहाथसखियनकेसाथ गावतहैंगाथ प्यारीकेनाथ केकीकलापधौंइन्द्रचापऐसोमिलापरसलेई॥यदुवरनटवरबानिनांचे। थेइथेइथेइथेइततताथेइथेइताताथेइयाताताथेइयाथेइयाततात् ततततत्ततततत्ततततत्थेइथेइपटतारतारपगजांचे १ झम्झमकिझमकिछम्छमकिछमकिछम्छम्छम्छम्झम्झम्झम्झम्झन्झन्झनाकछन्छन्छनाकनूपुरपुररवअसमांचे। झुनुनुंझुनुनुंझुनुनुंझनाकछुनुनुंछुनुनुंछुनुनुंछनाकसननंसननंसननंसनाकमंडलसेरेखजनुखांचे॥ झुनुझुनुछुनुछुनुघुटु

रुनुकेनांचलोटनकपोतदंगहोतजांचलक्काकीभांत पक्का
सुहातअसनाथसाथगुनसांचे ४ संगीतगीतनटगावै।
तातािथिन्नातातािथिन्नाथिन्नातातािथिन्नाथिन्ना तातािथिन्
तातािथिन्थिन्ताताथिन्ताता तातािथुन्नातातािथुन्नाथु
न्नाथुन्नातातािथुन्गतिनवीनउपजावे १ धुक्कटधुमकटधु
धुकटधा धिलांगाकिटकिटधाकिटकिटधाधाकिटधाधाकि
टधा। धिटिकिटिधिटिकिटिधाधिल्लांगधाधिल्लांगमुख
परनमृदंगबजावे २ ताताधिन्ताताधिन्धिन्ताताधि
न्तातातातााधिन्नातातााधिन्नाधिन्नाधिन्नाधीन्धीन्।ता
धिनाधिन्ताधिनाधिन्धीन्ताधिन्धीन्ताधिन्ढोलबो
लासिरजावे ३ तिटिकिटितिटिकिटिकिटितिटिकिटिति
टिकिट्किट्ताकिट्किट्ताकिट्ताकिट्ता। किटिक्ताकि
टिक्ता ताकिट्ताताकिट्ताकरतालनाथचटकावे ४ च
तुरँगरँगरँगहरिगावे। तानादिरतानादिरदिरदिरदिरदि
रतानानाना दिरनादिरनानादिरनानादिरनादिरेनादिरे
नानादिरेनादिरेसारीगमअगमबनावे १ नूम्तनूम्तनू
म्तानानूम्तानानूम्नूम् तानानूम्तानानूम्तानानाना
नाना। तननूम्तननूम्नूम्तनननननन भुम्भूमउपज
उपजावे २ सारीगमपधनिनिधपमगरीसासानीधमनि
निधपमपमगमनिधनिनीसानिपधधपनिधप धपनिध
निपनीधातीयहीयहुलसावे ३ निसासानीनिनिरसरस
निसरनिनिनीनिधपानिधनि पधमपधमधीधीनिनिनिनि
धधानिधधधानीनिनिनिधपधनि नाथाविभेदबतावे ४।५

———

गजेन्द्रमोक्षपंचक॥

रागखट ॥

इन्द्रद्युम्ननरपतिसुरपतिसमयदुपतिकेइकभक्तभयो। सतयुगसमैंमलैपरवतपैसबतजिकैतपहेतुगयो॥जितह रिभजनयजनमेंबिरम्योऋषिअगस्त्यतितआयपस्यो। लख्योनकछुपरख्योनृपमुनिकोतातेऋषिवरकोपकस्यो॥ तुवमतंगसमअंगनडोलत होमतंगमुनिशापदयो। हा हाखायधायनयविनयो किमिह्वैहैंतनफेरनयो॥ पैहौपर मपदवहपदताके जांकेप्रेमनेमउनयो। सोईभयोगज ग्राहग्रस्योजेहितेहिनाथहिनिजधामलयो१॥ दंडक ॥स र्वगन्धर्वकोएकराजारह्यो । हेतुजलकेलिकेगयोजलहे लिके डूबिकेमुनीदेवलहिकेपगगह्यो ॥ नामहाहाहुहूकि योहाहाहुहूतियहिंपरिहासहितहासअपनोकियो । ध्या ननिजईशकेध्यानसुमुनीशके आनजलबाहरहिंहँसत सबकोलख्यो ॥ बोधकरिशोधकरिक्रोधभरिऋषिकह्यो अरेहमतोडरेग्राहकोउपगधस्यो । तासुगुनिपापमुनि शापदीन्हीतुरत जाहतोहिंग्राहतनलाहह्वैहैकह्यो ॥ हो यलयविनयनयसाथवानेकियो तासुउद्धारनिरधारमुनि असकथ्यो । कबहिंजेहिपगुधरेहु त्यागजनितेहिकरेहु कह्योसोइग्राहबनिनाथहाथहिंतन्यो२ ॥ ठुमरीलखनऊ॥ जलकेलिकोहेलिगयोनदमें इकबारगयंदअनंदभरे ॥ परिवारसमेतविहाराकियो इकग्राहउछाहतेपैरधरे। भ रिजोरकरोरउपायाकियो परिवारकोहारपुकारकरे॥ पति

वारनहींकेउबारनकेगजऐंचतखैंचतहारपरे । गजडूब
तसाथहिनाथभज्यो इकबारकह्योप्रभुपाहिहरे ३ गजटे
रकोहेरनदेरकियो प्रभुनाँगेहिपावनतेनिकरे ॥ गजटेर
मेंबेरलगीसोलगी प्रभुकोनअबेरज्योंवाहींखरे । निज
जानकोजानबिसारदियो प्रभुधारसुदर्शनवारकरे ॥ नद
तेइकमंजुलकंजलिये गजशुंडलपेटकोभेंटधरे । निज
रूपअनूपमग्राहधरे विनतीकरिनाथकेहाथतरे ४ गति
ग्राहकीचाहकरीहुकरी प्रभुकीविनतीनातितेअतिहीं ।
पतिराखहुमोरिहुश्रीपतिजू मतिऔरकरौहमरीमातिहीं॥
निजपापतेशापकेतापतपे प्रभुआपगुनीजियकीरतिहीं।
अधमोंकेउधारनकोप्रनजौ तबवारनहूँकीकरौगतिही ५

बहारपंचरत्न॥

अमवनअमवनबोलेकोयलिया फुलवनफुलवनगूं
जेअलिया । मानोकहतसँदेशवामितवाकोदेखोठहरठ
हरबोलेप्यारीबोलिया ॥ डरियनडरियनबोलेलपकिभक
पकि निजरंगसेसोचावतसांवलिया । छनछनछिपिछि
पिछेड़ेछाड़े सखिनाथकेसाथकोहैछलिया १ कलियन
कलियनअलियनकीभपट । पतवनपतवनजोबनाउम
गे डरियनडरियनमेंलुनाइकीजमट ॥ बनवनबनबनन
वरंगलगे खेतवनखेतवनउमगेमघवट।सखियनकीलप
टनिजपियहियेररतिनाथकोतनतनमेंरदपट २ मेरोउमँ
गिउमँगिउठेबालाजोबना। सखियांउनसेजोबनासोबना
किमिहोइहैंविदेशअँदेशयही जियमोराघुमिरहाविरहा

केजोबना॥ उनबिनदिनदिनाछिनाछिनयुगसेबेदनामदना केजबनानतबना। बिनुनाथकेसाथहियाकसकैअसकै असवाकरबौरतना ३ पलछिनकलनाहिंपरैअँखियाँ। बस अन्तबसन्तकीहैरतियाँ॥ तरुवरतरझरतपरतपातियाँ। सुधिआवेनिजप्रीतमकीपातियाँ॥ पीकहाँपीकहाँपापिहा जोरटै नहटैसारीरैनकरैघातियाँ। सबसन्तअसन्तबसन्त रचैंबसअन्तकीनाथकरीगतियाँ ४ उनबिनादिननदिनब हैंअँखियां। रतियांछतियांनसुखेसाखियां॥ बिरहाकरधा रअपारबहै धिरजाकेकरारकढ़ैपतियां। मनकेजोउमंग तरंगघने मुरछासोइचादरकीभँतियां॥ घुमड़ीउमड़ीसी लसैदेहियां सोइभँवरीकीभईगतियां। निजनाथकेनाँव सोनावभई याहीइकजीवनकीबातियां ५॥

गज़लपंचरत्न॥

सुनसखीहरिचन्दकोचश्मैंचकोरोंनेचहा॥ अबवहीसे यादबनकर क्याविरहिनीकोदहा। देखतेहीचन्दअसली सबअलीअकसरजली यहतोबिनदेखेसदा दोचन्दबि रहिनकोडहा १ दूजकेहरिचन्दसेहरचन्दयहमैंनेकहा। आपदाहरिचन्दसीमेरीनक्योंतुमनेदहा २ चन्दरोज़ीचां दनीयहतोतनीहैशानसे। मेरेतोब्रजचन्दकेसायाकाबल सबदिनरहा ३ चंदकलमानाथसेतूकहदेजाकेऐभँवर। अबतोहमदहचन्द हरदुखियोंसेदुखनिसादिनसहा ४। १ सुनसखीयहश्यामका पैग़ामबरभौंराहुआ। आबनू सीरंगजासूसीकाअबदौराहुआ॥ सबबिरहिनीकेजिगर

से आहकाशोलाउठा इसलियेइसशोखकाफिरका बदनूऔराहुआ १ बिधगईकांटोंसे आंखेंकेतकीकोजोतकी । तौभीमुँहमोड़ानछोड़ा गोबदनूखौराहुआ २ श्यामअमृतकीनज़र इसपरज़रासीफेरदी । इसक़दर नाज़ुककमरपर रंगकुछधौराहुआ ३ छोड़करसाराऔँदेशा सुनसँदेशानाथका । भोगतजकरजोगलीजेब्रजमेंयहहौराहुआ ४ । २ उसबुतेसंगीपैलहरेएकजोड़ा साँपका । क्याशिवालेमेंजोटहरेएकजोड़ासाँपका १ परीशाँहोवोपरीरू समेटेज़ुल्फेंढुता । मारपड़नेसेजोदहरे एकजो० २ शोलयेज़हरीकोल्नेमाहँसेआबेहयात । फ़ल्कमेंभीजाकेठहरेएकजो० ३ किसअदावोनाजसेज़ुल्फ़ों कोजोऐंठेवोशोख । शाखसन्दलपरजोछहरेएकजो० ४ सब्जयेरुखसारपर ज़ुल्फ़ें हैंजोड़ासाँपका । रहगुज़रपर किसनेछोड़ा जहरेजोड़ासाँपका ५ लालयेरुखसारपर गेसूकेहैंक्याहीबहार । हुस्नकीदौलतपैबैठे पहरेजोड़ा साँ० ६ पिस्तयेदोहरेज़हर मोहरेलगेजोहाथमें। इसलियेपकड़ेहैंगहरेएकजोड़ासाँ० ७खाकेवहपेचावोबलछलकेहैकानोंकेजोपास।नाथसाकुंडलहैपहरे एकजोड़ासाँ० ३ । ८ यहआपकेलबोंपै जोमिस्सीसीछाईहै । रंगतहमारीआहने इसपरजमाईहै १ आमेज़स्याहोसुर्खयेहैंलब्जोआपके । जामनकीइसमेंसाफहीलज्जतसमाईहै २ शीरीकामजासिर्फरक़ीबोंकोहैनसीबबन्देकोदोनोंएकसी तुर्शीमिठाईहै ३ फ़क़होगयाहैरंग शफ़ककेनकाबका ॥ जबसेहमारेमाहने मेहँदीलगाईहै ४ घटताहैनहींजोर

दिलेनातवाँकाअब। जबसेतुम्हारेइश्ककीमाजूनखाई है ५ अबरूहथीठहरीमेरी अब्रूकोदेखकर। शमशीरव हअबतोमेरेपैआजमाईहै ६ आशक़भीनाथबनगयेतेरी फ़िराकमें। क्याधूमतूनेइश्ककीऐसीमचाईहै ७। ४ दा नीहोबनेदीनकेतोदानयहीदो। दर्शनहोतुमारासदाऔ ध्यानयहीदो॥ मंदिरमेंयहमुरादजोपूजाकरेहररोज। चू माकरूंक़दमोंकोमैंअरमानयहीदो १ हाजिररहूंखिदम तमेंतेरीसुबहसेताशाम। सिजदाकियाकरूंसदाफ़र्मान यहीदो २ जोकुछकलामानिकलेवोआपीकानामहो। ग रकामहोतोआपकाफ़र्मानयहीदो ३ जोजानमालतुझपै तसद्दुक़वहहो क़ुबूलटुक्एकनज़रदेखियेयहसानयहीदो ४ कुछकामहोतोनामगरीबोगुलामहै। आसीकोपुकारा करोहरआनयहीदो ५ हाथोंकेदोपाँवोंकेदोबोसेयहीदो दो। इसहिज्रकेगरहनमेंमहादानयहीदो ६ ऐबुततूजरा आँखेंज़रामुहँभीतोखोले। सौबारनएकबारतोआसान यहीदो॥ बुततेरेसिवानाथकहींहाथनजोड़े। काफिरका होनसाथकधींशानयहीदो ७। ५ ॥

जगन्नाथाष्टक॥

रागषट्। भजन॥जगन्नाथनाथनकेनाथतुम केते अना थसनाथाकिये। दीनमलीनछीनतनहीनहुं भयेपीनजि मिअमृतपिये १ अबसबरंकनिशंकपरांचिराचिधायधा यघरनासेदिये। जाकेधामठामनहिंनेको सोऊग्रामतजि आयजिये २ अटकापरअटकारहैसबही सबअटकाव

मिटायदिये। अनायासबिनुप्रयाससुन्दर पकीपकाईपर
रसिये ३ जानबूझप्रभुबानधराये डोरलगायेखैंचलि
ये। अतिअखुतायथकायनाथगये तातेंघोरकठोरहि
ये ४। १ जितहितबस्तुउड़ीसागौतित उदितउड़ीसा
नामपरो। जेहिथलभलनाहिंनेकबातजल तेहिकोबरनन
कहांकरो १ जितव्यापितगह्वरबनसागर कितलागिभू
रिदूरिपसरो। हाटबाटहूअतिनिचाटसम डगरबगरस
गरोबिगरो २ जहँलगिलेशदेशसीमाँको तहँलगिजगि
कलेशअखरो॥पिस्सूमँसाडँसादलदलदल सबथलफल
ऐसाहीधरो३गूरनजूरतबैखजूरलै जोहजूरकेमनाहिंभरो।
नाथसाथबासिभोजनव्यंजन केवलमछरीभातखरो ४।२
अपनेजानआनप्रभुबैठे निकटबिकटदेशनतेही। भूरि
धूरिपूरितअगनितदुख सुखपौरुषनरहतदेही १ बर
खाबिचकरखासममाँटी ग्रीषमविषमलोहसेही। यात्री
संकुलआकुलव्याकुल ऐसेअगमपंथमेंही २ चिउराचा
वलकेलानारियल जोविशेषउतबिषतेही। दूधदहीको
स्वादनहींकछु फूलफलहुमानहुखेही ३ जातिपांतिरा
खीनकिसूकी एकभांतिजेहीतेही। ताहूपैपीछानाहिंछांड़
त जेनिजनाथसाथनेही ४। ३ सुखदुखओड़िउड़ैसा
बैसा ऐसाठाकुरसन्तबना। हाथपांवइकसाथकटाये
मौनरहेपररहेतना १ गुपचुपछुपमंदिरमेंबैठे किसी
कानसुननाकहना। सुकृतिनकोदिनादिनदर्शनहै पा
पिनकोवोभीसपना २ असलनकलओभलेबुरे में दख
लनकुछदेनाअपना। आमिषआहारीनरनारी पाप

पुन्यसबएकसना ३ खानपानकाकुछप्रमाननहिंजूठ
मीठकुछनहींमना । जगन्नाथनाथनकेनाथबन कहाकौ
नयहसाधुपना ४।४॥ झँझौटी ॥याचकतेजनुजीवबचा
ई । अनुमानेजानेप्रभुऐसे इतनीदूरसकैकोआई १ भू
रिदूरिपथपूरिधूरिते तूरिमोहमायाकहँजाई । यातेदूरदु
रायआयप्रभु मौनलायकरमनहुँलुकाई २ ताहूपैमंगन
संगनछोड़त मुखमोड़तनालियेपिछुआई । रचेपचेपरचे
याचकजन जोपाचकबिनभोजनपाई ३ गिरतपरतल
रखरतप्रेमरत सदाबरततेगुजरकराई । धक्काखाहिंप्रेम
महँपक्कालक्कड़परदैनाथदोहाई ४।५ प्रभुनलगीतुमरी
चतुराई। मंगनकेडरतेहरिकंगन धारेनहिंबरुहाथकटा
ई १ करनपरतआसनदासनघरतातेपावनपांवबिहाई ।
वरअनुचरहितबरदेवेको मौनभयेमनोगौनजनाई २सा
दीचालगादीहूनाहीं ठकुराईतजिभगलबनाई। भारीमं
दिरअंदरबैठे चौकीचारुचक्रबैठाई ३ दारुरूपभारीकु
रूपलसिरंगबिरंगअंगरचवाई । तबहूँनहिंनाथहिकोउ
छांड़त तकिकेतकिमधुकरकितजाई ४।६ मैंजगदीश
दीसनहिंआली । मनवचकरमधरमयुतअदभुत चिं
तितनितजेदाससुचाली १ बीसोंबीशईशदरशनहि
तआवतचितनितखामखयाली । जगजंजालजालमें
उलझेसुलझेतोफिरहोयनिकाली २ कैसहुदोखीहोय
कुरोखी चोखीप्रीतप्रभुचाहतखाली। बालयुवाअरुवृद्ध
निद्धसम डोरलायप्रभुखैंचतहाली ३ चाहकरेनहिंकोऊ
राहमेंसुखीदुखीहितहूकहँटाली॥ ताकरनाथहाथनिजसे

वन बनबिचकरतसदारखवाली ४ । ७ पापनकोउअ पनोपहिंचाने । पापछुटेबिनतापमिटैकिमिइमिजगजन सबरहतभुलाने १ ताकरभेदखेदथोरहिमें संतमेतफल लेतजोजाने । भुक्तिमुक्तिबिनुयोगयज्ञलासि जोअस सहजयुक्तिजियआने २ प्रभुकेदरसपरसपापिनकोहोत नहींतबहींविलखाने । धरनादेहिंठानिनिजमरना अघ अपनेसपनेविलगाने ३ प्रभुनिजदेतबतायउपायहिं सो सबजायकरैंहठठाने । तबअनाथकोनाथबनावत जग न्नाथफलदैंमनमाने ४।८ ॥

सुदामाष्टक॥

भैरव ॥ कहतसुदामातेवरबामा जैयेश्यामाश्याम घरे । जौंपतिनिजपतिराखनचाहौ तौयदुपतिकेशरन परे ॥ जिमिवारिदकोवायुउड़ावत तिमिदारिददुखदूरि करे । यशुमातिसुवनस्वामित्रिभुवनके औरनतेंनहिंका जसरे ॥घरघरकेघूमनछूंतेपिय हियनभरेनतुउदरभरे । असनहीनअरुबसनहीनअति जीरनपटतनदेखपरे ॥ बरतनकोएकोनहिंबरतन घरटूटेफूटेउजरे। करकरवाको पीनहीनतन कटेफटेपटटूकसरे ॥ मनमलीनअद्भुतनवी नद्युतिदारिदवारिदरूपटरे । महाभूतअवधूतसीदहीता परपंचभूतबिगरे॥दीनमलीनछीनतनतनहैंबड़े२सबबा रभरे।लीखदीखमोतीसमपोहीबारबारबहुजीवभरे॥ बा रीभोरीसीतुमगोरीक्योंबरजोरीटेकधरे । ज्ञानध्यानकछु आनातिहारोसूभअसूभनबूभपरे॥ कहाँब्रजराजराजरा

जनकेकहाँकंकअरुरंकखरे ॥ नाथसाथकिमिबातकरैंगे चीन्हैंगेकेहिभाँतहरे ४।५।१॥झंझौटी॥वा मल्लार॥ प्यारीसुन्दरसीखतिहारी।नीकसीखपैभीखमांगते कैसे जाऊँकहाँऊँअनारी॥ नहिंजलपानपानभाजनहूं भोज नहूंकुछनाहिंबियारी।मंजिलमानमथनजनकोहैं तापर भूखदूखमतिमारी॥ भूरिधूरिपथदूरिद्वारका आतपतप नसघनदुखकारी। तापरअसनबसननाहिंनेकहु खरच बरचएकहुनतयारी॥ द्वारपालयहहालहेरिकै किमिक रिहैहमरीपैठारी। वहद्वारकानाथनाथनके कंकरंककीकौ नचिन्हारी ४।२ तियपियकीसबकीन्हतयारी। गरुड़ यानकेपासजानाहित बितभरिउचितबस्तुलैसारी॥ मृ दुलमृदुलतंदुलकेकनघन इतउततेलाईचुनिनारी।जा यअरोसपरोसपायँपरिकटेफटेपटलायसँवारी॥ निजहा थनतेंसीयपीयपट धोयधायघनपेवनडारी। ऊरधअधो वस्त्रयुगराचे खाँचेपाटलपीतकिनारी॥ लुटियाछोटील कुटियामोटी तनतनचन्दनकीन्हरेघारी। जटाजूटलट छूटहियेलगि दाढ़ीबहुबाढ़ीछबिधारी॥ पोटछोटलुटिया दैगठिया बालब्रह्मचारीद्युतिधारी। अशरनशरनहरन निजजनदुख नाथगाथगावतपगधारी ४।३ श्यामा श्यामसुदामासुमिरत गिरतपरतद्वारावतिआये। धौरी धूरिभरीपावनमें हरिपौरीपैआयसुहाये॥ द्वारपाललख तहिंदयालकै हरिजनजानिमानिठहराये। याँचेनामग्रा मद्विजवरके यदुबरकेझटखबरजनाये॥ रुकमिनिपास सारपासहिहार बिहरिरहेतेहितजिभजिधाये। हियहुल

सायलगायधायप्रभु जिमिजनकोऊगयेधनपाये ॥ पावनघूरितासुपावनगुनि ठनिकैहरितनतनाहिंरमाये। द्विजवरसाथनाथधरिहाथहिं रंगमहलमेंचुहलमचाये ४॥ लखनऊकीठुमरी ॥ द्विजपावनकोपहुंचावनको प्रभुनाँगेहि पाँवनतेनिकरे। निजथानमँगायचढ़ायदियोहारि लायहियेअतिअंकभरे ॥ करुणानिधिजूकरुणाकरिके धरिकेदोउमीतगरेसेगरे। जिमिहारिलकोलकरीपकरी तरआंसुकरेकपरेसगरे ॥ दोउआपुसमाहिंविदाजोकरैं नतुनाथटरेनतुमीतटरे ७ कितगइरेमोरीराममड़ैया। कितवहडगरबगरकितनगरहु कितगयेरेमेरेलोगलुगैया ॥ यहअभिरामअरामधामवर हाटबाटअरुतालतलैया। कछुप्राचीनचन्हिनाहिंचीन्हत कौनउजारेउजारपुरैया ॥ सुनिदौरीपतिकीमतिबौरी दामाकीबामासुखदैया। करपकरतआरततेबोलत हौंपरनारिकबोंनछुवैया ॥ हौंचेरीतेरीसुनमेरी फेरीगतितुवमीतकन्हैया। नाथहाथधरिमहलहिंलाई ऋधिसिधिपुलकाईद्विजरैया ८ ॥

इतिश्रीसुदामाष्टकम् ॥

आरतीपंचरत्न ॥

आरतिरतियुतराजकुवँरकी ॥ सीताअनुजसहितरघुबरकी। मंजुलमृदुलनीलनीरजछबि सोनजुहीचंपकद्युतिधरकी १ स्वर्नसिंहासनपैकमलासन बीरासनबैठनसुरवरकी। करदकमरकरबालढालकर कसतरकसफबपीठसुघरकी २ कान्हेकमानबानकरसोहैं मोहेंमनहांसी

मृदुतरकी। आरतिमातुउतारतिवारति गावतिसुंदर धुनिमधुकरकी ३ जगमगजोतिहोतिलगलगदृग छबि अनेकमानोरतिवरकी। भूषनसुमनसुमनतेसाजे शमन शोकछबिनाथसुघरकी ४ आरतिश्रीब्रजराजकुँवरकी। मंजुलमृदुलयुगलछबिधरकी॥ उतहैमुकुटलकुटमानि कके इतमुकुटीलकुटीगुड़हरकी १ उतपटपीतपीतधा रीयुत इतसारीकारीफुलवरकी। केसरखौरगौरमुखबेंदी मेहँदीद्युतिदामिनिजलधरकी २ उतमनिजालमालमो तिनकी इतगुंजाबनमालसुघरकी। उतकंकनकिंकिनि धुनिसुनियत इतनूपुरपुरहंसकुवँरकी ३ मुरलीरलीमु खएकपरसपर बांकीसीझाँकीनटवरकी। नाथसाथकुं जनकीछाहीं परछाहींछबिअतिरतिवरकी ४॥

नवीनरचना॥

काफीहोली॥ नागरीकिधौंनागरीआली॥ घूंघरवारेअ लकछलकारे जाकीचालनिराली। लालगुलालनतेक रिडाली कालेतेलालकराली॥ चुटीलेविसेलेविसाली नागरी० १ तापरतेभौंहैंदोउसौंहैं लाललालछबिवाली। मानोलालबिछूकरजोड़े छोड़ेनिगोड़ेनखाली॥ बड़ेगाढ़े बिषसाली नागरी० २ लघुबिछियाकीआड़सीआड़ेरो

रीआड़कीलाली । दूनहिदूनखूनभरी मानहुनेहिनकी हियसाली ॥ लालतेनीकीहैकाली नागरी० ३ होरीमें यहभोरीसीगोरी सबपैंठगोरीडाली । नाथहाथयाकेबचे रहियोजौंचहियोखुशियाली ॥ नातोजियराकीजवाली नागरी०४।१॥अन्यच॥सांवरोबावरोभयोमाई॥ रावरो सौंहभौंहदोउअँखियनसखियनतेमटकाई।एकसेएकअनेकनचालन चितवनगजबबनाई॥करेअँखियांकीलड़ाई। सांवरो ० १ मदमातीरंगरातीअँखियांतापैंसुरखियांछाई। अंजनकोरेंलालसुडोरें लालहिलालदुहाई॥कसतकसमनबरिआई॥ सांवरो० २ डगरबगरगलीनगर नमानेंजहँकोउजानेलुगाई ।बरजोरीगोरीउरलावतगावतगारीचिल्लाई ॥ करतऔरहुबेहयाई ॥ सांवरो० ३ जोकोउछोड़तहाथसाथही ग्वालबालघिरआई।चिमटेततैयाकीनैयारीदैयायेनिरदैयाकसाई ॥ नाथपुनिनाच नचाई ॥ सांवरो ० ४।२॥ ठुमरी ॥ आजकेसररँग बरसेरे । बेसरअपनीतुसम्हालबाल ॥ अबहींतोरीकोरीजनाय । गोरीतोरीसासदीन्हींगढ़ाय ॥ बिगड़ेपैंबिगड़ैगीरिसाय। डरतोहिनघरसेरे ॥आजकेसररंगबरसेरे० १ घनलालगुलालनतेघिराय। चहुँओरभोरसांझहिसुहाय॥ बुंदियापिचकारीधारीछाय । मुक्ताबकदरसेरे ॥ आज ० २ सफकेसफडफगरजनजनाय।तडकनउपंग अरुचंगलाय ॥ तापरमृदंगघहरायआय । मोरिलामनहरसेरे ॥ आज ० ३ मनिमुकुटलकुटदामिनिकीभांति । लसीलाललालपगग्वालपांति ॥ मानोबीरबहूटी

जातिमाति । नाथहिकरपरसेरे ॥ आज० ४ । ३ ॥ आजइकसँगरँगबरसेरे । तँगह्वैहौजोजैहौसँगकोउके ॥ आज० ॥ कुंकुमाघुमाघुमाफेंकेलाल। चहुँओरीजुमाजुमाराखेग्वाल॥काह्वैहैहमाँशुमाँकेरेहाल। बड़ेबड़ेछिपेडरसेरे॥ आज०१ दमकलाकलाकरिछोड़ैलला।दूरहिंतेलुकायेभुकायेगला ॥ कोउकैसहुतियसबलाचपला। तनताहूकेसरसेरे॥ आज० २ तापरगुलालडाललनकेडाल। अरीबीरअबीरबुकाहुडाल ॥ बासरकरडारतरैनचाल। कोउनिकसेनघरसेरे॥आज० ३ शिशुसाथनाथमदमातेभूम। करेखोरीखोरीहोरीकेधूम ॥ मगगोरीलखेबरजोरीचूम। गरहनसमगरसेरे ॥ आज० ४ । ४ ॥ सोरठ ॥ ब्रजबासीबड़ेबेबिसासीहो। प्रीतिजानेकहा ॥ फूलनपाननसेतियआनन मीड़तकतकरिहाँसीहो। नहिंमानेकहा॥ ब्रज० १ बहियांमरोरतदेहियांभकोरत दुखिदुखिदेहहरासीहो। तापैबोलैंअहा ॥ ब्रज० २ मदनमतंगरंगभूमतहैं घूमतलखिसाखिखासीहो। तंनतनहीगहा॥ब्रज० ३ कारोनकारोसोंनहिंछुटकारो बाँधोतोबोलेबछियासीहो। नाथखावेहहा ॥ ब्रज० ४ । ५ पिकवैनीतोरीबेनीआज । तिरवेनीसीसुखदेनीछाज ॥ मौलिनतेगुथीगौंथीसुहाती तापैकिनारीरुपहरीसाज ॥ पिक० १ तापरलालगुलालकेसंगम मनहुसितासितदेतदाँज ॥ पिक० २ पाटीपरिपाटीसोअछैबटचोटी भूषनमाधोविराज ॥ पिक० ३ नाथहाथहीहाथदेतफल यहभलनिरमलतिरथराज ॥ पिक० ४ । ६ ॥ काफी होली ॥

आजसियाबरखेलतहोरी । इतचितचकितकुवँरबरचातुर अतिआतुरघुररंगकमोरी ॥ उततियधुतसियठाँवदाँवलै मुशलधारदैथकितकियोरी ॥ आज ० १ तिरछौंहैंभौहैंदोउसौंहैं इन्द्रधनुखमुखशबिछबिसोरी । भीनभीनभीसीसीझिर भिरपिचुकारीकीधारीकरोरी ॥ आज० २ चंगमृदंगकेगरजनतड़पन नाचेसखासखीमोरसुमोरी । जिगनगनबसननकेसितारेबक पंगतिअतिमोतियनकोरी ॥ आज० ३ करखाकीधुनिसुनिबरखारँगघनघोरीकरीराजकिशोरी । नाथसाथसियकेमनवारतलखिरसमूरतिसूरतिभोरी ॥ आज० ४ । ७ ॥ अन्य ॥ रामसियादोउखेलतहोरी ॥ एकओरसियाजोरतियागन भरभरगागरकेसरघोरी । एकओररघुराजसाजदल विमलरंगइकसंगबटोरी ॥ राम० १ होहोहोरीकरतधुनिघोरी बौरीसीदौरीहैंराजकिशोरी । लैअबीररघुबीरसखासब बीरबेसभुँकिभोरीकीभोरी ॥ राम० २ छिनतेहिछिनगुलालकीभोरी मलिमलिबरजोरीमुखरोरी । कहतसुहागजागतोरीगोरी सुंदरसिंदुरदानदयोरी॥ राम०३ सीयपीयकरपीतपिछोरीछोरीमिलकोरीबरजोरी । नाथसाथसुतलेखदेतअतिलखिमूरतिसूरतिभइभोरी ॥ राम० ४ । ८॥ होलीब्रजकीडफपरकी॥ कहुंदेखेहोरीकेरसियाको । सुघरसलोनेब्रजबसियाको ॥ कठिनकठोरचोरचितकारो छांड़िभज्योनिजदासियाको । कहुँ० १ वहतोजातघाततेबाहींजहाँदेखेकछुलासियाको । कहुँ० २ सौहैंभौहैंकमानतानके मारेनजरशरगँसिया

को। कहुँ० ३ नाथसाथअलकनकीछलकन मानोल गावेगलफँसियाको। कहुँ० ४। ९॥

इति॥

मुंशी नवलकिशोर(सी,आई,ई,)के छापेख़ानेमें छपा
दिसम्बर सन् १८८९ ई०॥
